हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दो सालों में 182 से अधिक कार्रवाई, 76 लोगों को जेल भी भेजा गया

10 हजार लीटर से अधिक की शराब जब्ती
30 हजार किलो लहान भी पकड़ाया

दस गांव जहां बनती है शराब...

मिलाया जाता है सड़ा गुड़, शीरा, नौसादर, यूरिया धतूरे के बीज और ऑक्सिटोसिन इंजेक्शन

विकास चौबे और टेकचंद कारडा की विशेष रिपोर्ट

अलग खबर

बिलासपुर जिले के 10 से अधिक गांव ऐसे हैं जहां घर-घर में अवैध शराब बनाई जाती है और कारोबार महीनों नहीं सालों से चल रहा है। आबकारी और पुलिस की टीम कई बार कार्रवाई भी करती है लेकिन इस धंधे पर असर नहीं पड़ा है। तखतपुर क्षेत्र का सोनबंधा, धूमा, चकरभाठा क्षेत्र का नगाराडीह, कोटा क्षेत्र के लोकबंद से लेकर कई ऐसे गांव हैं जहां कच्ची ▶▶|शेष पेज 7 पर

आंगन में गड्ढा खोदकर भरते हैं गंदा पानी

पिछले दिनों नगाराडीह, सोनबंधा में आबकारी टीम ने जो कार्रवाई की उसमें पाया गया कि एक घर के आंगन में शराब बनाने का सामान रखा हुआ है। वहां आंगन में एक गड्ढा भी खुदा हुआ था जिसमें शराब के पानी को बहाया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक देसी शराब एक फल से बनती है जिसे महुआ कहा जाता है। यह फल जब पेड़ से पूरी तरह से पक कर गिरता है उसके बाद इस फल को पूरी तरह से सुखाया जाता है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

वास्तविक लागत 15 रुपए से भी कम

दूसरी ओर जिस देसी शराब को सरकार 80 रुपए पाव दर पर बेचती है उसकी वास्तविक लागत 15 रुपए से भी कम है क्योंकि महुआ ▶▶|शेष पेज 7 पर

इनसे बनती है शराब

दरअसल एक लीटर शराब को बनाने में सड़ा-गला गुड़, शीरा, नौसादर, यूरिया, धतूरे के बीज, ऑक्सिटोसिन इंजेक्शन और यीस्ट को आपस में मिलाया जाता है। जब ग्राहक नशा कम होने की बात करते हैं तब मिश्रण में कुछ तत्वों जैसे नौसादर, धतूरे के बीज और ऑक्सीटोसिन (वो इंजेक्शन जो गाय-भैंस का दूध उतारने के लिए दिया जाता है) की मात्रा बढ़ा दी जाती है। जब तक यह तत्व एक निश्चित मात्रा में रहते हैं नशा बढ़ता है लेकिन कई बार कोई तत्व ज्यादा हो जाता है, तो शराब जहरीली हो जाती है। इससे जान भी जा सकती है। कई बार कुछ लोग ज्यादा पैसा कमाने के लिए भी नशा ज्यादा करना चाहते हैं जो जानलेवा साबित होता है। ऑक्सिटोसिन जैसे कैमिकल मिलाने की वजह से शराब में मिथाइल एल्कोहल की मात्रा आ जाती है। मिथाइल एल्कोहल शरीर में जाते ही शरीर के अन्य रसायनों से मिलकर रिएक्शन करने लगता है। इससे शरीर के अंदरूनी अंग काम करना बंद कर देते हैं। इसकी वजह से आदमी की कई बार तुरंत मौत हो जाती है। कई बार यह स्लो पॉइजन की तरह भी काम करता है।

27 सदस्यीय समिति में सीतारमण संयोजक, पीयूष गोयल उप संयोजक

लोकसभा चुनावः घोषणा पत्र समिति में सीएम साय भी, राजनाथ होंगे अध्यक्ष

भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को 27 सदस्यीय घोषणा पत्र समिति गठित कर दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस समिति का अध्यक्ष, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को संयोजक और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को सह-संयोजक बनाया गया है। इस समिति में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत चार राज्यों के सीएम को शामिल किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इस समिति के गठन को मंजूरी दी है। समिति में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर के अलावा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कुछ पूर्व उपमुख्यमंत्री भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्रियों में गुजरात के भूपेंद्र पटेल, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, असम के हिमंत विश्व शर्मा और छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय के नाम हैं जबकि पूर्व मुख्यमंत्रियों में शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे के नाम हैं। समिति के अन्य सदस्यों में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, राधामोहन दास अग्रवाल, राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, ओ पी धनखड़, अनिल एंटनी शामिल हैं। भाजपा ने पिछले माह ही लोकसभा चुनाव के लिए ▶▶|शेष पेज 7 पर

चार राज्यों के सीएम

छत्तीसगढ़	विष्णुदेव साय
मध्यप्रदेश	मोहन यादव
असम	हिमंता बिस्वा सरमा
गुजरात	भूपेंद्र पटेल

हर राज्य के प्रतिनिधि

समिति में हर राज्य के प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। झारखंड से अर्जुन मुंडा को सदस्य बनाया गया है। राजस्थान से भूपेंद्र यादव, अरुणाचल प्रदेश से किरेन रिजीजू, ओडिशा से अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान और जुएल ओराम, गुजरात से भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश से मोहन यादव और शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान से वसुंधराराजे, उत्तर प्रदेश से स्मृति इरानी, केशव प्रसाद मौर्य, तारिक मंसूर और राधामोहन दास अग्रवाल, बिहार से रविशंकर प्रसाद और सुशील मोदी, कर्नाटक से रजीव चंद्रशेखर, महाराष्ट्र से विनोद तावड़े, ▶▶|शेष पेज 7 पर

पूर्व सीएम में शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे के नाम

19 अप्रैल से 1 जून तक एक्जिट पोल बैन

निर्वाचन आयोग ने एग्जिट पोल को लेकर एक अधिसूचना जारी कर दी है। इस अधिसूचना के अनुसार 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम साढ़े छह बजे तक के बीच एग्जिट पोल आयोजित करने, इसके प्रकाशन या प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने इस तरह की अधिसूचना को जारी किया है। इससे पहले ही देश भर में आचार संहिता लागू हो गई है। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव सहित विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीखों का भी ऐलान कर दिया है।

अब तक 407 की सूची जारी

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर अबतक 7 लिस्ट जारी कर दी हैं। सातवीं लिस्ट के साथ ही बीजेपी ने अब तक अपने 407 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने 101 सांसदों का टिकट काटा है।

प्रधानमंत्री, राजनाथ और भाजपा अध्यक्ष समेत कई हस्तियां रहीं मौजूद

नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह, कर्पूरी ठाकुर, स्वामीनाथन को मरणोपरांत सम्मान

पूर्व प्रधानमंत्री समेत चार को राष्ट्रपति ने दिए भारत रत्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन तथा बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' मरणोपरांत प्रदान किया। राव, सिंह, ठाकुर और स्वामीनाथन को दिए गए पुरस्कार उनके परिवार के सदस्यों ने लिए। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के लिए मुर्मू से यह सम्मान उनके पुत्र पी वी प्रभाकर राव ने स्वीकार किया। चौधरी चरण सिंह के लिए उनके पोते और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान स्वीकार किया। स्वामीनाथन ▶▶|शेष पेज 7 पर

आडवाणी को घर जाकर मुर्मू देंगी सम्मान

देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी आज भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाना था, लेकिन अस्वस्थ होने के कारण वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को लालकृष्ण आडवाणी के घर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करेंगी।

खबर संक्षेप

पूर्व अधिकारी को 10 साल की सजा

नई दिल्ली। पंजाब के मोहाली की एक विशेष सीबीआई अदालत ने 1992 में एक व्यक्ति की न्यायेतर हत्या के मामले में अमृतसर के झब्बाल पुलिस थाने के तत्कालीन प्रभारी को शनिवार को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अधिकारियों ने कहा कि मामले में एक अन्य आरोपी तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार शर्मा की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई, जिसके बाद उनके खिलाफ आरोप हटा दिए गए। झब्बाल पुलिस थाने के तत्कालीन एसएचओ अमरजीत सिंह को बलविंदर सिंह की न्यायेतर हत्या के लिए दोषी ठहराया गया।

साय बोले-कांग्रेसी ख्याली पुलाव पकाते हैं जनता का विश्वास कांग्रेस से उठ चुका है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर के गांव कांदुल में भाजपा के विजय बूथ अभियान का शुभारंभ करते हुए लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की नारी न्याय गारंटी योजना को लेकर कहा, कांग्रेसी महज ख्याली पुलाव पकाते हैं। देश और प्रदेश की जनता का विश्वास कांग्रेस पार्टी से उठ चुका है। पांच साल कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की जनता को केवल लूटने और ठगने का काम किया है। अब ये एक ▶▶|शेष पेज 7 पर

किरण देव ने फाफाडीह में लगाया झंडा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव ने बूथ विजय संकल्प अभियान के तहत फाफाडीह में झंडा लगाया। उन्होंने कहा भाजपा कार्यकर्ताओं के दम पर हम 11 की 11 सीटे जीतने जा रहे हैं। रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत माना कैंप में छत्तीसगढ़ के ▶▶|शेष पेज 7 पर

भाजपा की आठवीं लिस्ट जारी

सनी देओल का पत्ता कटा अमरिंदर की पत्नी को टिकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर आठवीं लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने पंजाब की 6 और ओडिशा की 3 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। सबसे पहले बात पंजाब की करें तो गुरदासपुर लोकसभा सीट से बीजेपी ने सनी देओल का पत्ता काट दिया है, उनकी जगह दिनेश सिंह 'बब्बू' को टिकट दिया गया है। अमृतसर सीट से तरणजीत सिंह ▶▶|शेष पेज 7 पर

परनीत कौर को पटियाला से टिकट

भाजपा ने परनीत कौर को पटियाला से टिकट दिया है। परनीत ने भी इसी महीने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी। उन्होंने भाजपा की सदस्यता लेते हुए कहा था कि अब समय आ गया है कि हम उससे जुड़ें, जो हमारे बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने में सक्षम हैं, उनकी नीतियों और कार्यों को देखते हुए मैंने ऐसा फैसला किया है।

रात 10 बजे ऑनलाइन याचिका, अगले दिन सुबह सुनवाई, हो गया निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ होगा कि एक याचिका रात करीब 10 बजे आनलाइन दायर होती है और अगली सुबह 8 बजे कोर्ट की बेंच बैंठती है और मामले की सुनवाई भी होती है। यही नहीं सुनवाई के दौरान अंतिम आदेश भी जारी कर दिया जाता है। दरअसल याचिकाकर्ता ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में अर्जेंट हियरिंग के तहत सुनवाई के ▶▶|शेष पेज 7 पर

शाम 7 बजे नोटिस, पुलिस भी तैनात

नगर निगम के भवन शाखा ने 28 मार्च शुक्रवार की शाम 7 बजे के करीब हरीश राठौर को नोटिस जारी किया। इसमें कहा गया कि स्वीकृत नक्शा व ड्राइंग डिजाइन के विपरीत निर्माण कार्य किया गया है। इसलिए सुबह शनिवार की सुबह ▶▶|शेष पेज 7 पर

कब्रिस्तान जाने के लिए जुटे हजारी लोग

माफिया मुख्तार के भाई और कलेक्टर में तीखी बहस

एजेंसी ▶▶| गाजीपुर

गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार के दौरान शनिवार को यहां उनके भाई और सांसद अफजाल अंसारी तथा गाजीपुर की जिलाधिकारी के बीच कथित तौर पर इस बात पर बहस हो गई कि कब्रिस्तान में कौन जा सकता है। मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिये गाजीपुर और आस-पास के इलाकों से हजारों लोग जुट गए थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह बहस तब हुई, जब जिला प्रशासन ने कथित तौर पर भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में कुछ लोगों ▶▶|शेष पेज 7 पर

जब बेटे ने दिया मूछों को ताव...

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें बेटा पिता मुख्तार की मूछों को ताव देता नजर आ रहा है। नम आंखों से उमर अंसारी ने अपने पिता की मूंछों को आखिरी बार ताव दिया।

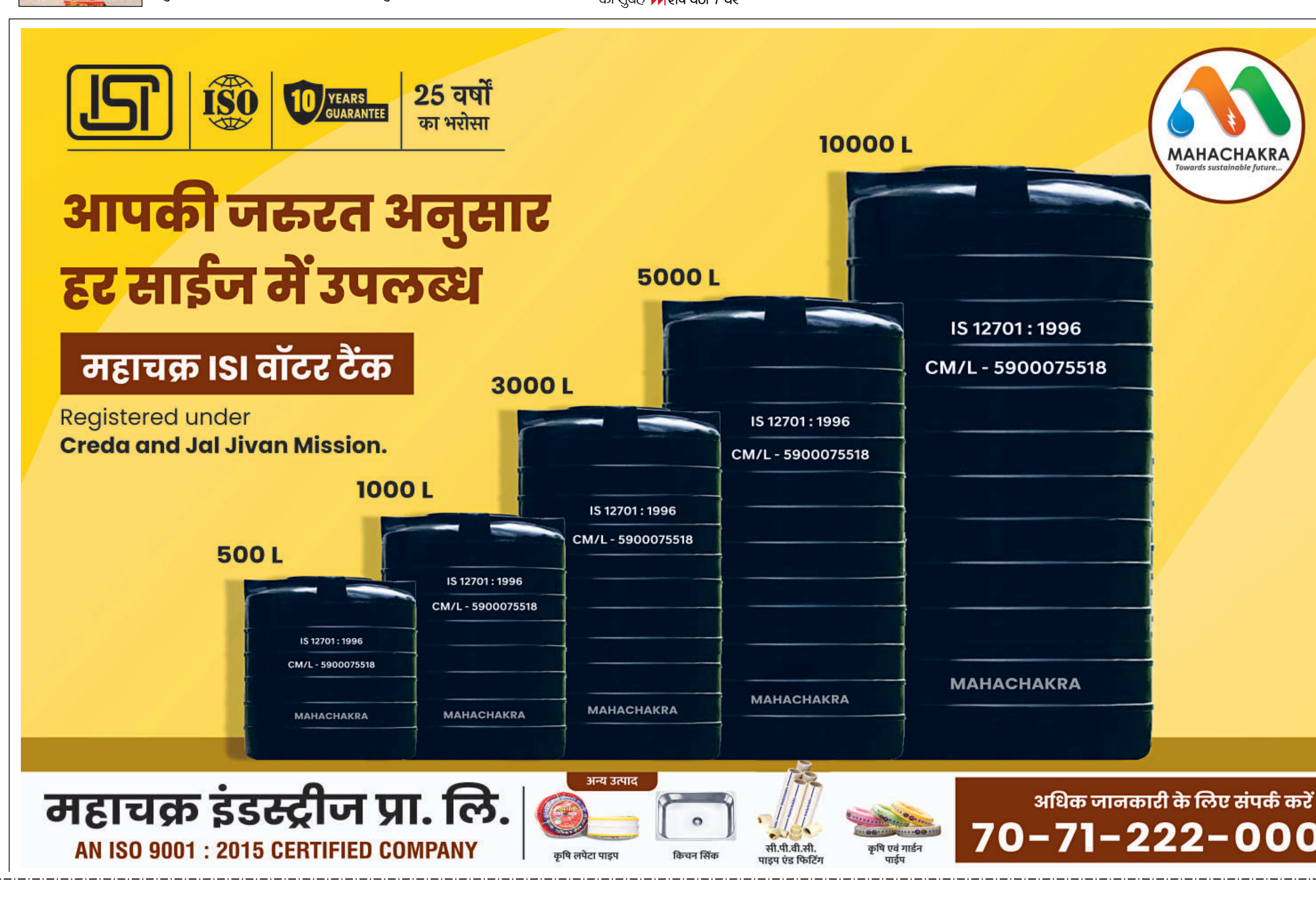

नायक 2 को लेकर आया बड़ा अपडेट

मुंबई। साल 2001 में अभिनेता अनिल कपूर के फिल्मी करियर की एक बेहद शानदार मूवी आई, जिसका नाम नायक-द रियल हीरो था। पॉलिटिकल ड्रामा इस मूवी ने अपनी लाजवाब कहानी से फैंस के दिल बखूबी जीत लिया और नायक सुपरहिट साबित हुई। इस मूवी का निर्देशन साउथ सिनेमा के दिग्गज डायरेक्टर एस शंकर ने किया था। ऐसे में अब शंकर ने दो अनिल कपूर से खास मुलाकात की है। इन दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं और अब प्रशंसकों के बीच ये चर्चा काफी तेज हो गई है कि जल्द ही नायक 2 को लेकर कोई न कोई अपडेट आने वाला है।

लाइफ Style

ऋचा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपकमिंग पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' को लेकर खुलासा किया है कि कैसे फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली ने सीरीज में वास्तिवकता की झलक पेश करने के लिए वेशभूषा पर काम किया। उन्होंने असली पुराने आभूषणों और कपड़ों का इस्तेमाल किया।

हीरामंडी में हुआ पुराने कपड़ों का यूज

एजेंसी ⏭ मुंबई

ऋचा ने कहा कि भंसाली अपनी दुनिया के प्रति बेहद सचेत हैं। ऋचा ने कहा, यह उनका दृष्टिकोण है। वह भव्यता, कविता, संगीत, पोशाक और आभूषण चाहते हैं। हमने जो आभूषण पहने हैं वे सभी असली हैं। भले ही यह तीन-चार किलोग्राम के आभूषण हों, यह सभी असली, सभी पुराने आभूषण हैं। इसमें कॉस्ट्यूम के तौर पर पुराने कपड़ों का उपयोग किया गया है। 'लज्जो' की भूमिका के लिए की गई तैयारियों के बारे में बात करते हुए ऋचा ने कहा, उर्दू सीखने के लिए काफी क्लासेज लेनी पड़ी।

जब मैं बच्ची थीं तो मैंने एक दशक तक कथक सीखा था, इसलिए मुझे उसमें निखार लाना था। मैंने वॉयस मॉड्यूलेशन किया। एक्ट्रेस ने कहा, 1930, 1940 और 1950 के दशक में महिलाएं कैसे बात करती थीं, मैंने उस तरीकों को अपनी बोलचाल में लाने की कोशिश की। उस बातचीत में एक अलग लय थी। सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख भी हैं। 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' का प्रीमियर जल्द ही नेटफ्लिक्स पर होगा। 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' से संजय लीला भंसाली ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रहे है।

मार्वल फिल्मों में काम नहीं करेंगी क्रिस्टन

लॉस एंजेलिस। बेला स्वान उर्फ क्रिस्टन स्टीवर्ट मार्वल फिल्मों में काम नहीं करेंगी। वह सिर्फ एक शर्त पर एमसीयू की फिल्मों में नजर आएंगी। मार्वल फिल्मों में काम करने को लेकर क्रिस्टन स्टीवर्ट ने कहा, मैं शायद कभी मार्वल फिल्म नहीं करूंगी। यह वाकई एक बुरे सपने जैसा लगता है। आपके पास एक व्यक्ति पर इतना पैसा और इतना भरोसा होना चाहिए और ऐसा नहीं होता है। यह एक अजीब अनुभव है, जहां आप इसके बारे में बिल्कुल भी व्यक्तिगत महसूस नहीं कर सकते। तो इस वजह से नहीं। हालांकि, क्रिस्टन ने आगे कहा कि अगर वह कभी मार्वल के तहत कोई प्रोजेक्ट साइन करेंगी तो एक शर्त होगी। शर्त ये होगी कि ग्रेटा गेरविग (बार्बी फिल्म की डायरेक्टर) इसकी डायरेक्टर हो। वह कहती हैं, लेकिन शायद दुनिया बदल जाएगी, मैं यही कह रही हूं। मैं आपको कैसे मना कर सकती हूं, जब शायद एक दिन अगर ग्रेटा गेरविग मुझसे मार्वल फिल्म करने के लिए कहेंगी, तो मैं वह करूंगी। मालूम हो कि ग्रेटा पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'बार्बी' के लिए एकेडमी अवॉर्ड नॉमिनेटेड राइटर-डायरेक्टर हैं। उन्होंने 'लेडी बर्ड' और 'लिटिल वुमेन' जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया है। क्रिस्टन की भारत में भी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। 'ट्वाइलाइट' मूवी सीरीज से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

मायरा 'पू' से बनी 'पार्वती

लुक को लेकर किया खुलासा

मुंबई । टीवी शो 'भाग्य लक्ष्मी' में सात साल का लीप आया है, जिससे एक्ट्रेस मायरा मिश्रा काफी खुश हैं। उन्हें एक बिल्कुल नए अवतार में अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिल रहा है। इस नए लुक में वह साड़ी, बिंदी और बालों का जूड़ा बनाकर तैयार होती हुई नजर आएंगी। मायरा ने कहा, जब से मैं शो में शामिल हुई हूं, तब से मैं मॉडर्न और डिजाइनर आउटफिट पहन रही हूं। इसलिए मुझे खुशी है कि इस लीप के साथ, मुझे अब एक बिल्कुल नए अवतार में अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिल रहा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके लिए यह पू बनी पार्वती जैसा है। एक्ट्रेस ने कहा, साड़ी पहनना मलिष्का के लिए अहम बदलाव है, जैसे- पू बनी पार्वती। मुझे हमेशा लगता है कि साड़ी लुक बेहद खूबसूरत और आकर्षक है। और आम तौर पर, हमें इसे रोजाना पहनने का मौका नहीं मिलता है, लेकिन मेरे लुक में बदलाव के साथ, मुझे इसका एक्सपीरियंस भी होगा। मायरा ने अपनी क्रिएटिविटी टीम को श्रेय देते बुए कहा कि टीम के लोग बेहद मददगार हैं।

थोड़ा देसी लड़के से डेट करना चाहती हैं कृति

मुंबई। एक्ट्रेस कृति सेनन को फिल्म 'क्रू' के लिए काफी सरहाना मिल रही है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्हें भारतीय लड़के क्यों पसंद हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें एक ऐसे लड़के की जरूरत है, जो थोड़ा देसी हो। एक्ट्रेस ने कहा, अभी तक मैं किसी गोरे व्यक्ति की ओर आकर्षित नहीं हुई हूं, लेकिन मुझे कैनेडियन एक्टर रयान गोसलिंग बहुत आकर्षक लगते हैं। आप हॉट हो सकते हैं लेकिन मैं किसी ऐसे व्यक्ति के प्यार में नहीं पड़ी हूं, जो भारतीय नहीं है। मैं ऐसे लड़के को डेट करना पसंद करूंगी जो थोड़ा देसी हो। उन्होंने आगे कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बहुत देसी हूं, मुझे चाहिए कि पार्टनर कम से कम हिंदी समझे। मेरे मुंह से हिंदी निकलने वाली है, मैं हमेशा इंग्लिश में बात नहीं कर सकती। मैं इंग्लिश गानों पर ज्यादा देर तक डांस नहीं कर सकती, मैं हिंदी गाने और पंजाबी गाने प्ले करना पसंद करती हूं।

डेब्यू फिल्म के लिए डिंपल ने दो बार दिया था स्क्रीन टेस्ट

मुंबई। एक तरफ 70 के दशक की कई ऐसी एक्ट्रेसेज रही हैं, जो अब एक्टिंग की दुनिया से नाता तोड़ चुकी हैं। लेकिन दूसरी तरफ डिंपल कपाड़िया वो अदाकारा हैं, जो आज भी हिंदी सिनेमा में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। कमाल की अदाकारी, झील जैसी आंखों और दमदार आवाज की धनी डिंपल अपने समय की सफल अभिनेत्रियों में से एक मानी जाती हैं।

पहली बार हुई थीं रिजेक्ट: उन्होंने बेटे ऋषि कपूर को लॉन्च करने के लिए फिल्म बॉबी के बनाने का विचार किया और वह इसके लिए अदाकारा की तलाश करने लगे। बताया जाता है कि राज कपूर ने एक्ट्रेस के लिए अखबार में विज्ञापन भी निकलवाए थे, जिसे पढ़कर डिंपल कपाड़िया बॉबी के लिए स्क्रीन टेस्ट देने गईं, लेकिन पहली बार में राज कपूर को उनका टेस्ट अच्छा नहीं लगा और डिंपल का रिजेक्ट कर दिया गया।

पिता की वजह से मिला दूसरा मौका

पहली बार बॉबी मूवी के लिए स्क्रीन टेस्ट में विफल होने के बाद डिंपल कपाड़िया को दूसरा मौका उनके पिता की वजह से मिला। दरअसल एक्ट्रेस के पिता के एक मित्र राज कपूर के भी दोस्त थे। ऐसे में जब दूसरी बार डिंपल ने बॉबी के लिए स्क्रीन टेस्ट दिया तो इस बार वह डायरेक्टर को पसंद आईं और इसके साथ ही वह बॉबी के लिए सेलेक्ट हुईं।

राज कपूर का बचाया करियर

जब सिनेमाघरों में फिल्म बॉबी रिलीज हुई तो इसने सफलता के सारे रिकॉर्ड धरायशी कर दिए। बताया जाता है कि ये मूवी कुछ शहरों के सिनेमाघरों में 6 महीनों तक हाउसफुल रही थी। इतना ही नहीं 1973 की टॉप फिल्मों में बॉबी शुमार हुई। इस फिल्म में अपनी कमाल की एक्टिंग से डिंपल कपाड़िया ने हर किसी का दिल जीता। बॉबी की सक्सेस से राज कपूर का डूबता हुआ करियर बच सका।

1973 में रखा बॉलीवुड में कदम

डिंपल कपाड़िया के बॉलीवुड डेब्यू की कहानी काफी रोचक है। पहली फिल्म के लिए उन्हें एक नहीं बल्कि दो बार स्क्रीन टेस्ट की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। डिंपल कपाड़िया ने साल 1973 में फिल्म बॉबी के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इस मूवी में उनके को-स्टार दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर थे, जबकि फिल्म के निर्देशन की कमान उनके पिता और बॉलीवुड के शो मैन के नाम से मशहूर राज कपूर थे। लेकिन मेरा नाम जोकर के बुरे तरह असफल होने से राज कपूर की साख पूरी तरह से दांव पर लगी थी।

तमन्ना ने किया फिल्म अरनमनई 4 का प्रमोशन

मुंबई। तमन्ना भाटिया ने शनिवार को अपनी अपकमिंग तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म अरनमनई 4 का प्रमोशन करते हुए अपने नए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्हें ग्रीन कलर के एथनिक आउटफिट में देखा जा सकता है। पिछली बार एक्ट्रेस मलयालम फिल्म बांद्रा में नजर आईं थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें तमन्ना ने स्लीवलेस बॉटल ग्रीन कलर का ब्लाउज पहना हुआ है, उस पर गोल्डन एंब्रॉयडरी का वर्क है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

करोड़ों खर्च कर बनाए गए गोठान लावारिस, भाजपा ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल

भाजपा का आरोप 1300 करोड़ का घोटाला, कांग्रेस ने कहा सरकार की अनदेखी

हरिभूमि लाइव

फोटोः किशन लोखंडे

अथ श्री गोठान कथा...

रायपुर-लक्ष्मण लेखवानी/ जगदलपुर-अनिल सामंत/ धमतरी-दीप नारायण/ जांजगीर-चांपा-अभिषेक शुक्ला/ तखतपुर- टेकचंद कारडा की विशेष रिपोर्ट

मवेशियों की देखरेख के लिए प्रदेश में बनाए गए गोठानों की हकीकत देख समझ आएगा कि जनता के पैसे का दुरुपयोग किस तरह किया जाता है। कुछ साल पहले अरबों खर्च कर बनाए गए गोठान कबाड़ हो चुके हैं। बोर बंद और बिजली उपकरण भी चोरी हो गए। शेष पेज 7 पर

केस 1

रायपुर जिले में करीब आधा दर्जन गोठानों की पड़ताल की गई। इसमें ग्राम पंचायत धनेली में मॉडल गोठान का निर्माण किया गया है। इसमें मवेशियों के चारे, पेयजल एवं वर्मी कंपोस्ट निर्माण के लिए सीमेंट की टंकियां से लेकर सोलर पैनल से चलने वाली लाइट खंभे तथा बायोगैस संयंत्र, एसएचजी शेड सेग्रीगेशन यार्ड, शौचालय आदि पर लाखों रुपए खर्च किए गए हैं। गोठान के बायोगैस संयंत्र से लेकर सीमेंट से बनी चारा व पानी टंकी, शौचालय जर्जर होकर टूट-फूट गए हैं। वहीं सोलर पैनल की विद्युत लाइटें भी चोरी हो गई हैं।

केस 2

ग्राम भटगांव स्थित गोठान भी पूरी तरह कंडम हो चुका है। इस गोठान को भी लावारिस छोड़ दिया गया है। सीमेंट से बनी पानी की टंकिया सुखी पड़ी हुई हैं, वहीं सोलर पंप के उपकरण चोरी हो चुके हैं। गोठान में चारागाह रखने के लिए बनाए गए कमरे भी जर्जर हो चुके हैं।

केस 3

ग्राम मुजगहन एवं सोनपैरी के गोठान भी लावारिस स्थिति में मिले। यहां भी मवेशियों को रखा नहीं जा रहा है, जिसके कारण यहां मवेशियों के लिए चारा, पानी की व्यवस्था भी नहीं है। चारागाह व पानी के लिए बनी टंकियां भी जर्जर हो चुकी हैं। अन्य बिजली उपकरण भी गायब हो चुके हैं। टंकियों की हालत निर्माण के बाद ही खराब है।

गाय बाहर-चोर अंदर, केंचुए मरे, सब तहस-नहस

तखतपुर के ग्राम निगार गोठान का हाल बेहाल

तखतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत निगारबंद में स्थापित गोठान का हाल बेहाल है। सरकार बदलते ही विकासखंड के सभी गोठान बदहाली के दौर से गुजर रहे हैं। ग्राम पंचायत में गोठान के लिए राशि शेष पेज 7 पर

जांजगीर : सोलर प्लेट सबमर्सिबल सहित अन्य सामान चोरी

जांजगीर चांपा जिले के बलौदा ब्लाक अंतर्गत बहेराडीह में संचालित मॉडल गोठान का हाल बेहाल है। यहां गोबर बेचने वाले पशुपालकों को बीते 7 माह से भुगतान नहीं मिल पाया है, वहीं गोबर खरीदी के शेष पेज 7 पर

कांग्रेस ने किया 1300 करोड़ का घोटाला

कांग्रेस सरकार में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पूरे प्रदेश में घुम-घुम कर गोठानों की दुर्दशा को सबके सामने रखकर बताया था कि कांग्रेस सरकार ने गोठानों के नाम पर 13 सौ करोड़ का घोटाला किया है। गोठानों के नाम से पैसे निकाले गए, लेकिन काम नहीं किया गया। अगर काम किया जाता तो गोठानों की हालात खराब नहीं होती। इसकी जांच चल रही है, जो भी दोषी होंगे, उन पर कार्रवाई होगी।

- केदार गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा

राजनीतिक विद्वेषवश ध्यान नहीं दे रही सरकार

कांग्रेस सरकार की इस अच्छी योजना को भाजपा सरकार महज राजनीतिक विद्वेषवश ध्यान नहीं दे रही है। इस योजना में सरकार का कुछ नहीं लगना है। पूरा काम गांव के लोग करते हैं। इसके बाद भी योजना पर ध्यान न देना दुर्भाग्याजनक है। योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही थीं, गौवंश की रक्षा हो रही थी। लेकिन अब गौठान बदहाल हो रहे हैं।

- सुशील आनंद शुक्ला, अध्यक्ष कांग्रेस संचार विभाग

दिल्ली शराब नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई

अब केजरीवाल के मंत्री पर कसा शिकंजा

ईडी ने गहलोत से की पांच घंटे पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

ईडी ने दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में शनिवार को केजरीवाल सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत से पूछताछ की। ईडी के दूसरे समन पर दिल्ली सरकार के मंत्री सुबह साढ़े 11 बजे ईडी दफ्तर पहुंचे, जहां पर उनसे करीब पांच घंटे तक कई सवाल पूछे गए। पूछताछ के बाद ईडी दफ्तर से निकले कैलाश गहलोत ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ईडी अधिकारियों ने उनसे जो भी सवाल पूछे उन सभी का उन्होंने जवाब दे दिया। उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने उनसे पॉलिसी से जुड़े सवाल पूछे।

मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री ने जांच से जुड़े किसी भी विशेष सवाल के बारे में खुलकर बताने से इंकार शेष पेज 7 पर

विजय नायर से संबंध और बंगला देने के मामले में पूछताछ

दिल्ली शराब नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब मंत्री कैलाश गहलोत पर ईडी ने शिकंजा कसा है। ईडी ने शनिवार को करीब पांच घंटे तक उनसे पूछताछ की है। कैलाश गहलोत, दिल्ली सरकार में गृह, परिवहन और कानून मंत्री हैं। ईडी ने उनसे विजय नायर से संबंध, सरकारी बंगला उसे देने और शराब नीति का मसौदा तैयार करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली।

इधर, सुनीता का हाल जानने पहुंचीं कल्पना

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन दिल्ली में सीएम केजरीवाल के आवास पर पहुंचीं। यहां पर उन्होंने अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की और उन्हें गले भी लगाया है।

नायर की नहीं थी जानकारी

कैलाश गहलोत ने कहा कि मैं वसंत कुंज स्थित निजी आवास में रह रहा हूं। वह से डीपीएस स्कूल घर के बिल्कुल नजदीक है, जिस कारण से मेरी पत्नी और बच्चों ने वहां से शिफ्ट करने से इंकार किया था। इसलिए मेरी तरफ से जानकारी दी गई कि विजय नायर वहां पर रह रहे हैं या नहीं रह रहे हैं।

ईडी ने किसलिए किया था तलब?

कैलाश गहलोत ने कहा- पहला समन मुझे विधानसभा सत्र के दौरान करीब एक महीने पहले आया था। मैंने यही कहते हुए समय मांगा था कि अभी विधानसभा सत्र चल रहा है, मुझे थोड़ा समय दिया जाए। क्योंकि बतौर मंत्री काफी सवालों के जबाव भी देने होते हैं।

गोवा चुनाव प्रचार के बारे में कुछ नहीं जानता

एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैलाश गहलोत ने कहा कि वह कभी भी गोवा चुनाव अभियान का हिस्सा नहीं थे। आरोप है कि शराब घोटाले की कथित आपराधिक आय को गोवा चुनाव अभियान में लगाया गया था। इस मसले पर संवाददाताओं के सवाल पर कैलाश गहलोत ने कहा- मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता हूं क्योंकि मैं कभी भी गोवा चुनाव अभियान की योजना का हिस्सा नहीं था।

मर गए केंचुए, स्टोर बन गया बकरी शेड

धमतरी

धमतरी में करीब ढाई सौ गोठान बनाए गए थे। उन सबकी हालत खराब है। साथ ही करीब 5 करोड़ की लागत से बनाए गए 3 हजार वर्मी कम्पोस्ट टैंक भी उपयोगहीन हो गए हैं। इनमें वर्मी कम्पोस्ट खाद पड़े-पड़े सूख गए हैं। केंचुए मर गए हैं। कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने गौठानों को मल्टीएक्टिविटी सेंटर का रूप देते शेष पेज 7 पर

खराब हो गए वर्मी खाद

जिले के गोठानों में किसानों से कुल 6 लाख 77 हजार 427.69 क्विंटल गोबर की खरीदी की गई। गोबर से 1 लाख 61 हजार 943 क्विंटल खाद भी तैयार किया गया। इसमें से 1 लाख 38 हजार 174 क्विंटल खाद बेचा गया है। बाकी 32 हजार 796 क्विंटल खाद गोठानों सहित अन्य स्थानों में डंप हैं। बड़ी मात्रा में ये खाद खराब हो चुके हैं।

न मवेशी न चारा, खाली टंकी से मवेशियों की प्यास कैसे बुझेगी

जगदलपुर

पंचायतों में गोठान नाम से केवल सन्नाटा है। पंचायत के अंतिम छोर पर बने गोठान में अब न तो गौवंश नजर आते हैं न ही मविशियों के लिए बनाए बाड़ी। गोठान में चारों ओर खामोशी छाई है। गौवंशों के पीने के लिए बना टैंक पूरी तरह से सूख गए है। अधिकांश शेष पेज 7 पर

फंड की कमी से संचालन बंद

गोठान योजना के लिए फण्ड की कमी के चलते योजना बन्द है। प्रदेश में सरकार बदली है, जैसा निर्देश मिलेगा आगे कार्रवाई की जाएगी।

- अमित भाटिया जनपद सीईओ, जगदलपुर

From AM To PM
Learning Never Stops!
THE GREAT INDIA SAINIK SCHOOL
ADMISSIONS OPEN FOR CLASS IV TO XII

Things that make us an IDEAL CO-ED RESIDENTIAL SCHOOL in Chhattisgarh
- Highly Trained Teachers with AI-enabled Learning.
- Expansive Eco-friendly and learning conducive school campus.
- Special Arrangement for NEET, JEE, CLAT & CUET Preparing Students.
- Pure Veg Food with Our Own Farm & Gaushala.
- Separate Boys & Girls Air Conditioned Hostels.

BENEFITS OF STUDYING IN A SAINIK SCHOOL
- Strong Emphasis on Personality Developement & Leadership
- Rigorous Daily Schedule as per Sainik School Society's Framework
- Training to Students for Both Mental & Physical Fortitude
- National Level Sports Facilities With Holistic Development Programs

www.tgisraipur.com

THE GREAT INDIA SAINIK SCHOOL
A New Sainik School, as Declared by Ministry of Defence, Government of India.
Srinathpuram, Godhi, Mandir Hasaud, Raipur, C.G.
96441-29998

विधानसभा में ईवीएम में गड़बड़ी कर भाजपा जीती, जनता इस बार जवाब देगी, हम जीतेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सरगुजा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी शशि सिंह का कहना है कि पॉजिटिव सोच के साथ सरगुजा की जनता का साथ उन्हें मिलेगा और वे यह चुनाव जीतेंगी। विधानसभा चुनाव में सरगुजा संभाग से कांग्रेस के सफाया होने के बाद भी उन्हें विश्वास है कि अपनी और पार्टी के नेताओं की मेहनत से 20 साल बाद यह सीट कांग्रेस की झोली में डालेंगी। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक हिमांशु द्विवेदी ने चुनावी संवाद में उनसे चर्चा की, पेश है उनके कुछ अंश।

सरगुजा लोकसभा प्रत्याशी शशि सिंह से चुनावी संवाद में विशेष चर्चा

▶▶सवाल-सरगुजा से आपको मिली टिकट की बधाई, सहानुभूति या शुभकामना किस रूप में देखती हैं?

▶▶जवाब- सरगुजा लोकसभा से मिली टिकट को शुभकामना के रूप में देख रही हूं। मेरे नाम की घोषणा होने के बाद लोगों से बधाई मिल रही है। यहां की जनता पॉजिटिव रूप में इसे ले रही है। क्षेत्र के लोगों की लगातार शुभकामनाएं मिल रही है उससे लगता है मेरे प्रति उनका पॉजिटिव रूख रहेगा। जनता वोट जरूर देगी।

▶▶सवाल-क्षेत्र की जनता शुभकामनाएं दे रही है, अगर वोट नहीं देगी तो क्या करेंगी।

▶▶जवाब- सरगुजा में हमारे परिवार के लोगों ने काम किया है। हमने भी यहां पर टिकट मिलने के पहले से मेहनत शुरू कर दी थी। हमे सफलता अवश्य मिलेगी। 20 साल से यहां पर कांग्रेस को लोकसभा में हार मिली। अब पार्टी ने युवा चेहरे के रूप में एक महिला को मौका दिया है। यहां की जनता का सहयोग मुझे चुनाव में अवश्य मिलेगा।

▶▶सवाल- विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए सरगुजा संभाग निगेटिव रहा, आप इसे पॉजिटिव कैसे मान रही हैं।

▶▶जवाब- अपने जीवन में मैने जहां भी कदम रखा वहीं पर सकारात्मक रूप से फसलता मिली है। विधानसभा चुनाव में भले कांग्रेस को यहां से सफलता नहीं मिली। परिस्थितियां जो भी बनी वह अलग तरह की थी। लोकसभा चुनाव में वैसी स्थिति नहीं रहेगी। मेहनत के बल पर यहां पर इस नतीजे को अपने पक्ष में करने का प्रयास होगा। मैं हार मानने वाली नहीं। जनता पर पूरा विश्वास है इस बार कुछ भी हो जाए, पर हम जीतेंगे।

▶▶सवाल-राहुल गांधी ने भी अमेठी में काफी मेहनत किया, पर चुनाव हार कर वायनाड चले गए। आप की रणनीति क्या होगी।

▶▶जवाब- कांग्रेसी कभी हार नहीं मानते है। 10 सालों में जनता समझ चुकी है कि देश को बचाना है, तो कांग्रेस का साथ देना होगा। भाजपा के शासन काल में 10 सालों में देश की हालत बदतर हो चुकी है। जनता के बीच इन केंद्र सरकार की कमजोरी और अन्य बातों को ले जाकर हम चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर जीतेंगे।

▶▶सवाल-ईवीएम के चलते विधानसभा चुनाव हारे क्या अब लोकसभा में यह नहीं होगा।

▶▶जवाब-विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छल किया, अब लोकसभा चुनाव में वे यह नहीं कर पाएंगे। अब भाजपा डर चुकी है। ईवीएम के माध्यम से कुछ प्रतिशत डेमेज कर सकते हैं, लेकिन इस नुकसान से अधिक वोट कांग्रेस को चुनाव में मिलेगा। हमें आशा है कि लोकसभा चुनाव निष्पक्ष हो यह हमारी मांग है।

▶▶सवाल- भाजपा डरी हुई है, फिर भी कांग्रेसी भाजपा में जाने बेकरार क्यों हैं।

▶▶जवाब-कांग्रेसी बेकरार नहीं हैं, उन्हें ईडी और केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से फंसाने की कोशिश हो रही है। भाजपा के लोग उनके साथ फ्राड कर रहे हैं। जिन पर आरोप लगता है ऐसे लोगों के भाजपा ज्वाइन करते ही वे क्लीन हो जाते हैं। सरगुजा में चिंतामणि महराज के साथ भी ऐसा ही हुआ। भाजपा में जाने ही उनके सारे प्रकरण हटा दिए गए।

▶▶सवाल-चिंतामणि महराज कांग्रेस में थे, अब भाजपा में आने के बाद उन्हें ही सरगुजा में प्रत्याशी बना दिया गया है। इसे किस भावना से ले रही हैं?

▶▶जवाब- कांग्रेस अपने कांग्रेसियों के साथ हैं। चिंतामणि महराज को कांग्रेस से कोई फायदा नहीं मिलने वाला। यहां के भाजपाई भी उनके चरित्र का जान चुके हैं अतः उन्हें भी यहां पर कोई खास फायदा नहीं होगा। वे कभी कांग्रेस और कभी भाजपा में रहे अब लोग जान गए है कि उनका काम जनता की सेवा नहीं बल्कि अवसर खोजना रह गया है।

▶▶सवाल -कांग्रेस में अंर्तकलह है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद विरोध शुरू हो गया है, इससे कैसे निपटेंगी।

▶▶जवाब- पार्टी के कुछ लोग नाराज होते हैं, उनकी वजह जानकर उनकों मनाएंगे। जो नाराज नेता है उनको संगठन के माध्यम से चुनाव कार्य में जोड़ा जाएगा। सरगुजा में जो विरोध हो रहा है। उन्हें मै व्यक्तिगत रूप से मना लूंगीद्ध ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में वे काम कर रहे हैं। पार्टी ने मुझे यहां से चुनाव लड़ने का मौका दिया है, तो सभी को साथ लेकर चलूंगी।

आमने/सामने

कांग्रेस पार्टी आतंकवादी संगठन की तरह काम कर रही : अजय चंद्राकर

भाजपा के विधायक पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का कहना है, कांग्रेस आतंकी संगठन की तरह है। आतंकी संगठन से किसी को भी खतरा हो सकता है। देश में कांग्रेस पार्टी आतंकवादी संगठन की तरह काम कर रही है। प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस को पता है कि वह लोकसभा चुनाव हार रही है, इसलिए वह दूसरे क्षेत्र के नेताओं को भेज रही है, चुनाव लड़ने के लिए।

कांग्रेस पार्टी को आंतकी संगठन कहना हास्यास्पद : सुशील शुक्ला

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, नाथू राम गोडसे जो देश का पहला आतंकवादी था, जिसने महात्मा गांधी की हत्या की, उस गोडसे के अनुयायी अगर कांग्रेस को आतंकी संगठन कर रहे हैं, तो ये हास्यास्पद है। अजय चंद्राकर मानसिक रूप से विचलित हो चुके हैं। मंत्रिमंडल से उन्हें बाहर रखा गया, इससे वो विचलित हो गए हैं और मीडिया के जरिए अपनी अति निष्ठा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

जम्मू में चुनावी रैली

जम्मू। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जुगल किशोर एवं अन्य नेताओं ने चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान नेताओं ने भाजपा की सरकार बनाने मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

बारामती में भाभी सुनेत्रा पवार व ननद सुप्रिया में होगी टक्कर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में इस बार सबसे बड़ा सियासी अखाड़ा इस बार महाराष्ट्र के बारामती में देखने को मिल रहा है जहां पर एक तरफ अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार मैदान में खड़ी हैं तो दूसरी तरफ शरद पवार की पार्टी ने यहां से सुप्रिया सुले को उतार दिया है, यानी कि ननद बनाम भौजाई का मुकाबला होने वाला है। बता दें कि अजित और सुप्रिया चचेरे भाई-बहन हैं।

एक भी सीट जीतने की स्थिति नहीं उद्धव की पार्टी : कांग्रेस

मुंबई। एक तरफ कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल आज रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान पर रैली के लिए जुटेंगे, तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन से अच्छे संकेत नहीं मिल रहे हैं। लोकसभा चुनाव में बिहार, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सहयोगी ही आमने सामने आ गए हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस की टेंशन ज्यादा बड़ी है। कांग्रेस को शिवसेना (यूबीटी) के दबाव में नहीं आना चाहिए क्योंकि उद्धव ठाकरे की पार्टी कांग्रेस के समर्थन के बिना एक भी सीट जीतने की स्थिति में नहीं है।

चुनाव प्रचार...

ऊधमपुर। लोकसभा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह अपने समर्थकों सहित पगडंडियों से होते हुए मतदाताओं से मिलने पहुंचे।

बिहार में सीट शेयरिंग के बाद उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने की कवायद शुरू

कांग्रेस मीरा कुमार के बेटे, तारिक, मो. जावेद पर खेल सकती है दांव, बैठक आज, तस्वीर होगी साफ

लोकसभा चुनाव में भाजपा को मात देने कांग्रेस इंडिया गठबंधन का बिहार में सीट बंटवारा हो चुका है। राजद ने अपने खाते की लगभग सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। अब कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने में जुटी है। कांग्रेस चुनाव समिति की आज 31 मार्च को दिल्ली में बैठक होनी है, जिसमें बिहार के लिए कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषित कर सकती है।

अजीत शर्मा | तारिक अनवर | अंशुल अभिजीत | मोहम्मद जावेद | विजेंद्र चौधरी | विजय शंकर दुबे | केदार शाश्वत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बता दें कि कांग्रेस ने 2019 में भी 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से पार्टी को सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। वहीं आरजेडी एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी थी। किशनगंज से वर्तमान सांसद मोहम्मद जावेद का नाम इस बार भी लगभग तय माना जा रहा। भागलपुर से विधायक अजीत शर्मा के नाम की चर्चा है। कटिहार से तारिक अनवर कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं। पटना साहिब सीट पर मीरा कुमार के बेटे अंशुल अभिजीत और राजकुमार राजन के नाम की चर्चा है। वहीं समस्तीपुर सीट से पूर्व आईपीएस वीके रवि और अशोक राम दावेदार हैं। बिहार में हुए सीट बंटवारे के बाद जो तस्वीर सामने आई है उसमें लालू यादव की राजद 26 और कांग्रेस 9 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। लेफ्ट दलों (भाकपा माले, भाकपा और माकपा) को 5 सीटें मिली हैं।

कांग्रेस के इन नेताओं का नाम लगभग तय

सासाराम सीट पर नए चेहरे की तलाश

कांग्रेस सासाराम सीट पर पार्टी किसी नए चेहरे को मौका दे सकती है। मुजफ्फरपुर से विधायक विजेंद्र चौधरी को अपना लोकसभा उम्मीदवार बना सकती है। महाराजगंज से विधायक विजय शंकर दुबे और कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के बेटे आकाश सिंह के नाम की चर्चा है। पश्चिम चंपारण से केदार शाश्वत कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं।

लालू की राजद इन सीटों पर लड़ेगी चुनाव

लालू यादव की राजद बिहार में जिन 26 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी उनमें औरंगाबाद, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णिया, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, वैशाली, झंझारपुर, मधुबनी, सीवान, हाजीपुर, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज शामिल हैं. भाकपा माले तीन सीटों आरा, नालंदा और काराकाट से चुनाव लड़ेगी. भाकपा को बेगूसराय और माकपा को खगड़िया सीट मिली है।

भाजपा नीत एनडीए में सीटों का बंटवारा

बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए के सीट शेयरिंग फॉर्मूले की बात करें तो बीजेपी 17 और जेडीयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) 5 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 1-1 सीटें मिली हैं।

कौन सी पार्टी कहां से लड़ेगी चुनाव

एनडीए में शामिल भाजपा पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण,औरंगाबाद, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, नवादा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर और सासाराम सीटों पर लड़ेगी।

जनता दल यू- जनता दल यू के खाते में वाल्मिकी नगर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान, भागलपुर, बांका, मुंगेर, नालंदा, जहानाबाद, शिवहर सीटें गई हैं।

लोजपा व अन्य पार्टियां - लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को वैशाली, हाजीपुर, समस्तीपुर, खगड़िया, जमुई सीटें मिली हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को गया सीट दी गई है। वहीं उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा काराकाट सीट से चुनाव लड़ेगी।

प्रत्याशी कंकर मुंजारे ने पत्नी अनुभा को दी नसीहत...चुनाव तक छोड़ दें मेरा घर

मेरे घर रह कर नहीं कर सकतीं दूसरे का प्रचार | कंकर बसपा से लड़ रहे लोकसभा का चुनाव

चेतावनी भी...यदि वे न गईं तो मुझे घर छोड़ कर जाना पड़ेगा

कंकर मुंजारे

अनुभा मुंजारे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

बालाघाट में सियासी धर्मसंकट के हालात बन गए हैं। कंकर मुंजारे बसपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं और पत्नी अनुभा मुंजारे कांग्रेस से विधायक हैं। इससे ऐसे राजनीतिक हालात बन रहे हैं कि पति-पत्नी के रिश्तों मे खटास आने लगी है। वजह भी जायज है। दोनों एक ही घर में रह रहे हैं। कंकर अपना प्रचार करते हैं और अनुभा उनके खिलाफ कांग्रेस का काम करती हैं। लिहाजा, कंकर मुंजारे ने अपनी पत्नी को नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि यह मेरा घर है। यहां रह कर वे मेरे ही खिलाफ प्रचार नहीं कर सकतीं। अच्छा होगा कि वे मेरा घर छोड़ कर चली जाएं। जब चुनाव हो जाएं, इसके बाद फिर वापस आ जाएं।

नहीं कर सकते एक दूसरे के खिलाफ प्रचार

कंकर मुंजारे समाजवादी नेता हैं। वे विधायक रह चुके हैं और लगभग हर चुनाव लड़ते हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। अब बसपा से बालाघाट लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी हैं। कंकर का कहना है कि यह सिद्धांतों की बात है कि एक ही घर में रह कर हम एक दूसरे के खिलाफ प्रचार नहीं कर सकते। इसलिए मतदान दिनांक 19 अप्रैल तक उन्हें घर छोड़ देना चाहिए। इसके बाद घर आ सकती हैं। अनुभा भी लगभग हर चुनाव लड़ती रही हैं। कांग्रेस से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ी और भाजपा के कद्दावर नेता गौरीशंकर बिसेन को हरा कर जीत गईं। अब, लोकसभा चुनाव में पति-पत्नी के संबंधों में खटास आती दिख रही है।

पंजाब में सुलह नहीं, 28 साल बाद भाजपा अकेले लड़ रही चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब में भारतीय जनता पार्टी 28 साल बाद बिना गठबंधन के चुनाव लड़ने वाली है। पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें हैं। पिछले तीन दशकों से भाजपा ने राज्य में अधिकतर तीन लोकसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ा है। इस बार भाजपा को 13 सीटों पर उम्मीदवार उतारना है और वह अपनी रणनीतिक के तहत विभिन्न पार्टियों के कई सिख नेताओं के साथ संपर्क में है। भाजपा दूसरे दलों के प्रमुख सिख नेताओं और गैर-राजनीतिक लेकिन प्रभावशाली सिख चेहरों, विशेषकर जाट सिख को जोड़ने की कोशिश में लगी हुई है। ज्ञात हो कि पंजाब में अकाली राजनीति मुख्य रूप से एसजीपीसी पर आधारित है।

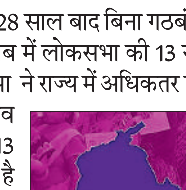

कहां-कहां से कौन शामिल हुआ भाजपा में

पिछले कुछ दिनों में आप सांसद सुशील कुमार रिंकू, कांग्रेस के रवनीत सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल हुए हैं। इसके अलावा पूर्व राजनयिक तरणजीत सिंह संधू को भी भाजपा ने सदस्यता दी है। मंनप्रीत बादल जैसे कई नेता और कुछ अन्य पहले ही पार्टी में शामिल हो चुके हैं। उनके अलावा कांग्रेस की एक अन्य मौजूदा सांसद प्रणीत कौर, जो कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं, वो भी हाल ही में भाजपा में शामिल हो गई हैं।

वर्तमान में कंगना रनौत मंडी से भाजपा की प्रत्याशी, गोविंदा लड़ सकते हैं शिवसेना शिंदे गुट से चुनाव

अमिताभ से लेकर गोविंदा तक, ये सितारे लड़ चुके हैं लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली। राजनीति में किस्मत आजमाने अदने से लेकर बड़ा तक और आम आदमी से लेकर सेलिब्रिटी तक चुनावी दंगल में कूद जाते हैं। इनमें से कुछ तो सफल हो जाते हैं लेकिन कुछ फ्लाप। ऐसे ही चुनावी दंगल में नेता तो नेता अभिनेता व अभिनेत्रियों ने भी अपना दमखम दिखाया और अधिकांश अभिनेता इनमें सफल भी और संसद तक पहुंचे। वर्तमान लोकसभा चुनाव में भी उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक नेताओं के साथ-साथ कई अभिनेता और अभिनेत्रियां भी चुनावी दंगल में अपना दमखम दिखाने मैदान में हैं।

कंगना रनौत

जानीमानी फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत वर्तमान लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर मंडी से प्रत्याशी हैं। कंगना रनौत ने अपना चुनाव प्रचार भी प्रारंभ कर दिया है। कंगना के चुनाव मैदान में उतरने के बाद हालांकि लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं। कंगना ने मतदाताओं से भाजपा व अपने पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि कंगना इमरजेंसी फिल्म इंदिरा गांधी का किरदार निभा रहीं हैं।

अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने 1980 के दशक में राजनीति में हाथ आजमाया था। हालांकि, अभिताभ की राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं थी लेकिन बचपन के दोस्त रहे राजीव गांधी के कहने पर उन्होंने 1984 में इलाहाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ा। उन्होंने भारी अंतर से यह सीट जीती लेकिन तीन साल बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था।

सुनील दत्त

मशहूर अभिनेता सुनील दत्त ने 1984 में कांग्रेस के टिकट पर मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा और संसद पहुंचे। सुनील दत्त बहुत ही लोकप्रिय सांसद रहे। सुनील दत्त यहां से लगातार पांच बार सांसद चुने गए थे।

गोविंदा

सन 90 की फिल्मों से बेहतरीन लोकप्रियता हासिल करने वाले गोविंदा ने साल 2004 में राजनीति में एंट्री ली थी। एक्टर ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर ना सिर्फ मुंबई की लोकसभा सीट के लिए चुनाव लड़ा बल्कि जीत भी हासिल की। वर्ष 2008 में उन्होंने सियासत से तौबा कर ली।

विनोद खन्ना

पंजाब के गुरदासपुर सीट से सांसद रहे विनोद खन्ना बीजेपी के टिकट पर लगातार तीन बार लोकसभा का चुनाव जीते हैं। वह एनडीए सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं।

धर्मेंद्र

धर्मेंद्र 2004 में राजस्थान के बीकानेर से बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। हालांकि, संसदीय क्षेत्र में मौजूद नहीं रहने पर उनकी काफी आलोचना हुई थी। वह शायद ही कभी संसदीय सत्र में शामिल हुए क्योंकि वह फिल्म की शूटिंग में व्यस्त रहते थे।

राजेश खन्ना

राजेश खन्ना ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ नई दिल्ली सीट से कांग्रेस के लिए 1991 का आम चुनाव लड़ा था। वे चुनाव हार गए, हालाँकि अगले साल आडवाणी पर धोखाधड़ी के आरोपों के बाद उपचुनाव हुआ, जिसने राजेश खन्ना को जीत दिलाई। हालाँकि, उन्होंने अगला चुनाव नहीं लड़ा क्योंकि उन्हें सक्रिय राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

राज बब्बर

अभिनेता राज बब्बर 1999 में पहली बार समाजवादी पार्टी के टिकट पर आगरा लोकसभा से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। वह तीन बार लोकसभा सदस्य और दो बार राज्यसभा सदस्य रहे हैं।

सनी देओल

सनी देओल 2019 में सांसद बनने के बाद अब तक कुछ ही बार संसद गए। इस सवाल पर सनी ने माना था कि उनकी संसद में उपस्थिति न के बराबर रही है, साथ ही उन्होंने इसके लिए जनता से क्षमा भी मांगी। सनी देओल ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए यहां तक कह दिया था कि 'राजनीति मेरी दुनिया नहीं है'।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

बड़ा स्कैम, सीबीआई जांच

राज्य सरकार ने जमीनों का गाइडलाइन रेट की छूट को न बढ़ाकर अच्छा काम किया है। इससे किसानों को भी फायदे होंगे। मगर सरकार को ये भी सनद रखना होगा कि भारत माला सड़कों के अगल-बगल की किसानों के अधिकांश जमीनों को नेताओं और नौकरशाहों ने खरीद लिया है। ईडी की विभिन्न जांचों में इस तरफ इशारा भी किया गया है कि कई कलेक्टरों ने जमकर इसमें चांदी काटा है। छत्तीसगढ़ के कई प्रभावशाली नेताओं और कलेक्टरों, अफसरों ने किसानों से सस्ते रेट पर एकड़ में जमीन खरीद लिए और उसे छोटे टुकड़े कर करोड़ों रुपए का मुआवजा ले लिया या मुआवजे के लिए लाइन में हैं। बता दें, भारत सरकार के नई अधिग्रहण नीति के तहत छोटो प्लाटों का मुआवजा चार गुना अधिक मिलता है। कलेक्टरों और नेताओं को चूकि पता होता है कि कहां से सड़क निकलनी है। सो, किसानों को रेट से कहीं अधिक में एकड़ों में जमीन खरीद लेते हैं। और फिर उसे टुकड़ों में बांट अपने नाते-रिश्तेदारों, नौकर, चाकर, पीए, प्यून के नाम पर रजिस्ट्री करवाने का खेला किया जाता है। कायदे से यह सीबीआई जांच का इश्यू हो सकता है। क्योंकि, इसमें अधिकांश बड़े लोगों ने मलाई काटा है और किसान बेचारे ठगे गए हैं। सीबीआई जांच अगर हो गई तो सूबे के कई पूर्व कलेक्टर सलाखों के पीछे होंगे।

बड़े आसामी

छत्तीसगढ़ में पिछले तीन साल साल में अस्पताल और नर्सिंग होम के संचालकों ने भी खूब खेला किया है। पहले जिधर जाओ, पता चलता था कि ये फलां नेताजी की जमीन है तो फलां आईएएस, आईपीएस का फार्महाउस। अब इसमें अस्पताल संचालकों का नाम भी ऐड हो गया है। दरअसल, कोविड में अस्पतालों में क्या हुआ, वह सबको पता है। रोज अटैची में भरकर अस्पतालों से घर पैसे जाते थे। उसे कहीं-न-कहीं इंवेस्ट होना ही था। वे पैसे बिल्डरों के प्रोजेक्ट में लगे या फिर जमीनों में। अभी स्थिति यह है कि रायपुर से 100 किलोमीटर दूर तक रोड पर जमीन नहीं बची है। कोविड के पैसे का ही नतीजा रहा कि बिल्डरों ने महामारी में भी अपना रेट डाउन नहीं किया। क्योंकि, बड़े बिल्डरों के प्रोजेक्ट में पहले मंत्रियों, नौकरशाहों की काली कमाई लगती थी, अब इसमें अस्पतालों की कमाई भी शामिल हो गई है। छत्तीसगढ़ में बिल्डरों को तेजी से फलने-फूलने का रहस्य यही है।

सबसे बड़ी जीत

छत्तीसगढ़ में यह बहुत कम लोगों को पता होगा लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत छत्तीसगढ़ से मिल चुकी है। वो भी निर्दलीय प्रत्याशी की। सीट है बस्तर और चुनाव था 1952 का। तब निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मुचकी कोसा चुनावी मैदान में थे। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी को 1,41,331 मतों से हराया। उस चुनाव में सबसे छोटी जीत पश्चिम बंगाल में कांग्रेस प्रत्याशी को मिली थी। कोंतई संसदीय सीट से वे 127 मतों से जीते थे। बता दें, आजादी के बाद देश में पहला लोकसभा चुनाव 1952 में हुआ था।

कांग्रेस का बी फार्म

कांग्रेस में टिकिट का ऐलान होने के बाद चेहरे बदल जाने के अनेक दृष्टांत हैं। कई बार तो बी फार्म भी बदल जाते हैं। विधानसभा चुनाव-2023 के दौरान इसी कॉलम में बिलासपुर विधानसभा चुनाव-1998 में नामंकन के आखिरी दिन बी फार्म बदलने का जिक्र किया किया गया था। उसमें नामंकन भरने के आखिरी दिन बी फार्म बदलकर चार्टर प्लेन से नया बी फार्म आया था। 2009 के लोकसभा चुनाव में बिलासपुर संसदीय सीट से कांग्रेस ने आशीष सिंह का नाम की घोषणा कर दी थी। कांग्रेस पार्टी का अधिकृत आदेश मीडिया में प्रकाशित भी हो गया। मगर दो दिन बाद रेणू जोगी को मैदान में उतार दिया गया। इसी तरह का एक पुराना किस्सा नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत का भी है। 1991 में महंत को जांजगीर लोकसभा से चुनाव लड़ने बी फार्म आ गया था। मगर नामंकन भरने के दिन दिल्ली से उनके पास फोन आ गया...अभी फार्म मत भरिये, भवानीलाल वर्मा को टिकिट दिया जा रहा है। और फिर रातोरात सड़क मार्ग से वर्मा के नाम से बी फार्म भेज दिया गया। अब आजादी के बाद कांग्रेस ने 70 बरस राज किया है, तो जाहिर तौर पर किस्से-कहानियां उसे के होंगे न।

मंत्रियों की मुश्किलें

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के मंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। क्योंकि, तीन महीने हुए विधानसभा चुनाव में जांजगीर और राजनांदगांव को छोड़कर लगभग सभी इलाकों में बीजेपी को ठीकठाक रिस्पांस मिला। अब अगर कुछ गड़बड़ हुआ तो सवाल खड़े होंगे ही। जाहिर है, कुछ संसदीय सीटों के नतीजे मंत्रियों के भविष्य तय करेंगे। मंत्रिमंडल में अभी एक सीट खाली है। और 4 जून को बृजमोहन अग्रवाल के जीतने पर एक सीट और खाली हो जाएगी। अगर किसी और मंत्री के इलाके में लोकसभा चुनाव के परिणाम अच्छे नहीं आए तो फिर पार्टी परफारमेंस का रिव्यू करेगी ही। वैसे भी सियासी गलियारों में अटकलबाजी चल रही कि लोकसभा चुनाव के बाद दो-एक पुअर परफारमेंस वाले मंत्रियों को किनारे किया जा सकता है। हालांकि, इतनी जल्दी मंत्रिमंडल में सर्जरी होती नहीं, फिर भी नरेंद्र मोदी और अमित शाह के युग में कुछ भी संभव है।

इन तीन सीटों पर नजर

छत्तीसगढ़ की 11 में से नौ लोकसभा सीटें इस समय सत्ताधारी पार्टी के पास है। कांग्रेस के पास सिर्फ दो सीटें कोरबा और बस्तर है। देश और राज्य में जिस तरह का माहौल है और कांग्रेस चुनाव को लेकर जिस तरह डिफेंसिव है, उससे नहीं लगता कि बीजेपी की सीटें कम होंगी। अलबत्ता, बढ़ भी सकती है। फिर भी सूबे की तीन सीटों के नतीजों पर लोगों की निगाहें टिकी रहेंगी। पहला राजनांदगांव, दूसरा कोरबा और तीसरा कांकेर। राजनांदगांव से खुद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनाव मैदान में हैं। तीन महीने पहले तक भूपेश मुख्यमंत्री थे। जमीनी नेता भी हैं। उपर से बीजेपी ने संतोष पाण्डेय को रिपीट किया है। संतोष का भी कुछ-न-कुछ एंटी इंकाबेंसी होगा ही। कोरबा में ज्योत्सना महंत को कांग्रेस ने रिपीट किया है तो बीजेपी ने दुर्ग से सरोज पाण्डेय को कोरबा भेजा है। याने एक का एंटी इंकाबेंसी और दूसरा बाहरी। ऐसे में, मुकाबला दिलचस्प होगा। कांकेर में बीजेपी के भोजराम नाग के खिलाफ कांग्रेस ने बीरेन ठाकुर को उतारा है। बीरेन 2019 के लोकसभा चुनाव में पांचेक हजार के मामूली अंतर से हारे थे। ऐसे में इन तीनों सीटों पर लोगों की नजरें रहेंगी ही, सत्ताधारी पार्टी को भी इन सीटों पर एक्सट्रा वर्क करना होगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या ये सही है कि लोकसभा चुनाव के बाद ईओडब्लू बड़ी कार्रवाई करते हुए कुछ रसूखदार लोगों को तलब करने वाली है?
2. लोकसभा चुनाव के बाद परफारमेंस के आधार पर अगर दो-एक मंत्रियों का ड्रॉप किया गया, तो वे कौन होंगे?

अंतरिक्ष में मिले दो प्राचीन तारे, हो सकते हैं मिल्की वे निर्माण के प्रारंभिक तत्व

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के गैया अंतरिक्ष दूरबीन ने दो प्राचीन तारों के बाहर निकलने का खुलासा किया है। इन्हें 'शिव' और 'शक्ति' कहा गया। ऐसा माना जाता है कि ये हमारी आकाशगंगा, मिल्की वे के निर्माण में प्रारंभिक तत्व हो सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस खोज के बाद आकाशगंगा और इस दुनिया के निर्माण के रहस्य के बारे में हमारी समझ काफी बढ़ जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये धाराएं दो आकाशगंगाओं के बचे हुए हिस्से हो सकती हैं, जो करीब 1,200 से 1,300 मिलियन

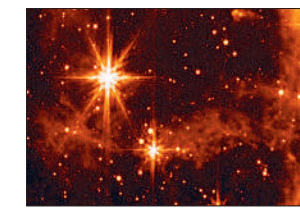

साल पहले विलीन हो गई थीं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके बाद आकाशगंगा का जन्म हुआ। इस खोज को करने वाली टीम का नेतृत्व हीडलबर्ग में स्थित मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी (एमपीआईए) के ख्याति मल्हान ने किया था। इन्हें संसार के निर्माण के प्रथम चरण का हिस्सा माना जाता है।

इस तरह हुई 'शिव' और 'शक्ति' की खोज

इस संबंध में ख्याति मल्हन ने कहा कि इन तारों के जन्म के बाद से आकाशगंगा में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यह तथ्य कि हम अभी भी उन्हें एक समूह के रूप में पहचान सकते हैं, अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि गैया दूरबीन अवलोकन से प्राप्त आंकड़ों में इन तारों की कक्षाओं की कल्पना करने के बाद, दो नई संरचनाएं देखी गईं। इन तारों की रासायनिक संरचना बिल्कुल अनोखी है। हम उन्हें 'शिव' और 'शक्ति' कहते हैं।

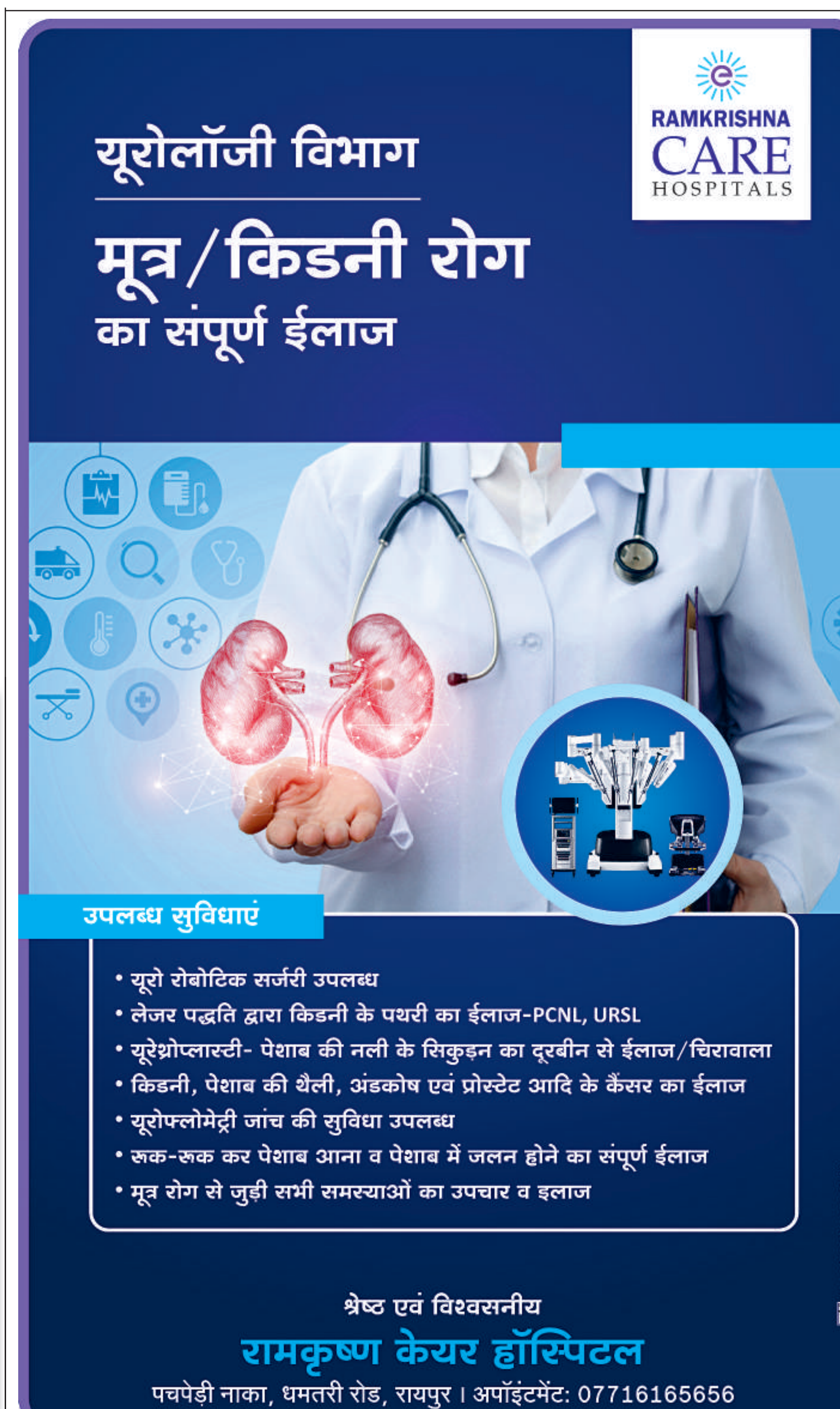

गरासिया आदिवासी जनजाति, जो लिव इन रिलेशनशिप को देती हैं प्राथमिकता

एजेंसी ▶▶| जयपुर

हमारे देश के न जाने कितने हिस्सों में अलग तरह की जनजातियां रहती हैं। सभी के रहन सहन का तरीका और पहनने ओढ़ने का ढंग दूसरों से बिल्कुल अलग होता है। जहां कुछ जनजातियों में अपना विवाह खुद के चुने हुए साथी से करने का रिवाज है, वहीं कुछ जनजातियां ऐसी हैं, जिनमें विवाह किए बिना ही एक साथ रहने की परंपरा है। ऐसी भी कुछ जनजातियां भी हैं जो लिव इन रिलेशनशिप में रहना पसंद करती हैं और बच्चों के जन्म के बाद ही शादी का निर्णय लेती हैं। ऐसी ही एक जनजाति है राजस्थान की गरासिया आदिवासी जनजाति।

महिलाएं रखती हैं ऊंचा स्थान

गरासिया जनजाति का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि वे शादी से पहले ही इसके सदस्यों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की अनुमति देते हैं। वार्षिक गौर मेला, जनजाति के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है जहां जोड़े अपनी पसंद के भागीदारों के साथ भाग जाते हैं। उनके लौटने के बाद, लड़के के परिवार को दुल्हन के परिवार को एक राशि का भुगतान करना होता है, जिसके बाद वे विवाह करके एक साथ रहते हैं। इस जनजाति की खास बात यह है कि महिलाएं किसी अन्य मेले में एक नए लिव-इन पार्टनर की तलाश कर सकती हैं, जिससे महिला के पूर्व साथी को अधिक कीमत चुकाने की उम्मीद की जाती है।

बच्चे के जन्म के बाद होती है शादी

इस जनजाति की एक और ख़ास बात ये है कि महिलाएं अपनी पसंद के पार्टनर का चुनाव करके उनके साथ लिव इन में तो रहती ही हैं और उनसे शादी तभी करती हैं जब उन्हें बच्चा हो जाता है और वो पार्टनर के साथ खुश रहती हैं। यदि उन्हें किसी भी तरह की असंतुष्टि होती है तो वो बेझिझक रिश्ते को तोड़ भी सकती हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए होता है क्योंकि इस जनजाति में महिलाएं ज्यादा ऊंचा दर्जा रखती हैं और इसी वजह से इस जनजाति में कभी भी रेप या महिलाओं के साथ मारपीट जैसी कोई घटना नहीं होती है।

शराब की कोई लत भी नहीं होती

भले ही पूरे गरासिया आदिवासी समुदाय को कई कुलों में विभाजित किया जा सकता है, लेकिन वे शायद ही कभी आपस में एकता बनाए रखते हैं। अपने जीवनयापन को बनाए रखने के लिए गरासिया जनजाति के लोग खेती करते हैं। गरासिया जनजातियों की खान-पान की आदतें भी राज्य के किसी अन्य कृषि आदिवासी समुदाय की परंपरा का पालन करती हैं। मक्का सभी गरासिया परिवारों द्वारा उगाया जाने वाला मुख्य भोजन है। इसके अलावा वे अपने आहार में चावल, ज्वार और गेहूं भी शामिल करते हैं। रबड़ी को गरासिया लोगों का पसंदीदा भोजन माना जाता है। वे अपने सभी शुभ अवसरों के दौरान लपसी, मालपुआ, चूरमा आदि तैयार करते हैं। गरासिया जनजाति ज्यादातर शाकाहारी होती हैं और उन्हें किसी प्रकार की शराब की कोई लत भी नहीं होती है।

12 हजार साल पुराना है इतिहास

वैज्ञानिकों के हाथ लगे 4400 संरक्षित दिमाग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैज्ञानिकों ने 12 हजार साल पुराने संरक्षित मस्तिष्क की खोज की है। यह खोज चौंकाने वाली है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इंसान की मौत के बाद उसका दिमाग तेजी से नष्ट होने लगता है। लेकिन वैज्ञानिकों को 4400 ऐसे संरक्षित दिमाग मिले हैं, जो हजारों सालों से बरकरार हैं। इस शोध का नेतृत्व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एलेक्जेंड्रा मॉर्टन हेवर्ड ने किया है। अनुसंधान ने पुरातात्विक अभिलेखों के वैश्विक सर्वेक्षण के माध्यम से इन मस्तिष्कों के बारे में जानकारी प्राप्त की। ये दिमाग कई तरह के वातावरण में रह चुके हैं।

वे मिस्र के रेगिस्तानों से लेकर यूरोप के पीट बोग्स तक रहते हैं। यह खोज प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी बीः बायोलॉजिकल साइंसेज में प्रकाशित हुई है। यह अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन सभी अटकलों का खंडन करता है कि मस्तिष्क शरीर के उन हिस्सों में से एक है, जो व्यक्ति की मृत्यु के बाद तेजी से खराब होने लगता है।

इस देश में गुम हो गया सामान तो चिंता नहीं करें, मिल जाएगा आसानी से

एजेंसी ▶▶| टोकियो

जापान एक ऐसा देश है, जहां एक भी सामान चोरी नहीं हो सकता और अगर हो भी जाए तो सिस्टम की मदद से आप उसे जल्दी वापस पा सकते हैं।

ऐसा नहीं है कि यहां लोग अपना सामान नहीं खोते, कोई अपना बैग ट्रेन की सीट के नीचे रख देता है, कोई गलती से अपना बटुआ भूल जाता है। बता दें कि देश में हर साल करीब 12.6 करोड़ लोग अपना कुछ न कुछ खो देते हैं। पर यहां के कानून और संस्कृति की वजह से जल्द वापस मिल जाते हैं। जापान का ये पूरा सिस्टम इतनी कुशलता से काम

करता है कि दूसरे देशों के लोग भी हैरान रह जाते हैं। यह प्रक्रिया एक स्थानीय कोबन से शुरू हुई, जो एक पुलिस केबिन जैसा दिखने वाला एक या दो कमरे का घर था। पूरे जापान में रणनीतिक रूप से 6,300 कोबन या छोटे पुलिस स्टेशन हैं। इसे बनाने का मकसद यह है कि ज्यादातर लोग कोबन की मदद से आसानी से पुलिस से संपर्क कर सकें।

आम चुनाव के पहले चरण को करीब 19 दिन बचे हैं, लेकिन देश में कहीं चुनावी शोर नहीं दिख रहा है। भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत इंडिया की तैयारी की तुलना की जाय तो राजग बहुत आगे है। सीट बंटवारे, टिकटों की घोषणा, समीकरण, चुनाव प्रचार, घोषणा पत्र आदि सभी मोर्चे पर भाजपा व राजग बहुत आगे दिख रहे हैं, जबकि विपक्ष इस मामले में बहुत पीछे चल रहे हैं। बिहार, यूपी, महाराष्ट्र आदि राज्यों में इंडि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। जिन राज्यों में कांग्रेस सीधे मुकाबले में है, वहां भी अब कांग्रेस मुकम्मल तौर पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं कर सकी है। कई जगह तो विपक्ष को उम्मीदवार तक नहीं मिल रहे हैं। चुनाव में सरगर्मियां तभी दिखेंगी, जि विपक्ष अधिक सक्रिय दिखाई देगा। इलेक्टोरल बॉन्ड, सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी, आयकर नोटिस, खाते सीज आदि का शोर अधिक है, जबकि लोकसभा जैसे अहम चुनाव में चुनाव प्रचार और मुद्दों का अधिक शोर सुनाई पड़ना चाहिए था। लोकसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा और राजग कहां हैं, और कांग्रेस व इंडिया कहां है? अन्य एकला चलो वाले दल कहां हैं? इन्हीं का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

24 के रण में रणनीति विहीन विपक्ष

विश्लेषण
प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

फर्स्ट राउंड की वोटिंग 19 अप्रैल को हो जाएगी। यानि सिर्फ 19 दिन का वक्त बाकी है, लेकिन चुनाव के कैंपेन कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। न रैलियां हो रही हैं, न हैलीकॉप्टर का शोर दिख रहा है, न नेताओं के भाषण हो रहे हैं। मौसम तो बदल गया है, गर्मी भी तेज पड़ने लगी है, पर सियासी पारा अभी डाउन दिख रहा है। विपक्ष मैदान में कहीं दिख ही नहीं रहा है। पहले चरण के कैंपेन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से मैदान में उतर जाएंगे। मेरठ में रैली करके चुनावी प्रचार का आगाज करेंगे। कहने को तो विरोधी दलों ने जो इंडिया अलायन्स बनाया उसकी आज दिल्ली में बड़ी रैली है। लेकिन इसको लेकर कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। तैयारी से लेकर समीकरण और सीटों के बंटवारे तक सभी मोर्चे पर राजग आगे है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन खत्म हो चुका है। पर्चे भरे जा चुके हैं। फर्स्ट राउंड की वोटिंग 19 अप्रैल को हो जाएगी। यानि सिर्फ 19 दिन का वक्त बाकी है, लेकिन चुनाव के कैंपेन कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। न रैलियां हो रही हैं, न हैलीकॉप्टर का शोर दिख रहा है, न नेताओं के भाषण हो रहे हैं। मौसम तो बदल गया है, गर्मी भी तेज पड़ने लगी है, पर सियासी पारा अभी डाउन दिख रहा है। विपक्ष मैदान में कहीं दिख ही नहीं रहा है। पहले चरण के कैंपेन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से मैदान में उतर जाएंगे। मेरठ में रैली करके चुनावी प्रचार का आगाज करेंगे। योगी आदित्यनाथ तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिस इलाके में फर्स्ट राउंड में वोट पड़ने हैं, वहां लगातार दौरे कर रहे हैं। पांच दिन में 15 जिलों में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुके हैं। लेकिन सवाल ये है कि विपक्ष कहां है। क्या विरोधी दलों ने पहले ही हार मान ली है। और अगर नहीं मानी है तो विरोधी दलों के नेता मैदान में क्यों नहीं दिख रहे हैं?

कहने को तो विरोधी दलों ने जो इंडिया अलायन्स बनाया उसकी आज दिल्ली में बड़ी रैली है। रामलीला मैदान की रैली की तैयारी पन्द्रह दिन से चल रही है। कांग्रेस के नेता इसमें जोरशोर से रंगे हैं। दावा ये किया जा रहा है कि इस रैली में एंटी मोदी मोर्चे के सभी बड़े नेता और पार्टियां मौजूद रहेंगी। सवाल ये है कि क्या दिल्ली में रैली करने से वोट मिलेंगे। दिल्ली में सिर्फ सात सीटें हैं। वो सारी की सारी दस साल से बीजेपी के पास हैं। रामलीला मैदान को भरने के लिए भीड़ तो केजरीवाल की पार्टी के नेता जुटा लेंगे। कांग्रेस, शिवसेना और समाजवादी पार्टी के लोग भी थोड़े बहुत ले आएंगे। दिल्ली की रैली में आम आदमी पार्टी के ही नेता और कार्यकर्ता डोमिनेट करेंगे। तो मुद्दे भी अपने उठाएंगे। रैली गठबंधन की है और मुद्दा होगा केजरीवाल की गिरफ्तारी। चूंकि मजमा अच्छा जुटेगा, चर्चा भी होगी। इससे फायदा सिर्फ आप को होगा। आम आदमी पार्टी के नेता इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

पहले चरण में ही पीछे है विपक्ष

बड़ी बात ये है कि ये वक्त तो उन चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं के पास जाने का है जहां पहले फेज में वोटिंग होनी है। पहले फेज में 21 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर मतदान होगा। इनमें असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के अलावा नॉर्थ ईस्ट के सभी राज्यों की सीटें हैं। इस सभी राज्यों में 15 मार्च से पहले तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे हो चुके हैं। उनकी रैलियां हो चुकी हैं। विरोधी दलों का प्रचार अभी शुरू नहीं हुआ है। हालांकि करीब दस महीने पहले जब नीतीश कुमार ने विरोधी दलों को मिलकर चुनाव लड़ने की बात कही थी। उसके बाद जिस तरह का रिस्पॉन्स आया। जिस तरह से पटना में 26 पार्टियों के नेता जुटे। उससे ये मैसेज तो गया था कि अगर सचमुच सब साथ आ गए तो बीजेपी को चुनौती दी जा सकती है। अक्टूबर तक सब ठीक ठाक रहा। तब बीजेपी के नेता भी परेशान थे। इसके बाद सेंध लगाने की कोशिशें शुरू हुईं। दरारों में पानी डाला गया और जोड़ टूटते चले गए।

समीकरण बनाने में भाजपा आगे

बीजेपी ने इस बार चार सौ पार का नारा दिया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए जरूरी है कि पिछले चुनाव में जिन राज्यों में बीजेपी ने सारी की सारी सीटें थीं। वहां उसी प्रदर्शन को फिर दोहराए। और जिन राज्यों में बीजेपी की स्थिति कमजोर है, वहां हालात को सुधारा जाए। बीजेपी ने इसी रणनीति पर काम किया। और अब तक सफल भी रही। जबकि विरोधी दलों के नेता गठबंधन बनाने के बाद भी बिखरते गए। इसकी वजह साफ है। बीजेपी ने वास्तविक धरातल पर खड़े होकर काम किया, जबकि विरोधी दल अलायन्स के वक्त अपनी ईगो और सिर्फ अपना फायदा देखने में लगे रहे। इसीलिए मुश्किल हुई। ये कौन नहीं जानता कि अगर बिहार में लालू यादव और नीतीश कुमार मिलकर चुनाव लड़ते तो नतीजा क्या होता। पिछली बार बीजेपी नीतीश कुमार के साथ मिलकर लड़ी थी। 40 में से 39 सीटें एनडीए ने जीतीं। इसीलिए बीजेपी ने ईगो को किनारे रखकर तीसरे नंबर की पार्टी के मुखिया नीतीश कुमार को चीफ मिनिस्टर बनाना कबूल किया। जेडीयू जितनी सीटें पिछली बार लड़ी थी उतनी सीटें देने का वादा किया। चार साल से चिराग पासवान को किनारे रखने के बाद उन्हें सेन्ट्रल स्टेज पर लाई और पशुपति पारस को ठेंगा दिखा दिया। चिराग पासवान और नीतीश कुमार को एक दूसरे का साथ देने के लिए मनाया। उपेन्द्र कुशवाहा और जीतनराम मांझी को साथ लिया। यानि बीजेपी ने बिहार में खुद दो कदम पीछे हटकर अपने समीकरण ठीक कर लिए। लेकिन दूसरी तरफ आरजेडी कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां साथ साथ तो हैं! लेकिन पांच पार्टियों के दिल नहीं मिले हैं और ऊपर से असदुद्दीन ओवैसी ने 16 सीटों पर उम्मीदवारों को उतार कर वोटों में सेंधमारी का इंतजाम कर दिया। यही हाल दूसरे राज्यों में है। बंगाल में ममता एकला चलो की राह पर हैं। यूपी में जयन्त चौधरी साथ छोड़ गए। जबकि बीजेपी ने न सिर्फ जयन्त चौधरी को साथ लिया बल्कि ओमप्रकाश राजभर और दारा सिंह जैसे पिछड़े नेताओं को भी मंत्री बनाकर पूर्वांन्चल में भी वोट का गणित ठीक लिया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अलग अलग लड़ रहे हैं। हालांकि पंजाब में बीजेपी ने रिस्क लिया है अकाली दल को साथ लेने की कोशिश कामयाब नहीं हुई तो अकेले लड़ने का फैसला लिया। मुकाबला चार पार्टियों के बीच होगा तो फायदा बीजेपी को हो सकता है। जम्मू कश्मीर में भी विरोधी दलों का गठबंधन पटरी पर नहीं है। हिमाचल में तो कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनका बेटा विक्रमादित्य का रुख ही कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी टेंशन है। विरोधी दलों का जो एलायन्स बना था वो उन राज्यों में छिन्नभिन्न हो चुका है जहां गठबंधन से फायदा की उम्मीद थी।

विपक्ष में सीट बंटवारा उलझा हुआ

जहां जहां विरोधी दलों का अलायन्स बचा है वहां सीटों के बंटवारे में मुश्किल है। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस सीट शेयरिंग बहुत मुश्किल से हुई है। लेकिन महाराष्ट्र और बिहार में सीट शेयरिंग पर ही बवाल है। बीजेपी को विरोधी दलों के अलायन्स से सबसे ज्यादा टेंशन महाराष्ट्र में थी। लेकिन महाराष्ट्र में भी बीजेपी ने बड़ी चतुराई से सीटों का बंटवारा कर दिया। एकनाथ सिन्दे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी को उम्मीद से ज्यादा सीटें दे दी। गठबंधन को बचाए रखने के लिए बीजेपी ने महाराष्ट्र में खुद कम सीटों पर संतोष किया, लेकिन दूसरी तरफ शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग भी मुश्किल दिख रही है। प्रकाश आंबेडकर पहले ही अलान्यस से बाहर हो गए हैं। उन्होंने 11 सीटों पर कैंडिडट उतार दिए हैं। शिवसेना ने 18 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया। इससे शरद पवार और कांग्रेस नाराज हैं। कोई अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं हैं। शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टियां पहले ही टूट चुकी हैं। पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह भी चला गया है। इसके बाद भी अकड़ कम नहीं हुई है। मुंबई में कुल छह सीटें हैं। शरद पवार की पार्टी कम से एक सीट चाहती है। कांग्रेस भी तीन सीटों पर दावा कर रही है और उद्धव ठाकरे पांच सीटों पर उम्मीदवार उतारने की जिद पर अडे. हैं। इसी तरह सांगली, भिवड़ी, ठाणे, जैसी सीटों पर बात फंसी है। कांग्रेस के संजय निरूपम ने वगावत कर दी है। अब लग रहा है कि महाराष्ट्र में कुछ सीटों पर फ्रैंडली फाइट होगी। यानि उद्धव टाकरे के उम्मीदवार के सामने या तो शरद पवार की पार्टी का कैंडिडेट होगा या फिर कांग्रेस का और इसका फायदा बीजेपी को मिलेगा। अभी तक एनडीए में सीटों और उम्मीदवारों को लेकर झगड़ा नहीं दिख रहा है। कहीं कोई कन्फ्यूजन नहीं है। विरोधी दलों के एलायन्स में उम्मीदवारों के नाम को लेकर झगड़ा भी है व कार्यकर्ताओं में कन्फ्यूजन भी है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव अब तक छह सीटों पर उम्मीदवार बदल चुके हैं। रामपुर और मुरादाबाद में तो नॉमीनेशन के आखिरी दिन दो दो उम्मीदवारों ने पर्चे भर दिए। मुरादाबाद में अखिलेश ने सिटिंग एमपी एसटी हसन का टिकट काटकर पूर्व विधायक रुचि वीरा को टिकट दे दिया। इसी तरह रामपुर में दिल्ली के इमाम को भेज दिया। दोनों जगह बगावत हो रही है। मेरठ में जिन भानुप्रताप सिंह को टिकट दिया वो भी बाहरी हैं। उन्हें असेंबली इलेक्शन सिर्फ 1224 वोट मिले थे। इसलिए मेरठ में भी उम्मीदवार के खिलाफ बगावत है। अब वहां भी उम्मीदवार बदला जाएगा। बिहार में भी महागठबंधन में उम्मीदवारों को लेकर झगड़ा है। पूर्णिया की सीट छोड़ने से लालू ने इंकार कर दिया और अपनी पार्टी को कांग्रेस में मर्ज कर चुके पप्पू यादव पूर्णिया से ही लड़ने पर अड़े हैं। इसी तरह बेगूसराय की सीट सीपीआई को दे दी गई है। लेकिन कांग्रेस यहां से कन्हैया कुमार को लड़ना चाहती है। जो पिछला चुनाव सीपीआई के टिकट पर लड़े थे बहुत कम अंतर से हारे थे, लेकिन अब वो कांग्रेस में है और सीपीआई ये सीट कन्हैया कुमार के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है। इसी तरह पाटिलपुत्र की सीट है जहां मीसा भारती चुनाल लड़ेंगी। बीजेपी ने आरजेडी के पुराने नेता रामकृपाल को उतारा है। लेकिन अब ओवैसी की पार्टी ने भी इस सीट पर उम्मीदवार उतारने का एलान करके मामला फंसा दिया है।

दक्षिण को भी साधा

विरोधी दलों के गठबंधन का जो हाल है उससे लगता है कि उत्तर भारत में खासकर हिन्दीभाषी राज्यों में तो बीजेपी ने अपने समीकरण दुरूस्त कर लिए हैं और विरोधी दलों का मोर्चे की हालत अभी खराब लग रही है। दूसरी तरफ अब तक कर्नाटक को छोड़कर दक्षिण भारत में बीजेपी का बहुत ज्यादा बेस नहीं था। लेकिन इस बार केरल से लेकर तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी बीजेपी पूरी ताकत लगा रही है। तमिलनाडु में जयललिता की पार्टी के एक गुट के साथ समझौता किया है। आन्ध्र प्रदेश में चन्द्रबाबू नायडू का साथ पकड़ा है। तेलंगाना में बीजेपी को पिछले चुनाव में अच्छी सफलता मिली थी। इसलिए वहां बीजेपी अपने दम पर जोर आइमाइश कर रही है। दूसरी तरफ इन राज्यों में केरल और तेलंगाना को छोड़कर बाकी जगह कांग्रेस का कोई वजूद नहीं दिख रहा है। जो क्षेत्रीय पार्टिय़ां हैं वो पहले भी चुनाव के बाद एनडीए के साथ रही हैं। इसलिए वहां कौन जीतता है इससे फर्क नहीं पड़ेगा। फिलहाल जो हालात दिखाई दे रहे हैं, उसमें अगर बीजेपी अपने चार सौ पार के नारे पर खरी उतरती है तो बहुत आश्चर्य की बात नहीं होगी। और अगर ऐसा हुआ तो इसके लिए कमजोर विपक्ष और विरोधी दलों के अलायन्स में शामिल पार्टियों की प्रबल महात्वाकांक्षा ही सबसे बड़ी वजह होगी।

उम्मीद नहीं जगा पा रहा 'इंडिया'

लोस तैयारी
विनोद पाठक
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जहां भभाजपा नेतृत्व के नेशनल डेमोक्रेटिक अलांयस (एनडीए) की तैयारियां जोरदार नजर आ रही हैं, वहीं विपक्षी इंडी अलायंस अभी भी सीटों के बंटवारे की जद्दोजहद में माथापच्ची कर रहा है। पश्चिम बंगाल, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में इंडी गठबंधन के सहयोगी आपस में एक-दूसरे के सामने ताल ठोक रहे हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए के लिए 400 सीटों का टारगेट रखकर काफी पहले चुनावी समर में उतर चुके हैं। खासकर नरेंद्र मोदी की नजर उत्तर के साथ दक्षिण भारत पर भी है। मोदी इस बार तमिलनाडु और केरल में पार्टी का खाता खोलने के लिए आतुर नजर आ रहे हैं। एनडीए की नजर उत्तर प्रदेश पर विशेष रूप से टिकी है, जहां देश में सर्वाधिक 80 सीटें हैं। नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की जोड़ी यूपी में वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव वाला करिश्मा दोहराना चाहते हैं, तब भाजपा ने 80 में से 71 सीटें जीती थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक बात कही जाती है कि वो साढ़े चार साल सरकार चलाते हैं और छह महीने राजनीति करते हैं। पिछले छह महीनों में यह स्पष्ट रूप से दिख भी रहा है। मोदी एक रणनीति के तहत लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हुए हैं। वे देशभर में करीब-करीब सभी राज्यों में जनसभाएं कर चुके हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भी उत्तर पूर्व से पश्चिम तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल चुके हैं, जो दक्षिण से उत्तर तक निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा का पार्ट-2 थी, लेकिन यह यात्रा कोई खास असर छोड़ती नजर नहीं आई। राहुल गांधी यात्रा के दौरान ब्रेक भी लेते रहे। राहुल के अलावा अन्य किसी विपक्षी नेता ने अधिक संख्या में रैलियां या यात्राएं नहीं की हैं। विपक्ष या तो सरेंडर होता दिख रहा है या फिर वो किसी करिश्मे के इंतजार में है।

एनडीए का कुनबा बढ़ाना हो या छोटी पार्टियों को साधना हो, भाजपा बखूबी इस काम को पिछले कई महीनों से करती आ रही है। विशेषकर इंडी अलायंस के गठन के साथ वो चौंकना हो गई थी। शुरुआत में जब अधिकांश विपक्षी पार्टियां एकजुट हो रही थीं तो भाजपा ने रक्षात्मक रुख अपनाते हुए यह जताने का प्रयास किया था कि इंडी अलायंस से बड़ा गठबंधन तो उसका है। हालांकि, भाजपा ने इंडी अलायंस में फूट डालने के प्रयास शुरू कर दिए थे। इसका उदाहरण, बिहार में जनता दल (यू) का इंडी अलायंस को छोड़कर एनडीए के साथ आना है, जबकि जदयू के मुखिया नीतीश कुमार ने स्वयं इंडी अलायंस की नींव डाली थी। नीतीश कुमार न केवल स्वयं इंडी अलायंस से बाहर

आए, बल्कि राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी को भी एनडीए में शामिल करा लिया। महाराष्ट्र में पवार व उद्धव के दलों को पहले ही भाजपा ने बांट दिया है।

जहां भाजपा नेतृत्व में एनडीए अपने दलों को लेकर नरम रुख अपनाता दिखता है, वहीं इंडी अलायंस के दलों का 'ईगो' आपस में टकरा रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सबसे पहले एकला चलो का नारा दिया। उन्हें कांग्रेस बर्दाश्त नहीं है। वो अकेले चुनाव लड़ रही हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी को कांग्रेस पसंद नहीं है। दोनों दलों ने दिल्ली में तो मजबूरी में सीटों का बंटवारा कर लिया, लेकिन पंजाब में एक-दूसरे के सामने हैं। जहां उत्तर प्रदेश में भाजपा ने मजबूत गठबंधन खड़ा कर लिया है, वहीं समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ खास जुगलबंदी नहीं कर पा रही है। उसे प्रत्याशी नहीं मिल रहे। सपा की स्थिति का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि उत्तर प्रदेश में कहीं नहीं दिख रही कांग्रेस के लिए उसने 17 सीटें छोड़ दी हैं, जबकि बिहार में राष्ट्रीय जनता दल ने कांग्रेस को मात्र 9 सीटें दी हैं। कांग्रेस के लिए गंभीर स्थिति यह है कि जहां-जहां वो भाजपा से सीधी टक्कर में है, वहां उसके नेताओं में भगदड़ मची हुई है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस के नेता रोज पार्टी छोड़ रहे हैं। राजस्थान में तो घोषित प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बहुजन समाज पार्टी इंडी अलायंस के लिए चुनौती पेश कर रही है। बसपा ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं, जो इंडी अलायंस के वोटों में ही सेंध लगाएंगे।

पिछले दो लोकसभा चुनावों 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए का ग्राफ बढ़ा है। 2014 में भाजपा ने अपने दम पर 282 सीटों पर जीत हासिल की थी और उसे 17.16 करोड़ वोट मिले थे। यह आंकड़ा 2019 में बढ़ गया। भाजपा ने 303 सीटें हासिल कीं और उसे 22.90 करोड़ वोट मिले, यानी पांच साल में नरेंद्र मोदी ने 5.74 करोड़ नए वोटर्स अपने खाते में जोड़ लिए। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में तो भाजपा ने 7.24 प्रतिशत वोटों का इजाफा 2014 से 2019 के बीच किया। भाजपा को राज्य में 2014 में 42.32 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 49.56 प्रतिशत हो गए। कुछ-कुछ यही स्थिति अन्य हिंदी पट्टी के अन्य राज्यों में रही।

चुनावी विश्लेषक तीसरी बार भी भाजपा का ग्राफ बढ़ने का अनुमान लगा रहे हैं। वैसे भी इस बार राम मंदिर जैसा बड़ा मुद्दा भाजपा के पास है, जिसका व्यापक असर यूपी, गुजरात, राजस्थान, एमपी, महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में दिख रहा है। यही वो राज्य हैं, जो दो बार से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा रहे हैं। साथ ही, भाजपा ने इस बार चुनाव की टाइमिंग कुछ इस तरह रखवाई हैं कि वो प्रथम चरण की वोटिंग से पहले एकबार फिर देश को राममय करने की तैयारी कर चुकी है, क्योंकि 19 अप्रैल को वोटिंग से दो दिन पहले 17 अप्रैल को राम नवमी है, जिसका जवाब विपक्ष के पास नहीं है।

कुल मिलाकर कमजोर विपक्ष जहां अभी सीटों की चर्चाओं में व्यस्त है, वहीं भाजपा मतदाताओं के बीच पहुंच चुकी है। अब चर्चा इस बात की है कि एनडीए की 400 सीटों से ऊपर जाएगी या थोड़ी कम रहेगी। हालांकि, एक बात से सभी सहमत नजर आते हैं कि नरेंद्र मोदी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव जैसा करिश्मा एक बार फिर दोहरा रहे हैं।

चुनाव की मुकम्मल तैयारी बनाम अधूरी तैयारी

वस्तुस्थिति
डॉ. भारत
विधि व्याख्याता व चुनाव विश्लेषक

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा 16 मार्च को 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव-कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही देश में सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव के केन्द्र में दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधन है – विपक्षी "इंडिया ब्लॉक" और सत्तारूढ़ "राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन" (एनडीए)। इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस, राजद,राकांपा पवार, आप, टीएमसी, कम्युनिस्ट पार्टी, सपा आदि दल शामिल हैं। जबकि एनडीए में भाजपा, महा विकास आघाड़ी, पाट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके), जनता दल (यूनाइटेड) आदि शामिल हैं। बिना किसी राष्ट्रीय गठबंधन के साथ जुड़े, कुछ राज्यों में राजनीतिक दल अकेले चुनाव लड़ रहे हैं, जैसे ओडिशा में बीजद, आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसी, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल व आप, हरियाणा में इनेलो व जजपा आदि। जहाँ एक ओर सत्तारूढ़-पक्ष का लक्ष्य लगातार तीसरा कार्यकाल सुरक्षित करना है और उसकी नज़र लोकसभा में 370 से अधिक सीटों पर है, वही दूसरी ओर विपक्ष सत्तारूढ़-पक्ष को बेदखल कर सत्तासीन होना चाहता है।

राजग के तरकश तीर से भरे

सत्तारूढ़ दल 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के मूल मंत्र पर चलते हुए 'विकास' को चुनावी मुद्दों का केंद्र बिंदु बनाने की कोशिश कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 35-ए को ख़त्म करने से लेकर अनुच्छेद 370 में संशोधन तक, सड़कों के जाल से लेकर परिधीय और एक्सप्रेस राजमार्गों तक, काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर से लेकर राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा तक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति से लेकर आईआईटी-आईआईएम समेत प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान खोलने तक, आयुष्मान भारत मिशन द्वारा एकीकृत अंकीय स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे से लेकर अग्रणी स्वास्थ्य सेवाओं हेतु एम्स खोलने तक, नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन से लेकर नए आपराधिक, साक्ष्य और प्रक्रियात्मक कानूनों की शुरूआत तक, चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने से लेकर जी-20 की सार्थक अध्यक्षता तक, तीन-तलाक को खत्म कराने से लेकर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने तक को एनडीए अपने प्रदर्शन में प्रक्षेपित करती है तथा समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र-एक चुनाव, 33% महिला आरक्षण जैसे मुद्दे प्रसंस्करण प्रक्रियाधीन हैं। गत 10 वर्षों में भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 'सतत

विकास लक्ष्यों' के साथ कदम-ताल करते हुए "आत्मनिर्भरता" का सपना अपनी आँखों में संजोये हुए है।

विपक्ष की झनझनाती पोटली

इसमें कोई संशय नहीं कि चुनावी परिदृश्य में स्थानीय मुद्दे हमेशा हावी रहते हैं, लेकिन खंडित और कमजोर विपक्ष व विपक्षी गठबंधन के कारण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष 'मजबूत' और 'महत्वपूर्ण' मुद्दों से वंचित ही नज़र आ रहा हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि किसानों की अशांति, अल्पसंख्यकों की पीड़ा, सेना में सेवा के लिए अग्निपथ योजना, बेरोजगारी समेत अन्य मुद्दों को उठाने के अथक प्रयासों के बावजूद विपक्ष देश भर में सत्तारूढ़ दल के खिलाफ मुद्दों का ध्रुवीकरण नहीं कर सका। प्रवर्तन-निदेशालय समेत खुफिया एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों के बीच, 2024 के चुनाव में, शायद यह ऐतिहासिक तथ्य है कि भ्रष्टाचार का मुद्दा लगातार दस साल से सत्तासीन-पक्ष के खिलाफ नहीं, बल्कि विपक्ष के खिलाफ उभर कर सामने आ रहा है। बहरहाल 'चुनावी-बांड' का मुद्दा भी अनेक राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय बन गया है। साम, दाम, दंड और भेद की नीति को अपनाते हुए आज विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती जहाँ एक ओर नेताओं के अविराम-पलायन को रोकना है, वहीं दूसरी ओर भाजपा विरोधी मतों में हो रहे बिखराव को बचाना है। और यदि वे ऐसा करने में सक्षम हो जाते हैं तो वे बहुत हद तक अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का सपना देख सकते हैं अन्यथा मंज़लि दूर ही प्रतीत होती नज़र आ रही है।

बढ़त में राजग, इंडी पीछे

स्पष्ट तथ्य यह है कि सत्तारूढ़ भाजपा पूरे चुनावी जोश में है और लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 400 से अधिक उम्मीदवारों के 'सामाजिक' व 'जातीय' संतुलन को साधते हुए घोषणा के अलावा स्टार-प्रचारकों और राज्य चुनाव-प्रभारियों की सूची को अंतिम रूप दे चुकी है, जिससे एनडीए के कार्यकर्ताओं का मनोबल चरम पर है और उम्मीदवारों को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल चुकी है, जबकि विपक्षी-गठबंधन सीट बंटवारे के फार्मूले पर सहमति बनाने और उपयुक्त उम्मीदवार तलाशने में अभी काफी पीछे चल रहा है। किसी भी स्थिति में देरी न केवल विपक्ष के आत्मविश्वास को कमज़ोर कर रही है, बल्कि उसके लिए सत्ता की मंजिल तक पहुंचने के रास्ते दूर कर रही है।

लोकतंत्र खतरे में नहीं

संसदीय लोकतंत्र की व्यावहारिक कार्यप्रणाली को जानने के लिए लोकसभा में मतदान-प्रतिशत पर विचार करना बहुत जरूरी है। 1951 से 2019 तक के लोकसभा चुनावों में मतदान-प्रतिशत औसतन 58.33% रहा है जबकि सोलहवें और सत्रहवें चुनावों में यह 65% को पार कर क्रमशः 66.44% व 67.40% हो गया। सही अर्थों में लगातार बढ़ते मतदान-प्रतिशत से लोकतंत्र ख़तरे में कैसे हो सकता है? अन्यथा लोकसभा चुनावों के मतदान-प्रतिशत के विश्लेषण का स्पष्ट रूप से प्रमुख-निष्कर्ष तो इस ओर ही इशारा करा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जब-जब सत्तारूढ़ दल के पक्ष में पूर्ण-जनादेश या पर्याप्त संख्या-बल होता हैं तो विपक्ष की ओर से "लोकतंत्र ख़तरे में है" की आवाज उठाना फैशन रहा है। अपनी राजनीतिक असुरक्षा के कारण अनेक राजनीतिक दल लोकतंत्र व संविधान के खतरे में होने की बात उछालते रहे हैं, असल में दलों को अपना वजूद खतरे में लगता है। ऐसा अक्सर कहा जाता है, 'चिंता चिता समान होती है', आखिर विपक्ष को संवैधानिक संस्था – 'भारतीय चुनाव आयोग' की पवित्रता पर विश्वास नहीं है? क्या सत्तारूढ़ दल पिछले एक दशक में प्रमुख राज्यों में चुनाव/उप-चुनाव नहीं हारे? इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष आवश्यक है। जैसा कि लोकप्रिय कहावत है, "सत्ता भ्रष्ट बनाती है, और पूर्ण सत्ता पूर्णतया भ्रष्ट बनाती है"। निस्संदेह यदि "विपक्ष-विहीन" संसद होगी तो यह लोकतंत्र के लिए कोई शुभ सन्देश नहीं होगा और ऐसी दूरस्थ स्थिति से बचने के लिए विपक्ष को दृढ़ संकल्प लेकर जनता का विश्वास जीतना होगा और मतदाताओं के समक्ष आश्वस्त करने वाला दूरगामी दृष्टिकोण रखना होगा।

फैसला जनता के हाथ में

निष्कर्षण सियासी बिसात में बाजी वो ही मरेगा जिसको 'जनता-जनार्दन' का "आशीर्वाद" प्राप्त होगा। एक बात तो तय है कि मतदाता इतना 'परिपक्व' और 'प्रबुद्ध' हैं कि वे अपने 'भाग्य' और 'भविष्य' का फैसला भलीभांति कर सकते हैं। सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश - भारत को दुनिया अपार संभावनाओं वाले देश के रूप में देखती है। इस देश का समाज सकारात्मक है, इस देश की संस्कृति समृद्ध है, इस देश की विरासत वैभवशाली है, इस देश का भविष्य स्वर्णिम है और इस सबसे बढ़कर भारत देश का लोकतंत्र जीवंत है और वह हर परीक्षा में खरा उतरता है।

रोजमर्रा की जिंदगी में जब हम किसी को मूर्ख बनाते हैं या किसी के साथ मजाक करते हैं तो इसके पीछे का उद्देश्य हंसना-हंसाना ही होता है। लेकिन दुनिया के अधिकांश देशों में मूर्ख बनाकर हंसने के लिए एक खास दिन 1 अप्रैल निश्चित किया गया है। इसकी शुरुआत से जुड़ी कहानियां और इसे मनाने के तरीके भी कम मजेदार नहीं हैं।

फूल बनाने के बहाने हंसने-हंसाने का दिन

कवर स्टोरी
राजकुमार 'दिनकर'

हर साल एक अप्रैल को पूरी दुनिया में मूर्ख दिवस मनाया जाता है। चूंकि इसे एक अप्रैल को मनाया जाता है, इसलिए इसे अप्रैल फूल डे के नाम से भी जानते हैं। इस दिन लोग एक-दूसरे को बरगलाकर मूर्ख या कहें बेवकूफ बनाने की कोशिश करते हैं। अगर इस कोशिश में सफल हो जाएं तो अपनी इस कोशिश पर जमकर हंसते हैं।

मजाक करने का बहाना

अप्रैल फूल डे के बहाने होने वाली सारी कोशिश यही होती है, जो सदियों से हंसने-हंसाने के लिए की जाती रही है। इस दिन लोग अपने दोस्तों, करीबियों, रिश्तेदारों, सहपाठियों और सहकर्मियों से प्रैंक यानी मजाक करते हैं। जब से सोशल मीडिया का चलन हुआ है, तब से तो लोग अंजान लोगों के साथ भी प्रैंक करने से बाज नहीं आते। इसकी वजह यह है कि आजकल ऐसी रील बनाकर फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अगर वायरल हो जाए तो अच्छी-खासी कमाई भी हो जाती है। इसलिए जब से सोशल मीडिया की दुनिया गुलजार हुई है, किसी को मूर्ख बनाने या मजाक करने के लिए इसका जमकर इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे हुई इसकी शुरुआत

अप्रैल फूल डे के इतिहास यानी इसकी शुरुआत पर नजर डालें तो इससे जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, लेकिन कुछ कहानियां सर्वाधिक प्रचलित हैं। जैसे एक कहानी के मुताबिक, अप्रैल फूल डे की शुरुआत सन 1381 में हुई, जब इंग्लैंड के तत्कालीन राजा रिचर्ड द्वितीय और बोहेमिया की रानी ऐनी की सगाई का ऐलान हुआ और यह सगाई 32 मार्च के लिए तय की गई। जनता ने सगाई की तारीख पर ध्यान नहीं दिया और सगाई की बात सुनते ही जश्न शुरू हो गया। लेकिन जब 31 मार्च आ गया, तब लोगों को पता चला अरे, 32 मार्च तो कुछ होता ही नहीं। जो लोग अभी तक राजा की सगाई का जश्न मना रहे थे, अब उन्हें समझ में आया कि वे तो मूर्ख बन गए। कहते हैं, तभी से अप्रैल फूल डे मनाया जा रहा है।

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर एक और कहानी काफी प्रचलित है, इसका संबंध फ्रांस से है। इस कहानी के मुताबिक अप्रैल फूल डे की शुरुआत सन 1582 में हुई, जब पोप चार्ल्स नवम ने पुराने कैलेंडर की जगह रोमन कैलेंडर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। उसके मुताबिक साल की शुरुआत एक जनवरी से होती है। लेकिन कुछ लोग इस तारीख को याद नहीं रख पाए और वे पुराने कैलेंडर के मुताबिक ही नए साल का जश्न मनाते रहे, तभी से यह अप्रैल फूल डे मनाया जाना शुरू हुआ। जहां तक अपने देश भारत में इस दिन के सेलिब्रेट किए जाने की शुरुआत का सवाल है तो यहां इसकी शुरुआत 19वीं सदी में हुई और जाहिर है ये शुरुआत करने वाले अंग्रेज ही थे। लेकिन आज सोशल मीडिया के दौर में यह दुनिया के हर देश में मनाया जाता है। भारत में तो नई पीढ़ी के बीच यह काफी प्रचलित है।

ऐसे भी सेलिब्रेट करते हैं यह दिन

कई देशों में इस दिन दोस्तों के साथ पार्टी करने, उन्हें फूल देने तथा दोस्ती करने की शुरुआत के दिन के रूप में भी मनाया जाता है, तो कई देशों में इसे दोस्ती बनाने का सबसे खास दिन मानते हैं। बेल्जियम और इटली में लोग इस दिन जिससे दोस्ती करनी होती है, उसकी पीठ पर चुपके से कागज की मछली बनाकर चिपका देते हैं। इससे माना जाता है कि मछली चिपकाने वाला शख्स उस व्यक्ति से दोस्ती करने का इच्छुक है, जिसकी पीठ पर उसने मछली चिपकाई है। इस तरह एक अप्रैल सिर्फ मूर्खता का दिन ही नहीं है, दोस्ती, प्यार और जीवन के कई नए अध्याय शुरू करने का दिन भी माना जाता है। *

अलग-अलग दिन मनाते हैं मूर्ख दिवस

हालांकि केवल पहली अप्रैल को ही मूर्ख दिवस मनाए जाने की परंपरा नहीं है। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तारीखों को मूर्ख दिवस मनाया जाता है। मसलन, डेनमार्क में 1 मई को मूर्ख दिवस मनाया जाता है और इसे मजकट कहते हैं। जबकि स्पेन में यह दिन 28 दिसंबर को मनाया जाता है और इसे मूर्ख दिवस कहने की बजाय डे ऑफ होली इनोसेंट्स कहते हैं। ईरानी लोग फारसी नववर्ष के 13वें दिन मूर्ख दिवस मनाते हैं, जो कि आमतौर पर एक या दो अप्रैल को ही पड़ता है। कई देशों में यह पूरे दिन मनाया जाता है, तो कई देशों में मूर्ख दिवस मनाए जाने का चलन सिर्फ दिन में 12 बजे तक का होता है। मसलन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और कुछ अफ्रीकी देशों में अप्रैल फूल डे दिन के 12 बजे तक ही मनाया जाता है। जबकि कनाडा, अमेरिका, रूस और बाकी यूरोपीय देशों में यह पूरे दिन मनाया जाता है। अपने यहां भी इसे सुबह से लेकर शाम तक मनाए जाने का ट्रेंड है।

अप्रैल फूल-डे के मौके पर मूर्ख बनने से बचने के लिए लोग ओवर कॉन्शस रहते हैं। लेकिन इस वजह से कई बार वे फूल बन जाते हैं या उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। अतीत में हुई ऐसी ही कुछ दिलचस्प घटनाओं पर एक नजर।

असली खबर को माना नकली ...और बन गए अप्रैल फूल

प्रिकॉशन इफेक्ट
शिखर चंद जैन

नई बीएमडब्लू की ड्राइविंग सीट पर टियारा मार्श

अप्रैल फूल यानी पहली अप्रैल के दिन लोगों को झूठी खबरें सुनाकर या पढ़ाकर बेवकूफ बनाने का रिवाज तो पुराना है, लेकिन कई बार लोग अत्यधिक सावधानी बरतने के चक्कर में सच्ची खबरों से भी अप्रैल फूल बन जाते हैं। आपको यहां बता रहे हैं, कुछ ऐसी ही दिलचस्प घटनाओं के बारे में-

चूक गए नई बीएमडब्लू कार पाने से: 1 अप्रैल 2015 को 'न्यूजीलैंड हेराल्ड' में एक बड़ा सा विज्ञापन छपा था, जिसमें कार निर्माता कंपनी बीएमडब्लू ने 'अप्रैल फूल्स डे स्पेशल ऑफर' निकाला था। विज्ञापन में लिखा गया था कि जो विज्ञापन के साथ दिए गए कूपन को लेकर सबसे पहले शॉप पर पहुंचेगा, उसे किसी भी पुरानी कार के बदले ब्रांड न्यू बीएमडब्लू दी जाएगी। पहली अप्रैल के दिन ऐसा विज्ञापन देखकर सबने इसे प्रैंक समझा और इस पर यकीन नहीं किया। कुछ लोगों को लगा कि कूपन लेकर जाने वाले को कोई खिलौना गाड़ी पकड़ा दी जाएगी और उसका मजाक उड़ाया जाएगा। लेकिन टियाना मार्श नामक महिला ने हिम्मत दिखाई और चांस लेने का निश्चय किया। वह अपनी पुरानी सस्ती सी कार लेकर शोरूम पहुंच गईं। उन्हें बड़ी हैरानी हुई क्योंकि वहां पहुंचने वाली वह अकेली इंसान थीं। उन्हें जरा शर्म भी आई लेकिन असली ताज्जुब तो तब हुआ, जब उनको सचमुच अपनी 15 साल पुरानी कार के बदले बीएमडब्लू की 50,000 डॉलर कीमत वाली नई कार दे दी गई। अगले दिन यह खबर छपने पर शहर भर के लोग बहुत पछताए।

जीमेल लॉन्चिंग पर लोगों को नहीं हुआ था यकीन

जी-मेल लॉन्चिंग को माना प्रैंक: टेक वर्ल्ड में गूगल शुरू से ही प्रैंक के लिए चर्चित रही है। इसी वजह से 1 अप्रैल 2004 को जब गूगल ने जीमेल शुरुआत की घोषणा की तो किसी को यकीन नहीं हुआ। गूगल ने जब बताया कि कैसे जीमेल से लोग एक-दूसरे के साथ आसानी से संवाद कर सकेंगे और इसकी स्टोरेज लिमिट 1 जीबी (उन दिनों बड़ी बात) होगी, तब तो लोग इसे बिल्कुल ही एक मजाक समझ बैठे। गूगल के तत्कालीन वाइस प्रेसिडेंट जोनाथन रोजेनबर्ग द्वारा जारी बयान के बावजूद लोग इसे मजाक समझते रहे। बाद में जब उन्हें पता चला कि यह एक हकीकत थी, तो लोगों ने खुद को सचमुच अप्रैल फूल बना हुआ महसूस किया।

अमेजॉन के हाउसहोल्ड डैश बटन पर नहीं किया भरोसा: वर्ष 2015 में अमेजॉन ने 1 अप्रैल से ठीक एक दिन पहले अपने नए प्रोडक्ट अमेजॉन डैश बटन की शुरुआत की घोषणा करते हुए बताया कि घरेलू सामानों की खरीद मात्र 1 बटन दबाकर की जा सकेगी। लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे अप्रैल फूल डे पर कंपनी की मूर्ख बनाने की तरकीब समझ लिया। लोगों को बताया गया था कि इस डिवाइस को घर लाकर अपनी जरूरत के प्रोडक्ट के लिए बटन दबाते ही सामान घर पहुंचा दिया जाएगा तो लोग खूब हंसे। लेकिन हकीकत का जब पता चला, तो लोग समझ गए कि वे सचमुच बेवकूफ बन गए हैं और कंपनी का दावा बिल्कुल सही है।

रेस्क्यू को समझा प्रैंक: 1 अप्रैल 2015 को ही मिक्स्ड मार्शल आर्ट फाइटर मैट हेमिल न्यूयॉर्क की ओर एक ट्रक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि उनके ठीक बगल से एक कार तेज रफ्तार से विपरीत दिशा में गुजरी। मैट को कुछ संदेह हुआ तो उन्होंने अपनी ट्रक घुमा कर तेजी से कार के नजदीक जाकर देखा कि उसमें कार चालक महिला बेसुध पड़ी थी और पीछे की सीट पर एक शिशु लेटा हुआ रो रहा था। मेट ने किसी तरह कार का सीसा तोड़ डाला और मां-बेटे की जिंदगी बचा ली। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस घटना को मैट हेमिल का प्रैंक समझा। लेकिन बाद में पुलिस ने घटना को सच बताया।

तूफान की चेतावनी को समझा मजाक: 1 अप्रैल 1946 को हवाई द्वीप में सुनामी की चेतावनी जारी की गई तो अधिकांश लोगों ने इसे अप्रैल फूल प्रैंक समझ लिया। कई लोग समय रहते सुरक्षित स्थान पर भी नहीं गए। लेकिन जैसे ही घोषित समय पर तूफानी हवाएं चलनी शुरू हुईं, तब खबर पर अविश्वास करने वाले लोग समझे कि वे अपने पूर्वाग्रह के कारण कैसे मूर्ख बन गए। *

टेक्नोलाइफ / विवेक कुमार

फूल बनाने या प्रैंक करने के लिए लोग अब अपने जानने वालों को ही नहीं अजनबियों से भी परहेज नहीं करते हैं। इसकी वजह है सोशल मीडिया पर प्रैंक वीडियोज का बढ़ता ट्रेंड। लेकिन ऐसा करना कई बार रिस्की भी साबित हो जाता है।

सोशल मीडिया पर बढ़ता फूल बनाने का ट्रेंड

एक जमाना था, जब लोग अपने दोस्तों को बेवकूफ या सहकर्मियों को फूल बनाने के लिए और अपने परिजनों को बरगलाने के लिए एक अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे का इंतजार करते थे। लेकिन अब इन सब बातों के लिए हमें 364 दिनों के बाद आने वाले एक अप्रैल का इंतजार नहीं करना होता। सोशल मीडिया ने मजाक करने, बरगलाने और फूल बनाने को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना दिया है। सोशल मीडिया पर हर दिन हम ऐसे सैकड़ों वीडियो देख सकते हैं और उनका आनंद ले सकते हैं, जिसमें लोग एक-दूसरे का मजाक बनाते हैं।

बढ़ रहा प्रैंक वीडियो का क्रेज: नई पीढ़ी तो अकसर ऐसे प्रैंक वीडियोज को बहुत पसंद करती है। शायद यही कारण है कि आजकल सोशल मीडिया में हर दिन लाखों प्रैंक वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं और उन्हें खूब दर्शक भी मिलते हैं। दरअसल, प्रैंक वीडियो इसलिए भी युवाओं को पसंद होते हैं, क्योंकि इनमें कुछ अलग ही तरह का रोमांच होता है। सार्वजनिक जगहों पर अंजाने लोगों से मजाक करना, ऐसी हरकतें करना, जिससे सामने वाले को गुस्सा आ जाए और फिर जब वह गुस्से में फट पड़ने को हो, तो मुस्कुराकर कह देना, 'अरे, हम तो प्रैंक वीडियो बना रहे थे।' ये ऐसी हरकतें हैं, जो भले उन लोगों को पसंद न आती हों, जिनके साथ ये मजाक हो रहा हो, लेकिन देखने वालों को ये वीडियो खूब मजा देते हैं।

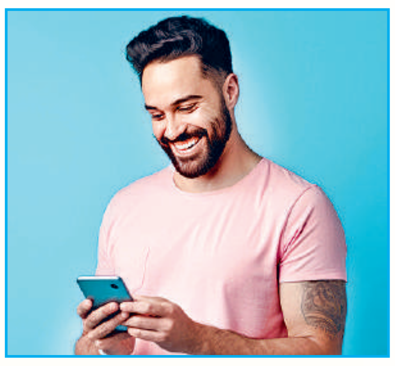

रिस्की है अंजानों से प्रैंक: वास्तव में अप्रैल फूल डे का सारा मकसद ही यही होता है कि हम अपने किसी जानने वाले को, किसी बात को लेकर बेहद डरा दें या फिर उसे चने के झाड़ पर चढ़ा दें और फिर जब वो वहां भरपूर तरीके से अपना जलवा बिखेरने लगे तो यह कहकर उसे फ्यूज कर दें कि यह तो प्रैंक है यानी मजाक है। लेकिन कई बार अंजाने लोगों से किया गया कोई मजाक भारी भी पड़ जाता है। पिछले दिनों दो युवक मुंबई के एक रेलवे स्टेशन पर चुपके से प्रैंक वीडियो बना रहे थे, जिसमें एक युवक स्वचालित सीढ़ियों से ऊपर से नीचे की तरफ जा रहा था और बगल में दूसरी स्वचालित सीढ़ियों से एक मध्य उम्र की महिला नीचे से ऊपर जा रही थी। तभी अचानक वह युवक, महिला के चेहरे को अपनी ओर खींचता है और जब तक वह कुछ समझ पाए उसका चुंबन ले लेता है। महिला हतप्रभ रह जाती है, लोग भी हैरान होते हैं। लेकिन यह प्रैंक बनाना उस युवक को बहुत भारी पड़ा, क्योंकि भीड़ ने युवक की अच्छी तरह से मरम्मत कर दी।

मजाक न बन जाए मुसीबत: दोस्तों के बीच अप्रैल फूल डे हमेशा गुदगुदी पैदा करने वाला दिन होता है। लेकिन अजनबियों के बीच यह अकसर खतरनाक हो जाता है। लेकिन अप्रैल फूल डे पर जब हम अपने दोस्तों, जानकारों को बरगलाते हैं या किसी बात पर बेवकूफ बनाते हैं और वे बन जाते हैं तो हम तो खिल-खिलाकर हंसते ही हैं, जिन्हें बेवकूफ बनाते हैं, वो भी हंस पड़ते हैं। लेकिन अजनबी लोगों के साथ ऐसा करना हमेशा जोखिमपूर्ण होता है। प्रैंक चल गया तो सब हंसते हैं वरना यह प्रैंक मुसीबत भी बन जाता है। इसलिए भले ही सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए आप प्रैंक करना चाह रहे हों लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में अजनबियों से प्रैंक को सोच-समझकर ही शामिल करने में भलाई है। *

व्यंग्य / सतीश सिंह

राग-खटराग

राग का अर्थ होता है, गान का विशिष्ट प्रकार। इसका मतलब अनुराग या प्रेम भी होता है, पर खटराग का अर्थ होता है, द्वेष-ईर्ष्या, लड़ाई-झगड़ा, झंझट-बखेड़ा आदि। शास्त्रीय संगीत के कई राग जैसे भैरव, मालकोस, दीपक, मेघ आदि होते हैं, लेकिन खटराग स्वयं एक राग है, जिसे सुर में गाने की परंपरा नहीं है। गायक जितना ज्यादा बेसुरा होता है, यह उतना ही कर्णप्रिय लगता है।

रागों के गाने का एक खास पहर होता है, लेकिन खटराग को चौबीसों घंटे गाया जा सकता है अर्थात इसके गाने की कोई निश्चित बेला नहीं होती है, जैसे ही बॉस के प्रति मन में अपशब्दों का गुबार हिलोरें मारने लगता है, वैसे ही खटराग गायन का आगाज होता है, जिसे गाने से गायक के मन को असीम शांति मिलती है, आनंदातिरेक में स्वर्ग जैसी अनुभूति होती है उसे।

खटराग में राग मल्हार की तरह असीमित शक्ति होती है, जिसे यदि बॉस सुन ले तो उसे हार्ट अटैक आना लाजिमी है। हालांकि ढीठ किस्म के बॉस का खटराग भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता है। डरपोक किस्म के गायक खटराग का गायन नहीं कर सकते हैं। जो गायक दिल की सुनते हैं, वही खटराग गायन में माहिर होते हैं। ऐसे गायक थोड़े साहसी किस्म के होते हैं। वैसे, कुछ विजनरी गायक पहले से ही खटराग गायन शुरू कर देते हैं, क्योंकि उन्हें इल्म हो जाता है कि बॉस उन्हें ठेंगा दिखाने वाला है। रेवड़ी पाने के लालच में कछुए भी खरगोश बन जाते हैं और निखट्टू, मेहनती और ईमानदार। इश्क और जंग की तरह वे हर कानूनी व गैर-कानूनी हथकंडों को लक्ष्य हासिल करने में जायज मानते हैं। रेवड़ियां पाने वाले नामों की घोषणा हर साल अप्रैल महीने के एक निश्चित दिन के अर्धरात्रि में की जाती है, ताकि सुबह में गायक कूल रहे और लुतम-जूतम अलाप लगाने के लिए प्रेरित न हो। रेवड़ी पाने वालों को सुबह से ही बल्ले-बल्ले के ऊंचे सुर के साथ भांगड़ा करते हुए गली, सड़क, नुक्कड़ हर जगह न्यूसेंस क्रिएट करते हुए देखा जा सकता है, जबकि अन्य को असफल प्रेमियों की तरह पब या देसी दारू के ठेके पर खटराग गायन करते हुए देखा जा सकता है। कोई बॉस को तो कोई मैडम को तो कोई बच्चों को हैप्पी करने की जुगत में रहता है। वैसे मैडम को खुश करना सबसे आसान होता है, क्योंकि सोने का जेवर देखते ही उनका चेहरा हजार वाट के बल्ब की तरह चमकने लगता है। सबसे मुश्किल है बच्चों के चित्त को शांत करना, क्योंकि जूनियर बॉस, खुद को सीनियर समझता है और घर-बाहर हर जगह रायता फैलाता रहता है। कभी-कभार उसकी जठराग्नि तुम-ताम करके शांत हो जाती है तो कभी एकाध लीटर खून पीकर ही वह चैन की सांस लेता है। आमतौर पर रेवड़ी वैसे गायक को देने की संभावना रहती है, जो बॉस के घर में झाड़ू-पोछा लगाकर रिकॉर्ड समय में ऑफिस पहुंच कर बॉस के कार का दरवाजा खोलने के लिए पोर्टिको में करबद्ध खड़ा रहे। ऐसा गायक अमूमन ओपन माइंडेड होता है। उसे डॉगी तक की सेवा करने से कोई गुरेज नहीं होता है। वह बेबीसिटर के साथ-साथ डॉगी सिटर भी होता है। बेबी हो या डॉगी, दोनों के पॉटी को उठाने से उसे गुरेज नहीं होता है। बॉस के पिल्ले के भौंकने या काटने को वह अपना सौभाग्य मानता है, लेकिन कभी-कभार कुत्ते को देखकर वह खुद को भी कुत्ता समझने लगता है। चूंकि, बॉस खाया-अघाया और हर तरह का खेल खेलने में माहिर होता है, इसलिए वह गायक को खटराग गायन से दूर रखने के लिए निरंतर कोशिश करता रहता है। इसके लिए वह समय-समय पर गायक के समक्ष हड्डी भी फेंकता रहता है, ताकि गायक का उत्साह जीरो वॉट के बल्ब की तरह कभी भी मद्धिम न पड़े।

चम्मचों के चम्मच, चम्मचाधिराज महाराज किस्म के गायकों को कभी भी खटराग गाने की जरूरत नहीं होती है, क्योंकि वे आसानी से बॉस को पालतू बना लेते हैं। इसलिए ये शुद्ध शास्त्रीय गायन करते हैं। हर राग को गाने में एक्सपर्ट होते हैं। इस प्रजाति के पास ईश्वर की विशेष नेमत होती है। वे कभी भी किसी रेस में शामिल नहीं होते हैं। उनकी इंट्री बैक डोर से होती है, इसके लिए वे सिर्फ बॉस की बीवी को अपना हथियार बनाते हैं और हमेशा जंग फतह करके ही घर वापस लौटते हैं।

चम्मचाधिराज महाराज जैसे गुण सभी में इनबिल्ट नहीं होते हैं, लिहाजा, चम्मचाधिराज महाराज उनके लिए 10 दिनों का क्रैश कोर्स चलाते हैं। बहुत ही कम फीस लेते हैं। उनका मानना है कि अपने सगे-संबंधियों के साथ कैसा कारोबार। बड़े सात्विक विचारों वाले होते हैं ऐसे चम्मचाधिराज महाराज। मार्च महीने में उनके क्रैश कोर्स की आवृत्ति बढ़ जाती है। चम्मचाधिराज महाराज, दूसरे शहरों में रहने वाले सहकर्मियों के लिए ऑनलाइन कोर्स करवाते हैं। चम्मचाधिराज महाराज का मानना है कि हर दिन 'बॉस दिवस' मनाकर जंग को जीता जा सकता है। कितना भी निष्ठुर बॉस हो, वह अपने भक्तों की कठोर तपस्या का कभी भी अनादर नहीं कर सकता है। चम्मचाधिराज महाराज बड़े लोकप्रिय हैं, क्योंकि बॉस चाहे ऐंठे हुए हों या आड़े-तिरछे हों या लबलबाते हों या तुर्रमखां हों या सत्यवादी हरिश्चंद्र हों या मक्कार हों या फरेबी हों या फिर झूठे हों, प्रत्येक बॉस ने चम्मचाधिराज महाराज को हमेशा रेवड़ी दी है। बॉस को शीशे में उतारना चम्मचाधिराज महाराज के बाएं हाथ का खेल है, क्योंकि हर बॉस को मुफ्त का नौकर या चाटुकार या दुम हिलाता हुआ कुत्ता अच्छा लगता है। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 19000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

वर्तमान सांसदों में से 44 प्रतिशत पर क्रिमिनल केस, 5 की संपत्ति 100 करोड़ से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के मौजूदा कुल सासंदों में से 44 प्रतिशत पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से 29 प्रतिशत पर हत्या, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देना, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसी संगीन धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। 5 प्रतिशत सांसद अरबपति हैं, जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा सांसदों के हलफनामों की जांच से ये जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर आपराधिक मामलों वाले सांसदों में से 9 पर हत्या के मामले हैं। इनमें से 5 सांसद भाजपा के हैं। इसके अलावा 28 सांसदों पर हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज हैं, जिनमें से 21 भाजपा के हैं। 16 मौजूदा सांसदों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े आरोप हैं, जिनमें से 3 पर बलात्कार के आरोप हैं। सबसे ज्यादा दागी सांसद उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश से हैं। बलूरघाट से भाजपा सांसद और पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने 17वीं लोकसभा के दौरान सबसे ज्यादा 596 प्रश्न पूछे हैं। दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश के मंदसौर से भाजपा सांसद सुधीर गुप्ता हैं, जिन्होंने 586 सवाल पूछे हैं। जमशेदपुर से भाजपा सांसद बिद्युत बरन महतो 580 सवाल पूछकर तीसरे नंबर पर हैं।

कांग्रेस-भाजपा में सबसे अधिक अरबपति सांसद

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा और कांग्रेस में अरबपति सांसदों की संख्या सबसे अधिक है। सबसे अधिक घोषित संपत्ति वाले शीर्ष 3 सांसदों में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश और आंध्र प्रदेश के नरसापुरम से निर्दलीय सांसद कनुमुरु रघु राम कृष्ण राजू हैं। 73 प्रतिशत सांसदों के पास स्नातक या उच्च शैक्षणिक योग्यता है। मौजूदा सांसदों में से केवल 15 प्रतिशत महिलाएं हैं।

नागालैंड के एक समूह ने किया चुनाव बहिष्कार का ऐलान

नई दिल्ली। नागालैंड के ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन ने 6 जिलों को मिलाकर अलग राज्य की मांग को लेकर अपना विरोध तेज कर दिया है। संगठन ने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार की बात दोहराई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दिनों तुएनसांग में 20 विधायकों और विभिन्न अन्य संगठनों के साथ मैराथन क्लोज डोर कॉर्डिनेशन बैठक के बाद ईएनपीओ ने राज्य में 19 अप्रैल के संसदीय चुनाव के बहिष्कार की घोषणा की। बता दें, नागालैंड में सिर्फ एक लोकसभा सीट है। ईएनपीओ इससे पहले भी चुनाव बहिष्कार की घोषणा कर चुका है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
(राज्य और शहर के प्रसिद्ध 22 सालों से क्षेत्र में अनुभवी)
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
(राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित)
विशेषज्ञ- वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मो. 9179455561, 9039050422
अशोक विहार, स्ट्रीट नो 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट सामने, पंडरी, रायपुर
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

SACHDEVA NEW P.T. COLLEGE
RAIPUR : 0771-4080090
BHILAI : 0788-2261687
FREE* CRASH COURSE NEET/PAT JEE
EFFECTIVE STUDY MATERIAL
BEST RESULTS
BEST FACULTY
MEDIUM : ENG./HINDI
SUMMER/REGULAR COURSE X-XI-XII
CBSE/CG BOARD

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मी बाई विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तीन दर्शन मंदिर कैंप एक को सभी विषय शिक्षकों की आवश्यकता है। विद्यालय में बायोडाटा सहित संपर्क करें।(आरो न.-439)

वेल्डर/फिटर/हेल्पर

आवश्यकता है- ऑल छत्तीसगढ़ ऑफिस कार्य, वेल्डर, कटर, फिटर, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी, गार्ड, स्टोर कीपर, सुपरवाइजर, इंजीनियर, सभी 5वीं से ग्रेजुएट वेतन 12000- 40000/- परमानेंट कंपनी हेतु मेडिकल +रहना फ्री व्यापार विहार बिलासपुर. 9111965184.(RO-2610)

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- स्कूल बस चलाने हेतु हैवी लाइसेंस/ बैचधारी अनुभवी ड्राइवर, पुरुष कंडक्टर एवं महिला कंडक्टर की आवश्यकता है। मदर्स प्राइड स्कूल, सुंदर नगर, रायपुर। सम्पर्क करें- 7389358588. (RO-077)

आवश्यकता है- रायपुर में 18 चक्का ट्रेलर एवं 16 चक्का हाईवा एव लोडर चलाने के लिए बाहर के ड्राइवर की आवश्यकता है। कृपया पीने वाले संपर्क न करें। 9993714953, 8839375073, 9644260856.(RO-A)

आवश्यकता है- कचांदुर (जेवरा) प्लांट में कार्य करने हेतु पिकअप, ट्रेक्टर, जेसीबी ड्राइवर, सुपरवाइजर, मार्केटिंग बॉय एवं पद्मनाभपुर दुर्ग ऑफिस हेतु ऑफिस स्टाफ और अकाउंटेंट की आवश्यकता है संपर्क- 7441199337.(आरो न-3410)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- रायपुर शहर हेतु कुशल, अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है। पुरानी बस्ती, लाखेनगर, अश्वनीनगर, रायपुरा निवासी को प्राथमिकता। केवल स्थायी रूप से काम करने के इच्छुक ही लाइसेंस, आधार कार्ड सहित संपर्क करें :- 9329100263. (RO-21454)

आवश्यकता है- कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स कंपनी में कार्य करने हेतु आवश्यकता- ड्राइवर- 2 पद, (पिकअप एवं 407 चलाने हेतु) कार ड्राइवर- 1 पद, संपर्क- विशाल एंटरप्राइजेज, मोवा, रायपुर- 9165718065, 9981691919.(RO-085)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान मे काम करने वास्ते लड़के एवं लड़कियो कि जरूरत है, एकाउंटेंट, दुकान में काम करने पढ़े लिखे स्टाफ कि आवश्यकता है संपर्क समय सुबह 12;00 से 5:00 9827881003, 7974716022.(RO-1900)

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्र नगर स्थित सेनेटरी हार्डवेयर दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं (अकाउंटेंट) कंप्यूटर कर्मी बिल बनाने हेतु की आवश्यकता है न्यू राजेंद्र नगर के आसपास रहवासी को प्राथमिकता संपर्क:- 9770417778.(RO-2621)

केयर टेकर

आवश्यकता है- बेबीकेयर/ बुजुर्ग केयर हेतु लड़कियों /महिलाओं एवं पुरूषों की तत्काल आवश्यकता है, वेतन 10 से 15 हजार संपर्क करें मोबाइल नंबर:- फैमिली केयर, रायपुर, 7389066521.(RO-2617)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं, 12वी, स्नातक लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ रहना फ्री कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- सरकण्डा बिलासपुर 9575712101, 7970225494.(RO-33483)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टेक्निशियन/ऑफिसर

REQUIREMENT
In an Engineering Company at Bhilai
NDT Technician
Level-II – PT, MPT, UT, RT with 5-7 years experience in similar industry
Safety Officer
with 3-5 years experience in Industrial safety
Fabrication Contractors
Shall have a workforce of Skilled manpower with knowledge of Equipment/ Structure Drawing
Environment Conservation Coordinator
Cook for Office Canteen
Drivers for Automatic SUV
Contact- between 10am to 5pm at 62320 27772 or mail your CV to hr@beekaycorp.com

ऑपरेटर/फिटर

आवश्यकता है- कोमोरी लेथ्रान 426 ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है। ऑपरेटर- 1,फिडर मैन-1,कटिंग मैन-1, हेल्पर-1, मार्केटिंग-2, शीघ्र संपर्क करें मो.-75661-00099 रायपुर (आरो न.-441)

हेल्पर/मैकेनिक

आवश्यकता है- रायपुर स्थित सर्विस सेंटर को फ्रिज तथा ए. सी. सुधारक चाहिए हेल्पर - 4 पद, मैकेनिक - 2 पद काम सीखने के इच्छुक भी संपर्क करें मो. 9893210882. (RO-M)

अकाउन्टेंट/मैनेजर

REQUIRES
Accountant / General Manager
Minimum experience should be 5 years in the related field viz. accountancy & general management of Marriage Palace/Hotel.
Walk-in interview on 1st Apr'24, 5 to 6 pm
GAYATRI PALACE
Chikhali, Dhamdha Road, Durg
Mob.:93030 72667

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टेक्नीशियन/हेल्पर

आवश्यकता है- CCTV टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 8000/- से 15000/- DIGITAL WORLD DURG, 88391-50501, 98279-71445.(आरो न.-SPD/769)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- कानपुर झांसी में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास लड़के चाहिए सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस+ रेल किराया आवास फ्री ट्रेनिंग पश्चात कमाए 15000 से 20000 सम्पर्क बिलासपुर 8770508791, 7225815090, 6266578863.(RO-33512)

लेबर

तत्काल आवश्यकता है- राजनांदगांव के पास मछली फार्म में रहकर काम करने के लिए परिवार वाले लेबरों की। संपर्क करें:- मो. - 97702-61337(आरो न.-6056)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9883460031.(RO-7044)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 8602908677, 7477221345, बिलासपुर 9993444253, 8359913999, रायगढ़- 7869755871.(RO-2586)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- चांगोराभाटा मे 750 वर्गफुट 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ स्वतंत्र नया मकान एव रायपुरा सत्यम विहार कॉलोनी डायवर्सन किया हुआ 1100 फुट प्लॉट बेचना है संपर्क :- 9300505421, 9993451070. (RO-om)

मकान बेचना है- अविनाश सनसिटी सडडू में 635 स्क्वायरफीट जमीन पर बना नवनिर्माता नक्शा पास 3BHK डुप्लेक्स मकान बेचना है फाइनेंस सुविधा उपलब्ध 9893124908. (RO-1167)

मकान बेचना है- कसारीडीह दुर्ग स्थित 1107 वर्गफीट जमीन में बना डबल मंजिल ऊपर मकान, नीचे दुकान डॉ. एन.के. साहू के सामने बेचना है। संपर्क:- मो.- 7389060284.(आरो न.-6057)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

भूमि

भूमि बेचना है- फार्म हाऊस के लिए प्लॉट उपलब्ध है। भिलाई- दुर्ग से नजदीक बिरेझर में 11000 sqft. के साइज में फ्रेश कटिंग प्लॉट मात्र 111/- रू. psqft. मो. न. 9827423470(आरो न.-440)

For Rent किराया

किराये से देना है- सेरीखेड़ी विष्णु नगर NH-6 फ्लाई ओवर के नीचे 2400 फिट तीन सेट गोदाम और आफिस 10Kg का पावर कनेक्शन ओपन एरिया नर्सरी उपयोग के लिए किराये से देना है। संपर्क करें- 9425206944, 9669625000. (RO-1168)

वैवाहिकी वर चाहिए

वर चाहिए- 29 वर्ष, 5 फुट 1 इंच, रंग- गोरा, राशि - धनु, गण-देबारी, कास्ट- बंगाली, गोत्र कश्यप (namahsudra) शिक्षा बीकॉम हेतु वर चाहिए। छ.ग. प्राथमिकता मैरिज ब्यूरो क्षमा करें मो.- 7587223711 (442)

सतनामी वर चाहिए
तलाकशुदा उम्र 38 साल कन्या शिक्षा एम.एस.सी. बायोटेक एवं बी.एड. तथा रायपुर में इंग्लिस मिडियम स्कूल में टीचर है। मासिक आय 50 हजार रूपये है। उसके लिए सजातीय योग्य वर की आवश्यकता है।
संपर्क करें 6267344704

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन एक साथ प्रकाशित किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें- 7987119756, 6263818152

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी...
CLASSIFIED RATE CARD
01 जनवरी 2022 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property	Display
Raipur City	400	500	460	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	350	450	450	150/- Sq cm
Bilaspur City	335	385	410	140/- Sq cm
Raipur All Edition	530	650	640	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	440	490	530	195/- Sq cm
All CG	800	920	910	310/- Sq cm
All CG + MP	1080	1350	1220	330/- Sq cm
All Edition	1350	1700	1600	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Buisness & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. TOWER & FINANCE AD (No Scheme)

ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm.
5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
400 /- 1 Sunday	500 /- 1 Sunday
700 /- 2 Sunday	900 /- 2 Sunday
900/- 3 Sunday	1200/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	45000	72000	92000
Bilai + Durg Edition	40000	65000	85000
Bilaspur City	30000	50000	70000
Raipur All Edition	57000	90000	115000
Bilaspur All Edition	45000	75000	90000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

○ गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
○ शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
○ लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
○ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
○ आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें।
○ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
○ नि:संतान दम्पत्ति आज ही मिले।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने, बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन : सुबह 9 से शाम 7 बजे
रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

हर्पिस रोग एक लाईलाज बीमारी
इस समय सभी उम्र के स्त्री पुरुषो में एक न्यूरोट्रापिक हर्पिस वायरस देखे जा रहे है, रोग अधिक बढ़ जाये तो यह शरीर के अंग को लकवा मारने जैसा अपंग या सून्न कर देता है। इसे कोई साधारण गोली दवा मोबाइल इत्यादि देख कर डॉ. के बिना खुद ईलाज ना करें। स्त्री-पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) मे दाने छाले फून्सी, लाल होना फटना, जलन व दर्द योनि मे खुजली एवं सफेद लाल व बदबूदार पानी, बुखार जैसा लगते रहना मुँह में छाले, शरीर में पानी भरे फफोले दर्द एवं जलन, गुप्तांग से पीप (पस) जाना शरीर में खुजली होते हो तो यह हर्पिस रोग होने की संभावना है। अतः खुन से हर्पिस रोग की जाँच कराये समझ मे ना आये तो तुरंत संपर्क करे। इसकी स्थायी चिकित्सा केवल रस रसायन मे ही है। अंग्रेजी दवा से यह ठीक नहीं हो सकता।
यौन समस्या :
इन्द्रीय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुड़न, इरेक्टाइल डीसफंक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुन जन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, जलन ऐसे होते हो तो ध्यान रहें उपरोक्त बीमारियों का स्थाई ईलाज केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही है।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल फार्मा साइंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग, l 9425555659, 9617789223, 9303948500,,9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

जैकेट के शेष

दस गांव जहां ....

शराब का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। शराब का निर्माण कारखाने की तरह किया जाता है। पिछले दो सालों में 182 से अधिक कार्रवाई करते हुए 76 से अधिक लोगों को जेल भी भेजा गया है। 10 हजार लीटर से अधिक की शराब जब्त हुई है तो 30 हजार किलो लहान भी जब्त किया गया है। बिलासपुर जिले के चकरभाठा, कोटा, तखतपुर, हिर्री व मस्तूरी इलाके में बड़े पैमाने पर महुआ शराब बनाने व बेचने का अवैध कारोबार चल रहा है। पिछले कुछ सालों में यह अवैध धंधा तेजी से बढ़ा भी है। तखतपुर क्षेत्र के ग्राम सोनबंधा, बराही, धूमा में बड़े पैमाने पर कच्ची शराब बनाई जाती है। चकरभाठा क्षेत्र के नगाराडीह गांव में तो कार्रवाई करने से पहले आबकारी और पुलिस की टीम को कई बार सोचना पड़ता है क्योंकि अवैध धंधे से जुड़े लोग हमला भी कर देते हैं। मस्तूरी क्षेत्र के पचपेड़ी में तो आबकारी अमले पर हमला भी हो चुका है।

आंगन में गड्ढा ....

इसके बाद सभी फलों को बर्तन में पानी में मिलाकर कुछ दिन तक भिगोकर रखा जाता है। उसके बाद उस बर्तन को आग पर गरम किया जाता है और गरम होने पर जो भाप निकलती है उसको पाइप के द्वारा दूसरे बर्तन में इकट्ठा किया जाता है। भाप ठंडी होने पर लिक्विड फॉर्म में जो मिलता है वह शराब होती है।

वास्तविक लागत 15 ....

से शराब निकालने वाले बताते हैं कि एक किलो महुआ 40 रुपए में मिलता जिससे एक लीटर शराब बनती है। बिलासपुर और मुंगेली जिले के बहुत से गांव हैं जिनका इसी अवैध रूप से रोजगार चलता है। महुआ शराब बनाना बहुत आसान है। इसलिए ही गांव गांव में महुआ की खरीदी होती है। पुलिस के डर से लोग शराब बनाने का काम दूसरा इलाके में करते हैं।

लोकसभा चुनावः घोषणा ...

अपने घोषणा पत्र को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। पार्टी ने लोगों से सुझाव मांगने के लिए अलग-अलग इलाकों में 'रथ' भी रवाना किए थे। भाजपा अपने घोषणा पत्र को 'संकल्प पत्र' कहती है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार का घोषणा पत्र गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। पार्टी का इस बार का घोषणा पत्र 2047 तक देश को विकसित बनाने की 'योजना' पर भी आधारित होगा। सूत्रों के मुताबिक 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान से पहले पार्टी अपना घोषणा पत्र जारी कर सकती है।

हर राज्य के प्रतिनिधि....

हरियाणा से ओपी धनखड़, दिल्ली से मनजिंदर सिंह सिरसा और केरल से अनिल एंटोनी को सदस्य बनाया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री समेत ....

की ओर से उनकी बेटी नित्या राव और कर्पूरी ठाकुर की ओर से उनके बेटे रामनाथ ठाकुर ने राष्ट्रपति मुर्मू से यह पुरस्कार लिया। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सरकार ने इस साल राव, सिंह, ठाकुर और स्वामीनाथन के अलावा भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री एल के आडवाणी को भारत रत्न पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

साय बोले-कांग्रेसी ....

लाख या पांच लाख देने की बात करें, तो भी जनता इन पर विश्वास करने वाली नहीं है। महतारी वंदन योजना की राशि को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा, वित्तीय वर्ष की समाप्ति के कारण यह राशि एक को नहीं, अब दो या तीन अप्रैल को खातों में जाएगी। श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के शासन में गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबका विकास हुआ है। उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा का कमल निशान घर-घर तक पहुंचाना है, हर घर में भाजपा का झंडा लहराना है। मुख्यमंत्री ने स्वयं कुछ घरों में भाजपा का झंडा लहराया। उन्होंने कहा, कांग्रेस की लबरा सरकार ने जनता से 36 वादे किए, लेकिन एक भी वादा ठीक से पूरा नहीं किया। पूरे पांच साल जनता को धोखे में रखा, लेकिन इस बार उसको सबक सिखाना है, उसका पूरा सफाया करना है। काठ की हांडी एक बार ही चढ़ती है और कांग्रेस द्वारा मिले धोखे को जनता अच्छे से समझ चुकी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा 7 मई को रायपुर लोकसभा के लिए मतदान होना है और सभी कार्यकर्ताओं की यह महती जिम्मेदारी है कि शत-प्रतिशत मतदान कराके इस चुनाव में कमल के निशान पर बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल को जिताना है और केंद्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी की सशक्त सरकार तीसरी बार बनानी है। रायपुर से भाजपा ने एक ऐसा प्रत्याशी उतारा है, जो सबके सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक नंदकुमार साहू, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश कश्यप, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, जितेंद्र धुरंधर, यशवंत लहरे, विकास आदि बड़ी संख्या में भाजपा नेता उपस्थित थे।

किरण देव ने ....

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बूथ विजय संकल्प अभियान का प्रारंभ किया।

रात 10 बजे ऑनलाइन ....

लिए याचिका दायर कर गुहार लगाई थी। शनिवार की सुबह मामले की सुनवाई हुई और निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को भी निर्देश दिया है कि तीन सप्ताह में त्रुटियों को सुधार ले और तब तक निगम कोई भी कार्रवाई नहीं कर सकेगा। मामला बिलासपुर शहर के बीच नूतन चौक का है। यहां सरकंडा निवासी हरीश राठौर ने 6 दुकानें बना ली थी। दुकानों के निर्माण से पहले हरीश राठौर ने निगम से नक्शा पास करवाया और इसमें ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग दर्शाया गया था। हरीश राठौर ने लेकिन पार्किंग के लिए छोड़ी गई जमीन पर भी दुकानें तान दीं और मुख्य सड़क के किनारे 800 फीट की जगह पर पार्किंग के लिए जगह तय कर दी। स्थानीय कुछ लोगों की शिकायत के बाद निगम ने जांच की तो नक्शे के खिलाफ निर्माण पाया गया।

शाम 7 बजे ....

7 बजे अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। निगम ने अवैध निर्माण को तोड़ने या खुद ही हटा लेने की चेतावनी दी थी। नोटिस में इस बात का भी जिक्र किया था कि स्वीकृत नक्शा के अनुसार पार्किंग के लिए उसे निर्माणाधीन क्षेत्र में तकरीबन 125 स्क्वायर फीट जमीन छोड़नी थी। उसने ऐसा नहीं किया। निगम ने इसकी सूचना सरकंडा पुलिस को भी दी थी और पुलिस बल की मांग की गई थी। शुक्रवार रात को ही पुलिस के कुछ जवान तैनात भी हो गए थे।

सनी देओल का ....

संधू पर बीजेपी ने भरोसा जताया है। उधर, पार्टी ने पटियाला लोकसभा सीट से परनीत कौर को चुनावी मैदान में उतारा है।

माफिया मुख्तार के ....

को मुख्तार अंसारी की कब्र पर मिट्टी देने के लिए कब्रिस्तान में प्रवेश करने से रोक दिया। इस घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें अफजाल अंसारी यह कहते दिख रहे हैं, आप किसी को मिट्टी देने से नहीं रोक सकते हैं। इसपर गाजीपुर की जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा, परिवार के लोग मिट्टी दे सकते हैं। क्या समूचा शहर मिट्टी देगा। अफजाल अंसारी ने पलटकर कहा, कहीं का कोई भी व्यक्ति मिट्टी देने जा सकता है।

पेज एक के शेष

अथ श्री गोठान कथा...

वीरान पड़े इन गोठानों की स्थिति यह है कि यहां मवेशियों के लिए न ही चारा है और न ही पानी, जिसके कारण गोठानों में मवेशियों ने भी आना छोड़ दिया है। यहां तक कि गोठानों में असामाजिक तत्वों का डेरा भी जमने लगा है, जिससे गांव का माहौल भी खराब होने लगा है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस सरकार ने गोठान के नाम पर 1300 करोड़ का घोटाला किया है। वहीं कांग्रेस कह रही है कि सरकार की अनदेखी की वजह से हालात ऐसे हुए है। बहरहाल गोठान की गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल जमीन पर बिखरे दिखते हैं। हरिभूमि ने रायपुर सहित राज्य के कई जिलों में गोधन योजना के तहत खोले गए गोठानों की स्थिति की लाइव रिपोर्टिंग की। इस पड़ताल से गोठानों की जो दुदर्शा की तस्वीरें सामने आई हैं, उसके बाद यह कहा जा सकता है कि गोठानें करीब करीब बंद हैं।

केसः4ः ग्राम देवारभाटा और ग्राम भटगांव में अधूरे गोठान भी बने हुए हैं। इन पर अब तक लाखों रुपए खर्च किए जा चुके हैं। गांव के रहवासियों ने बताया कि इन दोनों गोठानों का निर्माण चुनावी साल में शुरू हुआ था। आचार संहिता लगने के बाद इनका निर्माण कार्य बंद है। इसके बाद से दोनों गोठान का निर्माण जर्जर स्थिति में है। पाइप लाइन टूट-फूट चुकी है, वहीं सोलर पंप चोरी हो चुका है।

तखतपुर के ग्राम निगार...

नहीं आने के कारण रखरखाव नहीं हो रहा है। चारा-पानी नहीं मिलने से गोठानों में मवेशियों ने जाना छोड़ दिया है। उनकी जगह अब बच्चे गोठान के शेड में कपड़े का झूला बनाकर गर्मी की छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। बच्चों ने बताया कि करीब 6 महीने से सोलर पंप भी बंद है। बच्चों ने बताया कि गोठान की बदहाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही हो चुकी थी। लगभग 10 लाख रुपए की लागत से इस गोठान का निर्माण किया गया है।

जांजगीर : सोलर प्लेट...

साथ वर्मी कंपोस्ट की बिक्री भी बंद पड़ी हुई है। इधर राशि आवंटन के अलावा देखरेख के अभाव में गोठान पूरी तरह से उजाड़ हो गया है। यहां लगे सोलर प्लेट सबमर्सिबल सहित अन्य सामान गायब हो चुके हैं।

मर गए केंचुए, स्टोर...

हुए जिले के 250 गोठानों में खुलकर खर्च किया था। महिला समूहों को रोजगार देने के लिए इन गोठानों में 3 हजार वर्मी कम्पोस्ट शेड बनाए गए हैं। गोबर खरीदी कर इन शेडों में वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाकर किसानों को बेचा जाता था। अब गोबर खरीदी बंद हो गई है। गोठानों में बने शेड में पहले से डाला गया गोबर पूरी तरह से सूख गया है। यहां पर न तो कोई पानी डालने वाला है और न ही वर्मी कम्पोस्ट खाद को निकालने वाला। खाद बनाने के लिए कई गौठानों में केंचुए खरीदकर लाए गए थे, जो मर गए हैं।

मुर्गी शेड, बकरी शेड भी उपयोगहीन

गौठान समिति की आय बढ़ाने के लिए गौठानों में मुर्गी शेड और बकरी शेड भी बनाए गए हैं। अब तो गौठान समिति का ही अता-पता नहीं है, ऐसे में मुर्गी शेड और बकरी शेड उपयोगहीन हो गए हैं। कुछ स्थानों पर इन शेड को ग्रामीणों को दे दिया गया है, जहां पर वे मुर्गी पालन कर रहे हैं। बकरी शेड अब स्टोर रूम के रूप में काम आ रहा है।

न मवेशी न चारा, खाली...

गोठान के कंटीला तार से बना चाहरदिवारी जगह-जगह से उखड़ चोरों ने हाथ साफ कर लिया।

कितने गोठान हैं नहीं पताः मेरी पदस्थापना हुए कम दिन हुआ है, बस्तर विकास खण्ड में कितने गोठान संचालित है, पता लगाकर बताता हूं। मैं निर्वाचन ड्यूटी में हूं। ऑफिस पहुंचकर जानकारी उपलब्ध करा पाऊंगा।

- भानुप्रताप चुरेन्द्र, सीईओ जनपद बस्तर

अब केजरीवाल के मंत्री...

कर दिया। मंत्री ने कहा कि यह जांच का विषय है। क्या सवाल पूछे गए, यह तो मैं नहीं बता सकता हूं लेकिन जब मीडिया ने सवाल किया कि विजय नायर आपके आवास में रह रहे थे। क्या इसको लेकर भी सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि आवास निश्चित तौर पर मेरे नाम पर आवंटित है लेकिन मैं आज भी उस आवास में नहीं रहा हूं और न ही मैंने वहां पर शिफ्ट किया है।

आप के तीन नेताओं सहित चार नेता जेल में

दिल्ली की रद्द की जा चुकी नई आबकारी नीति मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, आप सांसद संजय सिंह के अलावा तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की एमएलसी बेटी के. कविता भी जेल में हैं।

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

अमेरिका जाने का सपना होगा महंगा! तीन गुना बढ़ जाएगी वीजा फीस

नई दिल्ली। अगर आप भी अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं तो अपनी जेब ढीली करने को तैयार हो जाएं। दरअसल, अमेरिका सोमवार 1 अप्रैल 2024 से एच-1बी, एल-1 और ईबी-5 गैर-अप्रवासी वीजा शुल्क में बढ़ोतरी करने जा रहा है। नए नियम लागू होने के बाद से वीजा फीस में करीब तीन गुना बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। यही नहीं संभावना जताई जा रही है कि वीजा सर्वसि में भी आने वाले दनिों में बदलाव देखने को मिल सकता है। एच-1बी वीजा प्राप्त करने के लिए किसी शख्स को आई-129 फॉर्म भरना होता है। पहले इसकी कीमत 460 यूएस डॉलर (करीब 38,000) थी। वहीं नए नियम के बाद अब यह 780 यूएस डॉलर (करीब 64,000) हो जाएगा। यही नहीं एच-1बी रजस्ट्रिेशन की फीस भी अगले वत्तिीय वर्ष में 10 यूएस डॉलर (करीब 829) से बढ़कर 215 यूएस डॉलर (करीब 17,000) हो जाएगी।

एच-1 बी गैर-अप्रवासी वीजा

बता दें एच-1बी गैर-अप्रवासी वीजा है। यह वीजा अमेरिकी कंपनियों की ओर विदेशी कर्मचारियों को नयिुक्ति प्रदान करने की अनुमति देता है। अमेरिका की कई कंपनियां भारत समेत कई देशों से लोगों को अपने यहां जॉब के लिए बुलाती हैं।

ईबी-5 वीजा के लिए देने होंगे 9 लाख रुपए

ईबी-5 वीजा को निवेशक वीजा शुल्क के रूप में भी जाना जाता है। मौजूदा समय में ईबी-5 वीजा के लिए 3,675 यूएस डॉलर (करीब 3,00,000) का भुगतान करना पड़ता है। हालांकि 1 अप्रैल से यह बढ़कर 11,160 यूएस डॉलर (करीब 9,00,000) हो जाएगा।

अरुणाचल प्रदेश भाजपा के लिए 'अच्छी खबर'

सीएम खांडू समेत 10 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

एजेंसी ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा के लिए अच्छी खबर सामने आई है। यहां राज्य की 60 सीटों में से सीएम पेमा खांडू और डिप्टी सीएम चौना मीन समेत भाजपा के 10 विधायक निर्विरोध जीत गए हैं। भाजपा ने यह दावा किया है। दरअसल, यहां बुधवार को नामांकन की आखिरी तारीख थी, लेकिन इन नेताओं की विधानसभा सीटों से किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है। बता दें, अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा और 60 विधानसभा सीटों के लिए एक साथ 19 अप्रैल को चुनाव होंगे। निर्विरोध जीत को लेकर अरुणाचल प्रदेश भाजपा ने ट्वीट कर जानकारी दी है। संसदीय चुनाव के प्रभारी अशोक सिंघल ने अरुणाचल प्रदेश में 60 में से 10 विधायकों की निर्विरोध जीत की शुरुआत के लिए सीएम पेमा खांडू और डीसीएम चौना मीन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत मोदी की गारंटी को दिखाती है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम पेमा खांडू के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश के लोगों का अटूट समर्थन और विश्वास है। बता दें कि मुख्यमंत्री खांडू तवांग जिले की मुक्तो विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

यूपी मदरसा एक्ट मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट ने कर दिया था रद्द

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश मदरसा एक्ट को असंवैधानिक घोषित करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 22 मार्च को आदेश दिया था कि सभी मदरसा छात्रों का दाखिला राज्य सरकार सामान्य स्कूलों में करवाया जाए। इसके खिलाफ अंजुम कादरी नाम के शख्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जल्द ही ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत दूसरे पक्ष भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकते हैं। गौरतलब है कि कोर्ट के फैसले के बाद यूपी मदरसा बोर्ड की ओर से कहा गया था, इस आदेश के बाद 16,500 मान्यता प्राप्त और 8,500 गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों या इस्लामिक मदरसों के 2 लाख छात्रों का जीवन प्रभावित होगा।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय धमतरी
मुजगहन, पोस्ट- लोहरसी, जिला- धमतरी (छ.ग)- 493773

// बालवाटिका -3 प्रवेश सूचना //

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय धमतरी में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कक्षा बालवाटिका- 3 में प्रवेश हेतु ऑफलाइन पंजीयन दिनांक 01/04/2024 से दिनांक 15/04/2024 तक होगा। कक्षा बालवाटिका - 3 में प्रवेश हेतु आयु दिनांक 31/03/2024 को 5 वर्ष पूर्ण तथा 6 वर्ष से कम होनी चाहिए (1 अप्रैल को जन्म लिए बच्चे भी पंजीयन हेतु अनुमान्य होंगे)। प्रवेश हेतु सीटों का आरक्षण केंद्रीय विद्यालय संगठन के प्रवेश दिशा - निर्देश 2024-25 के अनुसार होगा। पंजीयन समय कार्य दिवसों में प्रात 09:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक। विस्तृत जानकारी हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट http://kvsangathan.nic.in का अवलोकन करें।

प्राचार्य

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक

CRGB हमेशा आपके साथ

क्षेत्रीय कार्यालयः महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अंतर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की नीलामी सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्न ऋणियों को सरफेसी अधिनियम 2002 के तहत मांग सूचना जारी किया गया था एवं सरफेसी अधिनियम 13(4) के अंतर्गत बंधक संपत्ति पर भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया गया है। बैंक की बकाया राशि, ब्याज एवं अन्य खर्चों सहित की वसूली हेतु निम्नलिखित बंधक अचल संपत्ति की ''नीलामी जहाँ है जैसा है'' के आधार पर किया जाना है:-

क्र.	संपर्क शाखा	ऋणी का नाम एवं जमानतदार का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना एवं राशि (रू.में)/ आधिपत्य की तिथि/कब्जा प्रकार	आरक्षित मूल्य (Auction Amount)	धरोहर राशि (EMD Amount)
1.	पुरानीबस्ती मो.6232032029	ऋणीः-1) श्रीमती बीना ठाकुर पति श्री अखिलेश सिंह ठाकुर 2) श्री अखिलेश सिंह ठाकुर पिता श्री रघुवीर सिंह ठाकुर आवासीय पता-म.नं.27 कैपिटल सिटी फेस-3 सड्डू रायपुर	श्रीश्रीमती बीना ठाकुर एवं अखिलेश सिंह ठाकुर की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र-15001/37, प.ह.न.-20, जी.के. टाउनशिप सिलतरा- रा.नि.मं.- धरसीवा, ग्राम-सिलतरा तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग.)। क्र.- प्लाट नं.- क्षेत्रफल- 1- 358 750 वर्गफीट 2- 359 750 वर्गफीट 3- 360 750 वर्गफीट 4- 361 750 वर्गफीट 5- 362 750 वर्गफीट चौहद्दीः-उत्तर-प्लाट नं.-357, दक्षिण-प्लाट नं.- 363, पूर्व-प्लाट नं.323-327, पश्चिम-रास्ता।	17.03.2022, रू.29,63,781/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 12/07/2022 भौतिक कब्जा	1- रू.2,87,000/- 2- रू.2,87,000/- 3- रू.2,87,000/- 4- रू.2,87,000/- 5- रू.2,87,000/-	रू. 28,700/- रू.28,700/- रू.28,700/- रू.28,700/- रू.28,700/-
2.	पुरानीबस्ती मो.6232032029	ऋणीः-1) श्रीमती वर्षा साहू पति श्री वालेश कुमार साहू 2) श्री वालेश कुमार साहू पिता श्री मदन कुमार साहू आवासीय पता- राजीव पाण्डेय मं.न.37/9 वार्ड नं.67 पी.एस. सिटी चंगोराभाठा रायपुर	श्री श्रीमती वर्षा साहू एवं वालेश कुमार साहू की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-15001/1, का भाग, प.ह.न.-20, जी. के. टाउनशिप सिलतरा-प्लाट नं.रा.नि.मं.धरसीवा,ग्राम सिलतरा तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग.)। क्र.- प्लाट नं.- क्षेत्रफल- 1- 940 1000 वर्गफीट 2- 941 1000 वर्गफीट चौहद्दीः-उत्तर-प्लाट नं. 942, दक्षिण-प्लाट नं.939, पूर्व- रास्ता, पश्चिम-936,937।	20.05.2022 रू.22,15,528/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 30/08/2022 भौतिक कब्जा	1- रू.3,60,000/- 2- रू.3,60,000/-	रू. 36,000/- रू. 36,000/-
3.	दलदलसिवनी मो.6232032050	ऋणीः-1) श्री लक्ष्मण सेन पिता गणेश सेन	श्री लक्ष्मण सेन की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरणः-मौजाः- EWS FLAT-26/103 हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी ग्राम-परसदा कुम्हारी जिला-दुर्ग (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः- 403 वर्गफीट।	07.06.2022 रू.7,09,229/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 30/08/2022/ भौतिक कब्जा	रू. 3,98,000/-	रू. 40,000/-
4.	बलौदाबाजार मो.6232032005	ऋणीः-1) श्री रामजी लाल वर्मा पिता लल्लू प्रसाद वर्मा आवासीय पता- दीनदयाल मार्केट बालौदाबाजार	श्री रामजी लाल वर्मा की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-2441/1,2 प.ह.न.-88, रा.नि.मं.-पलारी, ग्राम-कोनारी तहसील एवं जिला- बलौदाबाजार (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः- 3000 वर्गफीट।	19.01.2022 रू.2,96,746/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 05/05/2022/ भौतिक कब्जा	रू. 1,06,000/-	रू.10,600/-
5.	सिरपुर मो.6232032064	ऋणीः-1) श्री मती दीपशिखा कोसले पति श्री अशोक कोशले 2) श्री अशोक कोसले पिता श्री नारायण प्रसाद कोसले आवासीय पता-ग्राम पीढ़ी पोस्ट लंहानगर सिरपुर महासमुंद	श्री मती दीपशिखा कोसले की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-640/2 प.ह.न.-42, रा.नि.मं.-महासमुंद, यति यतनलाल वार्ड नं.-2 इमलीभाठा तहसील एवं जिला-महासमुंद (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः- 1900 वर्गफीट। चौहद्दीः- उत्तर-सुनीता टंडन का मकान, दक्षिण- रास्ता, पूर्व-रास्ता, पश्चिम-उमेश का मकान।	07.06.2023 रू.18,57,683/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 27/09/2023/ भौतिक कब्जा	रू.15,62,000/-	रू.1,60,000/-
6.	हीरापुर मो.6232032013	ऋणीः-1) श्री मती महजीबन अहमद पति श्री जमील अहमद	श्री मती महजीबन अहमद की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-257/4, प.ह.न.-105/47, रा.नि.मं.-रायपुर, चंद्रशेखर आजाद वार्ड नं.52 गोकुल नगर मठपुरैना जिला-रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः- 600 वर्गफीट। चौहद्दीः- उत्तर-मिश्रा जी का मकान, दक्षिण- कुतुबनिशा का मकान, पूर्व-रास्ता, पश्चिम-साहू जी का मकान।	07.06.2023 रू.16,09,531/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 09/08/2023/ भौतिक कब्जा	रू.13,20,000/-	रू.1,32,000/-
7.	संतोषी नगर मो.6232032030	ऋणीः-1) श्री संतोष गुप्ता पिता श्री सूरज गुप्ता	श्री संतोष गुप्ता की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरणः- मौजाः-ख.क्र.-981/4, नया प.ह.न.-49, रा.नि.मं.- रायपुर, कृष्णा नगर गली नं.-6 गुढ़ियारी जिला- रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः- 575 वर्गफीट। चौहद्दीः- उत्तर- रास्ता, दक्षिण- राधाबाई का मकान, पूर्व- रास्ता, पश्चिम- नारायण का मकान।	07.06.2023 रू.27,85,085/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 30/08/2022/ भौतिक कब्जा	रू.24,31,000/-	रू.2,50,000/-

ऋणियों जमानतदारों, बंधककर्ता की सूचित किया जाता है कि बकाया राशि, ब्याज एवं अन्य खर्चें का भुगतान नीलामी के पूर्व कर देवें। बिक्री पश्चात अन्य कोई शेष बकाया राशि की वसूली का अधिकार प्राधिकृत अधिकारी के पास सुरक्षित है।

नीलामी तिथि 30.04.2024 समय 12:00 बजे से

नीलामी स्थान :- छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय - रायपुर महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)

नीलामी के नियम एवं शर्तेंः- (1) **नीलामी जहाँ है जैसा है** के आधार पर हो रही है। (2) प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी तक नीलाम की जा रही संपत्तियां भरमुक्त है फिर भी इच्छुक निविदाकर्ता अपनी निविदा जमा करने से पूर्व ''संपत्ति पर भारित ऋण भार''संपत्ति का स्वत्वाधिकार दावे देय आदि जो किसी भी प्रकार से संपत्ति को प्रभावित करते हो के विषय में स्वतंत्र निरीक्षण एवं जानकारी प्राप्त कर संतुष्ट होने के बाद ही निविदा जमा करें। संपत्ति का निरीक्षण सम्बंधित शाखा से संपर्क कर किया जा सकता है। **उपरोक्त संपत्ति एवं उन पर सभी प्रकार के वर्तमान एवं भावी प्रभार/ऋण / भार/दावे स्वत्वाधिकार जो कि बैंक की जानकारी में है या नही है के सहित विक्रय की जा रही है। प्राधिकृत अधिकारी किसी भी प्रकार से अन्य पक्षकार के दावे/अधिकार/देयता के प्रति उत्तरदायी नही होगा।** (3) इच्छुक निविदाकर्ता /खरीददार अमानत (धरोहर) राशि जो कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक A/c (ऋणी का नाम एवं शाखा का नाम) के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। (4) इच्छुक निविदाकर्ता /खरीददार शाखा का नाम, ऋणी का नाम स्पष्ट रूप से लिखकर निविदा राशि अंको एवं शब्दों में लिखकर स्वंय के पहचान पत्र, निवास प्रमाण, पैन कार्ड की स्वहस्ताक्षरित प्रतियाँ तथा मोबाइल नंबर, e-mail Id इत्यादि प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के पास दिनांक 29.04.2024 तक जमा करना होगा (5) सफल निविदाकर्ता की धरोहर राशि विक्रय मूल्य में समायोजित की जायेगी एवं असफल निविदाकर्ता की धरोहर राशि वापस कर दी जायेगी। धरोहर राशि पर कोई ब्याज देय नही होगा। बिक्री की पुष्टि होने पर सफल खरीददार को विक्रय मूल्य का 25% राशि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निविदा स्वीकार करने पर आगामी दिवस (दिनांक 01.05.2024) को जमा करना होगा एवं शेष 75% राशि नीलामी तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करना होगा अन्यथा खरीददार द्वारा पहले भुगतान/जमा सम्पूर्ण राशि बैंक द्वारा जब्त कर ली जाएगी। भुगतान में चुक होने पर संपत्ति की पुनः बिक्री की जायेगी और उस पर खरीददार का किसी भी प्रकार का संपत्ति/राशि पर दावा मान्य नही होगा। (6) सफल खरीददार को स्टाम्प डयूटी, पंजीकरण शुल्क, संपत्ति कर आदि समस्त खर्चों का भुगतान स्वंय करना होगा। **(7) विक्रय संपत्ति पर बकाया शासकीय एवं अन्य भुगतान की जिम्मेदारी खरीददार की होगी।** (8) प्राधिकृत अधिकारी की यह पूर्ण अधिकार होगा की वह किसी भी बोली प्रस्ताव/प्रस्तावों को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत कर दें या फिर बिना कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को स्थगित अथवा निरस्त कर दें। (9) बैंक द्वारा विक्रय की पुष्टि होने के पश्चात एवं भुगतान की शर्तों का अनुपालन होने पर प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विक्रय प्रमाण पत्र सफल निविदाकर्ता के नाम से ही जारी किया जावेगा। इसमें किसी अन्य व्यक्ति/संस्था का नाम जोड़ना/हटाना संभव नही होगा। (10) संपत्तियों की नीलामी वित्तीय आस्तियों का प्रातिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के नियमों/निर्धारित शर्तों के अधीन की जा रही है। (11) नीलामी हेतु निविदा बंद लिफाफे में दिनांक 29.04.2024 तक क्षेत्रीय कार्यालय-रायपुर महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, (छ.ग.) रायपुर में जमा लिया जायेगा। (12) यदि किसी कारण से नीलामी की तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है तो नीलामी अगले कार्यदिवस में संपन्न होगी।

प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक 28.03.2024 — छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय - रायपुर

शब्द पहेली - 5467

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 5466 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	द्द	क	र	ना	

सूडोकु नवताल- 5478

★★★ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5477 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

वित्तीय स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं तो कुछ निवेश संकल्प अपनाएं

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए निवेश की करें बढ़िया प्लानिंग

निवेश मंत्रा
रजत मेहरोत्रा

यदि आप इस बारे में थोड़ा और विचार कर रहे हैं कि नए साल की शुरुआत में अपने वित्तीय लक्ष्यों तक कैसे पहुंचें, तो आप अकेले नहीं हैं। यह दुनिया भर में एक आम प्रथा है और हजारों वर्षों से चली आ रही है। नए साल के संकल्प अक्सर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में होते हैं। अधिक कसरत करें, जंक फूड कम खाएं, दिन में एक बार ध्यान करें, धूम्रपान छोड़ें, सोशल मीडिया पर कम समय बिताएं, लेकिन वित्तीय स्वास्थ्य का क्या? क्या आपने 2024 में अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के बारे में सोचा है? और जबकि हम सोचते हैं कि आपके वित्तीय स्वास्थ्य का ख्याल रखना साल भर प्राथमिकता होनी चाहिए, नया साल चेक-इन करने और यह देखने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है कि आप संभावित रूप से अपने वित्तीय खेल को कैसे बेहतर बना सकते हैं। 2024 वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन थोड़ी प्रेरणा की आवश्यकता है? तो यहां नए साल के 13 बेहतरीन वित्तीय संकल्प दिए गए हैं, जिनकी मदद से आप शुरुआत कर सकते हैं।

व्यक्तिगत ऋण का भुगतान करें

कर्ज कैसे चुकाएं यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप पर किस प्रकार का कर्ज है। क्योंकि क्रेडिट कार्ड पर अक्सर उच्च ब्याज दरें होती हैं, और जारीकर्ता दशकों तक आपको उस नए टीवी के लिए भुगतान करने में प्रसन्न होते हैं-ब्याज के साथ-साथ ब्याज बढ़ने पर-क्रेडिट का भुगतान करने की योजना बनाना एक अच्छा विचार हो सकता है।

किसी महंगी आदत को छोड़ें

हो सकता है कि यह आपकी दैनिक लजीज कॉफ़ी हो, एक प्रीमियम मूवी चैनल पैकेज हो या दोपहर की मीठी दावत हो। छोटी-छोटी चीजें जुड़ जाती हैं। अपनी जेब में अधिक पैसा वापस लाने के लिए कुछ अच्छी वित्तीय आदतों के लिए अपने महंगे पैटर्न को बदलने का प्रयास करें। कारें खराब हो गईं, परिवार में किसी को सर्जरी का पता चला, नौकरी चली गई और टीवी/वॉशिंग मशीन खराब हो गई। जीवन आश्चर्यों से भरा है। अप्रत्याशित की उम्मीद करें और कर्ज से बचने और उन अप्रत्याशित खर्चों को कवर करने के लिए एक आपातकालीन निधि बनाएं।

निवल संपत्ति की गणना करे

आपकी निवल संपत्ति जानना एक अच्छी बात है, क्योंकि यह आपको किसी भी समय आपके वित्तीय स्वास्थ्य की एक बड़ी तस्वीर देता है, और यह यह देखने का एक प्रभावी तरीका है कि आपका वित्त आपके लक्ष्यों की ओर सही रास्ते पर है या नहीं। यह आपको यह पहचानने में भी मदद कर सकता है कि आप कहां अपने कर्ज को कम करने और अपनी संपत्ति को बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं।

वसीयत लिखें

वसीयत यह सुनिश्चित करती है कि आपकी अंतिम इच्छाएं आपकी इच्छानुसार पूरी की जाएंगी। इसके बिना, आपकी संपत्ति प्रोबेट नामक एक लंबी प्रक्रिया से गुजर सकती है, जिसमें अदालतें यह तय करती हैं कि आपकी संपत्ति कैसे वितरित की जाए।

एक वित्तीय योजना बनाएं

भले ही आप अपने करियर के शुरुआती दौर में हों या समाप्ति रेखा के करीब हों, इससे पहले कि आपको पता चले, आपके सुनहरे साल यहीं होंगे। अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को लिखने से आपको उस भविष्य की दिशा में प्रगति करने में मदद मिल सकती है जिसकी आप कल्पना करते हैं।

वित्तीय साक्षरता में सुधार करें

हर सप्ताहांत या महीने में, एक अलग वित्तीय या निवेश पॉडकास्ट डाउनलोड करें और ट्यून करें। या, यदि आप बहुत व्यस्त हैं, तो प्रति तिमाही एक बार व्यक्तिगत वित्त पुस्तक या प्रति माह एक बार एक शैक्षिक लेख पढ़ने का संकल्प लें। बचत युक्तियों और तरकीबों का खजाना खोजने के बाद, आप स्वयं भी विशेषज्ञ बन सकते हैं।

वित्तीय सलाहकार से बात करें

साल के अंत तक मानवीय सलाह लें। एक वित्तीय सलाहकार आपको यह निर्धारित करने में मदद कर सकता है कि आपके वित्तीय लक्ष्य क्या हैं, आपको आपके विकल्पों के बारे में बता सकता है और एक वैयक्तिकृत योजना प्रदान कर सकता है। जब आप तटस्थता में फंसे हों तो मार्गदर्शन प्राप्त करने से आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।

सेवानिवृत्ति अंशदान दर बढ़ाएं

हो सकता है कि आप पहले से ही अपने साथी से मिल रहे हों, या आप इसे एक पायदान ऊपर उठाना चाह रहे हों। अपनी बचत दिनचर्या में लागू करने के लिए एक अच्छी रणनीति यह है कि आप अपने सेवानिवृत्ति योजना खाते में 10% (या इससे भी अधिक) का योगदान देना शुरू करें। और जब आपका घर ले जाने वाला वेतन कम हो जाएगा, तो कर-पूर्व योगदान के साथ आपकी कर योग्य आय भी कम हो जाएगी और आपके सेवानिवृत्ति में वृद्धि होने की संभावना है। सशक्त अंतर्दृष्टि से पता चलता है कि जिन लोगों ने अपनी योगदान दर कम से कम 10% निर्धारित की है, वे भविष्य में अपनी कामकाजी आय का 100% बदलने की राह पर हैं।

वर्तमान निवेश का मूल्यांकन करें

अपने जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा और आपातकालीन निधि की स्थिति दोबारा जांचें। अगर कोई कमी है तो पहले उसे बढ़ाने पर ध्यान दें. वे व्यक्तिगत वित्त की नींव की तरह हैं। पहले ये आधार तैयार किए बिना कभी भी संपत्ति न बनाएं। अन्यथा, यह किसी भी समय गिर सकता है।

जोखिम के आधार पर उत्पाद चुनें

किसी निवेश उत्पाद को चुनने में सबसे शक्तिशाली आधारों में से एक पिछला रिटर्न है। हम सभी जानते हैं कि पिछला प्रदर्शन भविष्य की गारंटी नहीं है। इस बात की कोई चिंता नहीं कि पिछला प्रदर्शन इतना शानदार क्यों है। बल्कि हम इंसानों का दृढ़ विश्वास है कि पिछला प्रदर्शन भविष्य में भी जारी रहेगा।

ऐसे उत्पाद से बचें जिसमें टैगलाइन हो

देखें कि अलग-अलग शक्लों में बंदोबस्ती जीवन बीमा उत्पाद निवेशकों को कैसे बेचे जाते हैं। एजेंट और बीमा कंपनियाँ आमतौर पर उन टैगलाइनों के साथ उत्पाद पेश करती हैं जिनका मैंने ऊपर उल्लेख किया है। हालाँकि, इनमें से अधिकांश उत्पाद तरलता के मुद्दों और आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए मुद्रास्फीति को मात देने में विफलता के कारण फंसे हुए हैं।इसलिए, निवेश के विचार के रूप में बीमा उत्पादों से बचें। इसके बजाय, बीमा उत्पादों को जोखिम-हस्तांतरण उत्पादों के रूप में खरीदें।

खर्च और निवेश के लिए विलंबित संतुष्टि का पालन करें

याद रखें कि हम जो भी खरीदते हैं, उसका 60 प्रतिशत से अधिक हमारी सूची में नहीं था। हम क्यों खरीदेंः खरीदारी का विज्ञान,हम छूट, ऑफ़र या क्रेडिट कार्ड पॉइंट से भर गए हैं। लेकिन जरा अपनी सांस रोकिए और सोचिए कि वे अपना प्रॉफिट मार्जिन कम करके डिस्काउंट क्यों दे रहे हैं। क्या ये ऑफर या जाल हैं? उनमें से अधिकांश अपने बिक्री लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जाल हैं। ऐसी बिक्री रणनीति के लिए कभी भी बलि का बकरा न बनें। आपको जो चाहिए वह खरीदें और यदि आपको लगता है कि वे चाहते हैं, तो विलंबित संतुष्टि रणनीति का पालन करें। यही बात निवेश पर भी लागू होती है. उदाहरण के तौर पर देखें तो फिलहाल भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में करीब 1400 म्यूचुअल फंड हैं। ये एएमसी आपके लिए एक मानसिकता बनाते हैं कि ये सभी 1,400+ फंड आपके लिए आवश्यक हैं और इनके बिना आपकी धन सृजन यात्रा समाप्त है। हालांकि, एक निवेशक के रूप में, आपको अपना पोर्टफोलियो बनाने के लिए केवल 5 से कम फंड की आवश्यकता है। इसलिए आप जो भी सुनें या सलाह लें, उस पर हां कहने के जाल से बचें। जब भी कोई आपको कोई सेवा या उत्पाद पेश करेगा तो पालन करने का सरल नियम यह है-क्या यह मेरे लिए या उस व्यक्ति के लिए एक आवश्यकता है जो मुझे पेशकश कर रहा है? जब कोई आपको अपनी सेवा या उत्पाद की पेशकश कर रहा है तो हितों का टकराव क्या है? विलंबित संतुष्टि का पालन करें और उचित शोध और सलाह के बाद ही एनएफओ और आईपीओ में निवेश करें। वे म्यूचुअल फंड कंपनियों, बिचौलियों और कंपनियों के प्रमोटरों के लिए उपलब्धियां हैं, लेकिन आपके लिए नहीं।

-(लेखक वित्तीय कर सलाहकार, शेयर बाजार विशेषज्ञ और वर्तमान में एक रिसर्च स्कॉलर के रूप में प्रबंधन विभाग-बिट्स पिलानी से जुड़े हुए हैं।)

म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसे करें शुरुआत

- ऑनलाइन ई-केवाईसी म्यूचुअल फंड्स की दुनिया की चाबी
- केवाईसी के लिए सबसे पहले पैन और आधार कार्ड जरूरी

बिजनेस डेस्क

इस समय निवेश के परंपरागत साधनों में रिटर्न काफी कम हो गया है। इन साधनों में उतना भी रिटर्न नहीं है कि महंगाई की दर या इंफ्लेशन रेट को बीट कर सकें। इन पर इनकम टैक्स अलग से लगता है। निवेश के इन साधनों की तुलना में म्यूचुअल फंड में बढ़िया रिटर्न मिलता है। जो स्मार्ट इनवेस्टर्स हैं, वे बहुत पहले म्यूचुअल फंड का रास्ता अख्तियार कर चुके हैं। अब म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना बेहद आसान और सरल हो गया है। इसमें निवेश के लिए कोई अतिरिक्त दस्तावेज़ों की जरूरत भी नहीं पड़ती। कोई भी व्यक्ति कुछ सामान्य दस्तावेजों या डॉक्यूमेंट्स का उपयोग कर कई फंड्स में निवेश करने के बारे में सोच सकता है। हम बता रहे हैं कि कोई सामान्य व्यक्ति कैसे म्यूचुअल फंड की जर्नी शुरू कर सकता है।

म्यूचुअल फंड में पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों को अपना केवाईसी या नो योर कस्टमर का प्रोसेस पूरा करना होगा। यह एक बार की प्रक्रिया है। केवाईसी सत्यापन पूरा करने में आपकी मदद करने के लिए आप किसी डिस्ट्रिब्यूटर या निवेश सलाहकार के पास जा सकते हैं या आप ऑनलाइन ई-केवाईसी कर सकते हैं। केवाईसी म्यूचुअल फंड्स की दुनिया की चाबी की तरह है। अपना केवाईसी पूरा होने के बाद, आप हर निवेश के लिए आगे सत्यापन से गुज़रे बिना किसी भी फंड में निवेश कर सकते हैं।

केवाईसी के लिए कौन से कागजात चाहिए

आपको केवाईसी के लिए सबसे पहले पैन कार्ड जी जरूरत पड़ेगी। इसके अलावा एड्रेस प्रूफ के लिए कोई दस्तावेज चाहिए। आमतौर पर लोग एड्रेस प्रूफ के लिए आधार कार्ड का उपयोग करते हैं। इसके साथ ही आपको किसी बैंक में खाता भी होना जरूरी है, क्योंकि म्यूचुअल फंड में निवेश की शुरुआत करने के लिए आपके बैंक अकाउंट के बारे में भी पूछा जाएगा और आपसे एक कैंसिल्ड चेक भी मांगा जाएगा। केवाईसी सत्यापन के बाद निवेश करने के लिए तैयार होने पर, आप किसी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रिब्यूटर, रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार, स्टॉक मार्केट ब्रोकर, बैंक या किसी अन्य वित्तीय प्रतिनिधि की मदद से निवेश करने का चुनाव कर सकते हैं। लेकिन अगर आप खुद निवेश करना चाहते हैं, तो आप फंड हाउस के नज़दीकी कार्यालय में जा सकते हैं या ऑनलाइन निवेश करने के लिए उनकी वेबसाइट पर जा सकते हैं अथवा किसी ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। सीधे निवेश करने या किसी डिस्ट्रिब्यूटर के माध्यम से निवेश करने के बीच चुनाव व्यक्तिगत है। अगर आपको खुद अपने निवेश का प्रबंधन करना पसंद है, तो आप बेशक फंड की वेबसाइट या किसी ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन निवेश कर सकते हैं। लेकिन अगर आप सलाह लेना चाहते हैं या आपको निवेश करने में मदद की ज़रूरत है, तो आप किसी प्रतिनिधि के माध्यम से निवेश कर सकते हैं, जैसे डिस्ट्रिब्यूटर, निवेश सलाहकार, बैंक आदि।

सही स्कीम चुनें

म्यूचुअल फंड में निवेश से पहले सही स्कीम का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसमें टाइम होरिजन या समय सीमा, रिस्क प्रोफ़ाइल और टैक्स इम्लीकेशन के आधार पर निवेश के लिए सही योजना का चयन किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप 1-2 साल की अवधि के लिए निवेश करना चाह रहे हैं और कुछ जोखिम ले सकते हैं और टैक्स इफीशिएंसी चाहते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड या डेट फंड के बजाय इक्विटी सेविंग फंड चुन सकते हैं। यदि आप डेट फंड चुनते हैं, तो लाभ आपकी आय के अनुरूप कर के अधीन होगा, जबकि इक्विटी फंड से बाजार में गिरावट आने पर अल्पावधि में नुकसान हो सकता है। किसी योजना को बीच में बदलने से एक्ज़िट लोड या अधिक अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर लग सकता है। जब आप म्यूचुअल फंड में निवेश करना शुरू करते हैं तो यह जरूरी है कि आप अपने बैंक खाते को फोलियो से जोड़ें। म्यूचुअल फंड के अकाउंट में आप नॉमिनी जरूर बनाएं। सही नॉमिनी महत्वपूर्ण है।

- निवेशकों को दिया बढ़िया मुनाफा, हो रहे मालामाल
- इक्विटी में सीधे पैसा लगाने को लेकर थोड़ा रिस्क जरूर

बिजनेस डेस्क

निवेशकों के मन में अक्सर यह सवाल रहता कि क्या मम्युचुअल फंड में एसआईपी के जरीये तीन साल में निवेश की गई राशि डबल हो सकती है। आमतौर पर जेहन में यही रहता है कि जल्द से जल्द आपका पैसा डबल या ट्रिपल कैसे हो। इसके लिए कहां निवेश करें। एफडी, आरडी, एसआईपी या अन्य कोई स्कीम जो जल्द से जल्द आपके पैसे को डबल कर सके। अक्सर देखने में आता है कि बैंक की एफडी या आरडी में तो पैसे डबल होने में ही 9 से 10 साल लग जाते हैं। वहीं, इक्विटी में सीधे पैसा लगाने को लेकर थोड़ा रिस्क होता है, लेकिन निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। बाजार में कुछ ऐसी स्कीम हैं, जिनमें 3 साल में ही पैसे डबल या ट्रिपल हो गए हैं। 3 साल में पैसे ट्रिपल यानी ऐसी डील आपके लिए बेहतरीन हो सकती है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर कौन सी ऐसी स्कीम हैं, जिनमें इतना ज्यादा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी 5 म्यूचुअल फंड स्कीम के बारे में जानकारी देंगे, जिन्होंने पैसे को डबल करवा दिया।

बिजनेस साइट

ऑडी रायपुर ने एनएच गोयल फिनिशिंग स्कूल के सहयोग से मनाया होली उत्सव

रायपुर। ऑडी रायपुर ने एनएच गोयल फिनिशिंग स्कूल के सहयोग से 30 मार्च को एक रंगारंग होली उत्सव की मेजबानी की। इस खूबसुरत आयोजन में शहर के सभी प्रमुख उद्योगपतियों की पत्नियों ने भाग लिया। इस पूरे कार्यक्रम को बेहद बारीकी से इस तरह प्लान किया गया कि यह मेहमानों को एक अनूठा एवं यादगार अनुभव प्रदान करें। उपस्थित अतिथियों ने एक के बाद एक आनंददायक एक्टिविटीज़ का अनुभव लिया जिसमें होली के पारंपरिक अनुष्ठान, मधुर लाइव संगीत, इंटरैक्टिव गेम्स और स्वादिष्ट व्यंजनों की श्रृंखला शामिल रहे।

ऑडी शोरुम की पृष्ठभूमि में होली की भावनाओं को समेटे हुए वाइब्रेंट डेकोरेशन और ऑडी के सिग्नेचर वाहनों ने पूरे माहौल में चार चांद लगा दिए। त्यौहार के उत्साह के साथ-साथ अतिथियों ने ऑडी ए-4 की स्लीक डिजाइन और ऑडी क्यू-3 स्पोर्ट्स बैक की लग्ज़री और कंफर्ट का अनुभव लिया। आयोजन के बारे में चर्चा करते हुए ऑडी रायपुर के डायरेक्टर प्रशांत केसरवानी ने कहा कि ऑडी रायपुर में इस रंगारंग कार्यक्रम को आयोजित करना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। यह हमारे लिए भी एक अवसर है जहां हम शहर की बिजनेस कम्यूनिटी की सभी प्रभावशाली महिलाओं को एक साथ एक जगह पर स्टाइल में होली सेलिब्रेशन के लिए एकत्रित कर सत्कार करने का मौका मिला। हम आगे भी इस तरह के आयोजन, जो लोगों को हमेशा याद रहें।

चुनाव परिणाम आने के समय बाज़ार में अस्थिरता की आशंका

बिजनेस डेस्क

वैल्यू स्टॉक्स जो कि एक स्मॉलकेस मैनेजर है, के द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, शेयर बाजार आमतौर पर चुनाव परिणामों के अनुकूल रहता है, जबकि चुनाव से पहले के महीनों में कुछ अस्थिरता देखी जा सकती है, जो बहुत थोड़े समय तक रहती है। हालांकि, मजबूत आधारभूत संरचना को देखते हुए, बाजार लंबे समय तक लाभप्रद बने रहने की संभावना है। चुनावों संबंधी अपरिहार्य किंतु आवश्यक अटकलों और आशंकाओं से इतर, आंकड़े पिछले 20 वर्षों के चुनाव चक्रों को दर्शाते हैं कि इनमें से प्रत्येक अवधि के दौरान, निवेशकों ने लगातार, चुनाव परिणामों की घोषणा से पहले अथवा बाद में, औसत से अधिक रिटर्न प्राप्त किया है। इसके अलावा, उपर्युक्त आंकड़े यह भी इंगित करते हैं कि एक वर्ष की न्यूनतम निवेश समय-सीमा के भीतर भी निवेशकों ने अच्छा लाभ कमाया है। इसलिए, हम अनुशंसा करते हैं कि निवेशक चुनाव संबंधी समाचारों या अफवाहों से बचते हुए अस्थिरता की परवाह किए बिना बाजार में डटे रहें। वैल्यू स्टॉक्स के संस्थापक और स्मॉलकेस मैनेजर शैलेश सराफ ने कहा, "2023 में, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं के आरंभ और उनके प्रभावशाली प्रदर्शन से भारतीय बाजार भी समृद्ध हुआ। इस असाधारण अवधि में आईपीओ की रिकॉर्ड-तोड़ संख्या के साथ-साथ मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में उछाल देखा गया। विशेष रूप से, 2023 में निफ्टी50 में 20% की वृद्धि देखी गई।"

स्मॉलकेस पेशकशें अवसर का प्रतीक

सराफ ने आगे कहा, शेयर बाजार के इस गतिशील परिदृश्य में, हमारी स्मॉलकेस पेशकशें अवसर का प्रतीक साबित होंगी, जो 'ग्रोथ लेना है, सस्ता लेना है' के सिद्धांत द्वारा निर्देशित हैं। प्रत्येक स्मॉलकेस को एक प्रभावशाली मूल्यांकन पर उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले वृद्धि शेयरों के सार को समाहित करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। चाहे वह स्मॉल-कैप आधारित स्मॉलकेस सेगमेंट के छिपे हुए रत्नों को उजागर करना हो या ब्लू-चिप शेयरों के बीच दिग्गजों की पहचान करना हो, स्मॉलकेस रणनीतियां निष्ठापूर्वक अपना काम करती हैं। इसके अलावा, हमने पीएसयू शेयरों के बारे में भी छानबीन की है, जिससे हमें पीएसयू केंद्रित स्मॉलकेस रणनीति के माध्यम से सरकार समर्थित उद्यमों की क्षमता के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संक्षेप में, हमारे स्मॉलकेस, निवेशकों के लिए अनुकूल कीमतों पर ऐसेट खरीद पाने की यात्रा में वाहन का काम करते हैं, जो समान माप में मूल्य और वृद्धि प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

- लंबे समय के निवेशों के संदर्भ में मूल्यों में वृद्धि होगी
- **वैल्यू स्टॉक ने जारी किया अनुमान**
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने हालिया दिनों में बेहतर प्रदर्शन किया
- 2023 में, निफ्टी पीएसई इंडेक्स में 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने हालिया दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उनकी बढ़ती लाभप्रदता के कारण पीएसयू शेयरों को रडार पर रखा जाना चाहिए। 2023 में, निफ्टी पीएसई इंडेक्स में 77% की वृद्धि हुई, जो निफ्टी50 के 20% रिटर्न को पार कर गई। 2024 में भी पीएसई इंडेक्स ने 21% का रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी50 का रिटर्न 3% ही रहा। कम वैल्यूएशन के कारण इसमें आगे भी वृद्धि की संभावना है क्योंकि निफ्टी पीएसई इंडेक्स अभी भी 10 पीई पर कारोबार कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के सूचकांक जैसे निफ्टी पीएसई, निफ्टी सीपीएसई और निफ्टी पीएसयू बैंक ने एक साल की समय-सीमा में प्रमुख भारतीय सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे पता चलता है कि देश अब सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर विश्वास कर रहा है जिससे बाजार और भी अधिक मजबूत हो रहा है।

निवेशक आशावादी : शैलेश सराफ ने बताया, "निवेशक भारत सरकार की विकास योजनाओं को लेकर आशावादी हैं। रेलवे और रक्षा क्षेत्र पर सरकारी व्यय की वृद्धि और 'मेक इन इंडिया' पहल से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को लाभ हुआ। इससे बाजार पूंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 20 लाख करोड़ के करीब पहुंच गई। 2024 के आम चुनावों में वर्तमान सरकार की जीत की उम्मीद और ऑर्डर बुक के सशक्त आंकड़ों ने भी पीएसई स्टॉक की वृद्धि में योगदान दिया, जो मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी तत्वों और उच्च मांग का संकेत देता है।"

रिपोर्ट में, कुछ प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रदर्शन और उनके भविष्य के दृष्टिकोण पर भी चर्चा की गई।

रेलवेः भारत आने वाले वर्षों में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस एजेंडे में विभिन्न पहलें शामिल हैं, जिनमें 8 हाई-स्पीड बुलेट ट्रेनों की खरीद, 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार और अगले 5 वर्षों के भीतर 400 वंदे भारत ट्रेनों और 3000 नई यात्री ट्रेनों में निवेश शामिल है। इसके अलावा, भारत की महत्वाकांक्षी परियोजना 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' को आगे बढ़ाया जाएगा, जिसका लक्ष्य देश की 45% माल ढुलाई को समायोजित करना है। ये प्रयास सामूहिक रूप से रेलवे में 50 लाख करोड़ रुपये का एक बड़ा सेक्टर कैपेक्स अवसर प्रस्तुत करते हैं, जिससे एक बड़ा बज़ार निर्मित होगा।

रक्षा : 2023 में, भारत ने रक्षा क्षेत्र में 81 बिलियन डॉलर का व्यय किया, रक्षा क्षेत्र पर व्यय के मामले में यह विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है। रक्षा निर्यात में 20% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर देखी गई, इसमें 84 देशों तक निर्यात शामिल है। इस व्यय में, पनडुब्बियों, टॉरपीडो, विमान वाहक, लड़ाकू जेट, मिसाइलों का अधिग्रहण, दो रक्षा गलियारों की स्थापना, और 150 रक्षा और रडार प्रणालियों की खरीद शामिल है, जिनमें से 70% घरेलू स्तर पर उपलब्ध थे। इस क्षेत्र के विभिन्न पीएसयू शेयरों ने सरकार से भारी ऑर्डर बुक हासिल करने के कारण 100% से अधिक रिटर्न दिया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और वित्तीय संस्थानः निरंतर ऋण वृद्धि, परिसंपत्ति की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार, और सीमांत लाभ के स्थिर रहने या उसमें वृद्धि के कारण राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों का आय प्रदर्शन बेहतर रहा जिससे उनके शेयरों की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अधिकांश बैंकों ने यह विश्वास व्यक्त किया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और ग्रामीण क्षेत्रों से मांग में क्रमिक वृद्धि के कारण 2024 में दोहरे अंकों में ऋण वृद्धि जारी रहेगी। आय की गुणवत्ता, विकास की सकारात्मक संभावनाओं और पीएसयू संस्थाओं के व्यापक पुनर्मूल्यांकन के कारण इस क्षेत्र में लगातार वृद्धि की उम्मीद है। दूसरा कारण इन सरकारी बैंकों की लाभप्रदता में वृद्धि है। भारत में पीएसयू बैंकों ने साल-दर-साल 29% की लाभ वृद्धि और तिमाही-दर-तिमाही 11% की वृद्धि दर्ज की है, जो इन पीएसबी के प्रदर्शन को दर्शाता है।

आईपीएल टीमों ने खर्च किए करोड़ों, फिर भी दिल तोड़े, अंग्रेज खिलाड़ी छोड़ गए साथ

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी इंग्लैंड के खिलाड़ियों को काफी तवज्जो देती रही हैं। लेकिन हर बार अंग्रेज खिलाड़ी इन फ्रेंचाइजियों का दिल तोड़ते रहे हैं। यह सीजन भी अपवाद नहीं है। इस बार भी इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी में जगह दी गई थी। टीमों को उम्मीद थी कि यह खिलाड़ी उनके लिए बेहतर प्रदर्शन करेंगे। लेकिन इनमें से कई खिलाड़ियों ने एक के बाद एक नाम वापस ले लिया। इनमें से कुछ खिलाड़ियों को तो ईसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए नाम वापसी पर मजबूर कर दिया। वहीं, कुछ खिलाड़ियों ने निजी कारणों को हवाला देकर खुद को आईपीएल से अलग कर लिया।

एटकिंसन हटे

गस एटकिंसन को केकेआर ने दो करोड़ रुपए की कीमत पर अपने साथ जोड़ा था। लेकिन ईसीबी ने इस गेंदबाज को भी टी20 वर्ल्डकप की योजनाओं में रखा है और इसीलिए एटकिंसन ने अपना नाम वापस ले लिया।

रॉय ने भी तोड़ी उम्मीद

इंग्लैंड के जिन खिलाड़ियों ने आईपीएल से नाम वापस लिया है, उसमें दिग्गज बल्लेबाज जेसन रॉय का नाम भी शामिल है। जेसन रॉय ने पिछले सीजन में केकेआर के लिए कुल आठ मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 151.60 की बेहतरीन औसत से 285 रन बनाए थे। ऐसे में टीम और फैन्स को उम्मीद थी कि वह इस सीजन में भी अहम भूमिका निभाएंगे। लेकिन जेसन रॉय परिवार के साथ समय बिताने का हवाला देकर अपना नाम वापस ले लिया।

ब्रूक की दादी का निधन

हैरी ब्रूक ने भी इस साल आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया। हैरी ब्रूक को दिल्ली कैपिटल्स ने मिनी ऑक्शन में 4 करोड़ रुपए की कीमत देकर अपने साथ जोड़ा था। लेकिन सीजन शुरू होने से पहले ही हैरी ब्रूक की दादी का निधन हो गया। हैरी के मुताबिक वह बचपन से अपनी दादी के बेहद करीब रहे हैं और। हैरी की दादी ने उनके क्रिकेट करियर को परवान चढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

विली, वुड ने लखनऊ को दिया धोखा

इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेविड विली ने भी इस साल आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया है।

विली इस साल लखनऊ सुपरजायंट्स के साथ थे। इसके अलावा मार्क वुड भी लखनऊ सुपरजायंट्स टीम के साथ थे और उन्होंने भी अपना नाम वापस ले लिया था। वुड ने ईसीबी के कहने पर अपना नाम वापस लिया था। ईसीबी चाहता है कि वुड टी20 वर्ल्ड कप पर ध्यान लगाएं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
चेन्नई	2	2	0	4
कोलकाता	2	2	0	4
राजस्थान	2	2	0	4
हैदराबाद	2	1	1	2
लखनऊ	2	1	1	2
पंजाब	3	1	2	2
बेंगलोर	3	1	2	2
गुजरात	2	1	1	2
दिल्ली	2	0	2	0
मुंबई	2	0	2	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
181 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

मुस्तफिजुर रहमान
06 विकेट
चेन्नई

बाउंड्री मीटर

309 चौके
214 छक्के

हार के बाद डुप्लेसिस ने पिच पर फोड़ा ठीकरा

बेंगलुरु। अपने घर में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने हार के लिए यहां की पिच को जिम्मेदार ठहराया है।

आईपीएल : पंजाब किंग्स को 21 रन से दी शिकस्त

लखनऊ की पहली जीत, मयंक ने 156 की रफ्तार से गेंदबाजी कर चटकाए तीन विकेट

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

भारत को तेज गेंदबाजी में एक नया सितारा मिल गया जिसने 156 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर तीन विकेट लिए। मयंक यादव ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को शनिवार को आईपीएल के मैच में पंजाब किंग्स पर 21 रन से जीत दिलाने में सूत्रधार की भूमिका निभाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने आठ विकेट पर 199 रन बनाए। पंजाब की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी।

लखनऊ के सलामी बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक ने 38 गेंद में 54 रन बनाए जबकि कार्यवाहक कप्तान निकोलस पूरन ने 21 गेंद में 42 रन की पारी खेली। कृणाल पंड्या ने दो छक्के और चार चौके लगाकर 22 गेंद में 43 रन बनाए और टीम को दो सौ के पास पहुंचाया। जवाब में मयंक की गेंदबाजी के दम पर लखनऊ ने इस सत्र में पहली जीत दर्ज की। मयंक ने पंजाब की पारी के 12वें ओवर में टूर्नामेंट की सबसे तेज गेंद 155.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से डाली। जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा उनकी गेंदों का सामना नहीं कर सके।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जाइंट्स	रन	गेंद	4	6
डिकॉक का जितेश बो अर्शदीप	54	38	5	2
राहुल का बेयरस्टो बो अर्शदीप	15	09	1	1
पड्डिकल का धवन बो कुरेन	09	06	2	0
मार्कस स्टोइनिस बो चाहर	19	12	0	2
निकोलस पूरन बो रबाडा	42	21	3	3
बडोनी का बेयरस्टो बो कुरेन	08	10	0	0
कृणाल पंड्या नाबाद	43	22	4	2
बिश्नोई का तनय बो कुरेन	00	01	0	0
मोहसिन खान रन आउट	02	01	0	0
नवीनुल हक नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 199/8
गेंदबाजी : कुरेन 4-0-28-3, अर्शदीप 3-0-30-2, रबाडा 4-0-38-1, चाहर 3-0-42-1, बरार 2-0-14-0, पटेल 4-0-45-0.

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
धवन का डिकॉक बो मोहसिन	70	50	7	3
बेयरस्टो का स्टोइनिस बो यादव	42	29	3	3
प्रभसिमरन का नवीनुल बो यादव	19	07	1	2
जितेश का नवीनुल बो यादव	06	09	1	0
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	28	17	2	2
कुरेन का पूरन बो मोहसिन	00	01	0	0
शशांक सिंह नाबाद	09	07	1	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 178/5
गेंदबाजी : सिद्धार्थ 2-0-21-0, नवीनुल 4-0-43-0, मोहसिन 4-0-34-2, कृणाल 3-0-26-0, बिश्नोई 3-0-25-0, यादव 4-0-27-3.

धवन का अर्धशतक बेकार

शिखर धवन ने 50 गेंद में 70 और बेयरस्टो ने 29 गेंद में 42 रन बनाए। पावरप्ले में पंजाब का स्कोर बिना किसी नुकसान के 61 रन था। धवन ने रवि बिश्नोई को छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

अप्रैल में चुनी जाएगी भारतीय टी20 विश्व कप टीम

नई दिल्ली। अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम के अप्रैल के अंतिम हफ्ते में चुने जाने की संभावना है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टीम सौंपने की अंतिम तारीख एक मई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। लेकिन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली प्रत्येक टीम को 25 मई तक अपनी शुरुआती टीम में खिलाड़ियों को बदलने का मौका मिलेगा। बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'भारतीय टीम का चयन अप्रैल के अंतिम हफ्ते के दौरान किया जाएगा।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
1 से 6 अप्रेल तक
निसंतान दंपतियों के लिए
नि:शुल्क परामर्श
प्रथम 15 पंजीयन में IVF/ICSI पैकेज में 20% की छूट
93000 30000
97551 62611
FOLLOW US ON
20% क्लीनिकल टेस्ट में की छूट
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371
24x7 Helpline: 85568 09999

आरएसएस प्रमुख भागवत पहुंचे बिलासपुर

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत शनिवार को अल्प प्रवास पर बिलासपुर शहर पहुंचे। अमरकंटक जाते समय वे रेलवे स्टेशन से मनोहर टाकिज के पास स्थित संघ कार्यालय कालकर कुंज भवन पहुंचे, यहां बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला समेत संघचालक, क्षेत्रीय प्रचारक एवं अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात की।

चोट एवं जलने के बाद घाव की प्लास्टिक सर्जरी
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
रोबोटिक कैंसर सर्जरी, लेपेरोस्कोपिक कैंसर सर्जरी, व सभी प्रकार के कैंसर सर्जरी के लिए एक कुशल एवं विश्वसनीय टीम
यूनिट 1
डॉ अर्पण चतुर्मोहता MS, MCh HOD, सीनियर कैंसर एवं रोबोटिक सर्जन
डॉ विवेक पटेल MS, MCh सीनियर कैंसर एवं रोबोटिक सर्जन
यूनिट 2
डॉ दिवाकर पांडेय MS, MCh सीनियर कैंसर एवं रोबोटिक सर्जन
डॉ कल्याण पांडेय MS, MCh सीनियर कैंसर एवं रोबोटिक सर्जन
(पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त, 20 स्पेशलिस्ट, 17 वर्षों से)
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.) 7389905010, 738994010, +917714081010, 4061010

Dr. Juneja's ACCUMASS®
वज़न बढ़ाए# आत्मविश्वास जगाए
एक्यूमॉस आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स

एस. एम. सी. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ के अनुभवी पेट एवं लीवर रोग विषेशज्ञ
डॉ संजय अग्रवाल
अब नियमित रूप से अपनी सेवाएं
एसएमसी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में देंगे।
डॉ.संजय अग्रवाल
(M.D., D.M. Gastroenterology)
पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
पेट सम्बन्धी बीमारियों का इलाज
• गैस, • खट्टी डकार, • खाना निगलने में परेशानी, • पेट फूलना, • फैटी लीवर, • लीवर सिरोसिस, • पैंक्रियाटाइटिस, • उल्टी में खून आना, • लीवर ट्रांसप्लांट
हमारी सुविधाएं
एंडोस्कोपी
कोलोनोस्कोपी
इआरसीपी
सोनोग्राफी
ब्लड टेस्ट
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07712285999, 08839800123
एस.एम.सी.हॉस्पिटल, अशोका रतन के पास रायपुर

आयुष्मान कार्ड से कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाई: सूर्या मॉल के पास, फोन: 77228 80844, 0788 2294440
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, फोन: 93430 79151, 91313 99570
• कैंसर सर्जरी
• कीमोथेरेपी
• रेडियोथेरेपी
द्वारा अनुबंधित
ESIC RAILWAY SECL CGHS TPA
Deepak Advts

Vedanta Medical Research Foundation
BALCO Medical Centre
छत्तीसगढ़ की पहली नवीनतम हैल्सीऑन व टू बीम रेडिएशन मशीनो द्वारा कैंसर का सटीक ईलाज, बालको मेडिकल सेंटर में
कैंसर की देखभाल में अत्याधुनिक तकनीक
1 100% IGRT सटीक रेडीएशन के लिए
2 न्यू जनरेसन मशीन
3 बेहतर कार्य प्रवाह दक्षता 4 उच्च छवि गुणवत्ता
5 100 cm चौडे बोर के साथ मानव केंद्रित डिजाइन
6 हाइपरसाइट के साथ हैल्सीऑन
1 SGRT (सरफ़ेस गाइडेड रेडियोथेरपी) के द्वारा रियल टाइम ट्यूमर ट्रेकिंग जो फेफडो के कैंसर, लिवर SBRT, बाएं साइड के स्तन के रेडिएशन में अत्याधिक कारगर 2 SRS/SBRT/SRT की सुविधा जहाँ उक्त ईलाज हाईपर आर्क प्लानिंग और डेडीकेटिड इमोबलाईजेशन के साथ त्रुटिरहित रेडीएशन किया जाता है
3 हाई डेफिनीशन MLC व रोबोटिक 6D काउच की सुविधा
4 IGRT/IMRT/3DCRT की सुविधा

डॉ. गौरव गुप्ता वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं HOD रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. आर श्रेयस रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. प्रभाकर गुप्ता रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. अन्वीक्ष पारीक रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
कैंसर का संपूर्ण इलाज एक छत के नीचे
• सभी प्रकार की कैंसर एवं रीकन्सट्रक्टिव सर्जरी • पैट स्कैन, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी • कीमोथेरेपी, इम्यूनो थेरेपी एवं टार्गेटेड थेरेपी • रक्त-संबंधी सभी बीमारियों एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट • अत्याधुनिक गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) • सूक्ष्म या न्यूनतम चीरा • पैन एवं पैलिएटिव केयर • 24x7 लैब सेवाएं • ब्लड बैंक • फार्मेसी • कॉल सेंटर • आपातकालीन सेवाएं
बालको मेडिकल सेंटर
सेक्टर 36, नया रायपुर, छ. ग. 8282823333/4444 www.balcomedicalcentre.com
आयुष्मान/BSKY कार्ड से निःशुल्क ईलाज व ठहरने के लिए सराय की सुविधा उपलब्ध
छत्तीसगढ़ शासन, डॉ.खूबचंद बघेल योजना, आयुष्मान भारत, BSKY C.G.H.S. एवं सभी प्रमुख PSUs-Coal India (SECL), SAIL, SECR, CRPF ESIC, ECHS, NTPC, NMDC व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
Embassy

Hero
नई super Splendor XTEC
125cc
अपना टाइम सुपर है

सुपर पावर. सुपर माइलेज.
अब XTEC टेक्नोलॉजी के साथ.
जल्दी करें! स्कीम का आखिरी दिन, कीमत बढ़ने से पहले खरीदें
एक्स-शोरूम कीमत* ₹81948
कैश डिस्काउंट ₹3000* के साथ स्पेशल एक्स-शोरूम कीमत* ₹78948
LED हेडलैंप HIPL# के साथ
फुल डिजिटल मीटर रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर के साथ
ब्लूटूथ कॉल और SMS अलर्ट के साथ
USB मोबाइल चार्जर
सुपर माइलेज 68 km/l^
कम डाउन पेमेंट ₹8999**
डिस्क ब्रेक में भी उपलब्ध है
Exchange Powered By Wheels of Trust^^ बेस्ट रीसेल वैल्यू के लिए स्कैन करें
India's First 5 Year Warranty *Conditions apply
World's No.1 22 years in a row
i3S Technology Idle-Stop-Start System
CALL TOLL-FREE 1800 266 0018
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^^Based on offers from empaneled dealers on Wheels of Trust platform. $Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22) ^Mileage as per third party testing under standard conditions. #HIPL stands for High Intensity Position Lamp. **Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships.*Ex showroom price of Super Splendor Drum in Raipur. Special ex-showroom price is inclusive of Cash Discount and applicable for a limited period only.
अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें ASK FOR XTEC
अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज 8770383767, अधिकृत ए.एस.सी: राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, चारामा: राठौर ऑटोमोबाईल्स 7470360334, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, जिगड़ी: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 9893126700, कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, लिमतरा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, चरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंदरदेही: एम.एम. ऑटो 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स 9993417123, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, छत्तीसगढ़ हीरो (भाटागाँव) 7428048702, अधिकृत डीलर रीप्रजेन्टेटीव: भानपुरी: अपारशा ऑटोमोबाईल्स 9757788320, 6261336946, बनियांगांव: संतू ऑटोकेयर 7999887434, 9131461749, सुकमा: आशुतोष ऑटोकेयर 9425260291, 8889696789, ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 2428555, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983.
WT.5683.2024HIN

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com